





*Centre For Learning*

*Songs, Hymns and  
Chants*

# Pronunciation

---

All the Bengali songs in this book have been written *phonetically*.

The sign above the म in मॅ indicates the sound “o” in the English words “nod” or “rod”. For example, मॅ is “mo” and so, मॅधु is “modhu”.

The sign above ए in ऐ indicates the sound “a” in the English words “back” or “sack”. Therefore ऐक is “[b]ack”.

In the Sanskrit section, the symbol ॠ is close to the sound गुँ . The sound is produced at the throat.

The symbol “\_”, which appears below Sanskrit letters, and the symbols “II”, and “I” which appear above Sanskrit letters indicate that a change in pitch is required when that syllable is uttered.

The symbol “ऽ” is called the avagraha. This is used to *join* words together while reciting them. As a consequence, the first vowel of the second word is dropped and sometimes syllables can be lengthened during pronunciation. For example, the words “Shiva” and “Aham”, when joined this way, we obtain “Shivoham”.

# Table of Contents

## Hindi

तरुण अरुण से	3
माटी कहे कुम्हार को	4
सुमिरन कर ले मेरे मना	5
चलो मन गंगा जमुना तीर	5
चाकर राखोजी	6
इस तन धन की	7
तुम्हरे कारण	7
अल्लाहु	8
सब हैं समान	8
मन एक बार हरि बोल	9
किनारे लगाव	9
साधो देखो	10
जागो ब्रिजराज	10
ठुमक चलत रामचन्द्र	11
गुरु कृपांजन पायो मेरे भाई	11
भयो प्रभात	12
कोयलिया बोले	12
पायो जी	13
बेर चल्या मेरे भाई	13
खेती करो	14
सकल हंस में राम विराजे	15

## Bengali

आगे ज़नले	19
प्रोथौमो आदि	19
एशो इयैमोलो	20
फूले फूले	20
बौशोन्ते फूल	21
मोधु-गौन्धे भौरा	21
आनोन्दोधोनि	22
दांगुआर बोधुआ	23
मोनो मोरो मेघेर	24
ऐतो दिन जे	25
ओरे भाई फागुन लेगेछे	25
खौरोबायू बौय बेगे	26
ग्रामछाड़ा	27
आज धानेर खेते	27
तिमिरो औबोगुंठौने	28
हेइ स्महालो	28
जीबौने	29
मोरूबिजौयेर	30
धितांग धितांग बोले	30
मोर बीना उठे	31
बादोलो बाउल्	32
मोर भाबोनारे	32
बौज्रोमानिक दिए	33
आय आय	33
ऐकला चौलोरे	34

## Kannada

ಬಳೆಗಾರ ಶೆಟ್ಟಿ	37
ಕಾಣಬಾರದ ಲಿಂಗವು	37
ದೂರದ ಬೆಟ್ಟದ	38
ಕುರುಡು ನಾಯಿ	39
ಮೋಡಗಳ ಜಡೆಬಿಚ್ಚಿ	40
ಭಾಗ್ಯದ ಲಕ್ಷ್ಮಿ ಬಾರಮ್ಮ	41
ಹರಿ ಕುಣಿದ	42
ಶಿವನು ಭಿಕ್ಷಕ್ಕೆ ಬಂದ	43
ನೂರನೋದಿ	43
ಶರಣು ಶರಣು	44
ದಾಸನ ಮಾಡಿಕೋ ಎನ್ನ	45
ಎನ್ನ ಹರಣ	46
ಗಗನ ದೊಡಲು	46
ಮಾಯದಂಥ ಮಳೆ ಬಂತಣ್ಣ	47
ಮಳೆಯ ಹನಿಗಳು	47
ಡೊಂಕು ಬಾಲದ ನಾಯಕರೆ	48
ಕರಡಿ ಕುಣಿತ	48
ಮುಂಜಾನೆದ್ದು ಕುಂಬಾರಣ್ಣ	49
ಕಾಯಕ್ಕೆ ನೆಳಲಾಗಿ ಕಾಡಿತ್ತು ಮಾಯೆ	50
ಬೆಟ್ಟದ ಮೇಲೊಂದು ಮನೆಯ ಮಾಡಿ	50
ಯಮನೆಲ್ಲಿ ಕಾಣೆನೆನ್ನು	51
ಎತ್ತಣ ಮಾಮರ ಎತ್ತಣ ಕೋಗಿಲೆ	51
ಯದು ವಂಶ	52

ಮರ್ತ್ಯ ಲೋಕವೆಂಬುದು ಕರ್ತಾರನ ಕಮ್ಮಟವಯ್ಯ	52
ಲೇ ಲಾಲಿ ಲೇಸೋ	53
ಬರ ಬರ ಭಕ್ತಿ	53
ತಾರಕ್ಕ ಬಿಂದಿಗೆ	54
ಧರ್ಮಭೂಮಿ ಭಾರತ	54
ಬಾರೋ ವೆಂಕಟೇಶ	55
ಎತ್ತಿರಾರತಿ ಸತ್ಯಸದ್ಗತಿ	55
ಕಲ್ಲನಾಗರ	56
ರಾಮಲಾಲೀ	56
ಅವನಿಪತಿ ಮೂಗಿನಲಿ	57
ಮಳೆರಾಯ	58
ಭಕ್ತಿಯೆಂಬ ಪೃಥ್ವಿಯ ಮೇಲೆ	58
ಬಿದ್ದಿಯಬ್ಬೇ ಮುದುಕಿ	59
ಒಂದು ಮುಂಜಾವಿನಲಿ ತುಂತುರಿನ ಸೋನೆಮಳೆ	59
ಬದುಕು ಜಟಿಕಾ ಬಂಡಿ	61
ಎಲ್ಲೋ ಹುಡುಕಿದೆ ಇಲ್ಲದ ದೇವರ	62
ರಾಗಿ ತಂದೀರಾ ಭಿಕ್ಷುಕೆ	62
ಹೇಳತೇನ ಕೇಳ	63
ಕೋಡಗನ ಕೋಳಿ ನುಂಗಿತ್ತ	66



## Others

आज़ गोकुळात	69
वल्लव रे नाख्या	70
विठु माझा	71
काया ही पणढरी	71
तन्दनाना अहि	72
उदार तुम्ही संत	73
अन्जन की सीटी	73
Mapalle Palinchu	74
अमृताहुनी गोड	74
Vennilave	75
म्हारी देराणीया जठाणीया	75
ढोला ढोल मजीरा	76
Hinet ma tov	76
De Colores	77
Dans La Foret	77
Kol dodi	77
Zum gaali gaali	77
Ilu Ilu	78
Tzena	78
Hava nagila	78
Hevenu Shalom Aleichem	78

## Sanskrit

शान्ति श्लोक	81
त्र्यम्बकं यजामहे	81
वंदना	82
तिसरणा	82
पंच सीला	82
वन्दे शम्भुम्	83
जय प्रोङ्ङामराकार	83
श्री रामचन्द्र	84
देवी भजो	84
एही मुरारे	85
प्रातः स्मरामि	85
गोविन्ददामोदरस्तोत्रम् (अग्रे करुणा)	86
शक्ति-सहित	86
शिवपंचाक्षरस्तोत्रम् (नागेन्द्रहाराय)	87
आपो वा	87
न भूमिर्न तोयं	88
जय जयति जय	88
शिवाकान्तशम्भो	89
श्री दक्षिणामूर्ति स्तोत्रम्	89
गणेशस्तवः(मुदाकरात मोदकं)	90

निर्गुणा सगुणा कारं	91
सत्यं ज्ञानमनन्तं	91
निर्वाणषट्कम् (मनोबुद्ध्यहंकार)	92
तेजो असि	92
किं नाम रोदिषि सखे	93
नासदीयसूक्तं	94
रक्ताम्भोज	94
अग्निर्मे वाचि श्रीतः	95
भद्रं कर्णेभिः	95
तृतीया भृगुवल्ली	96
गणानां त्वा	98
ज्ञानानन्दमयं देवं	98
दूर्वासूक्तम्	98
श्यामलादण्डकम् (माणिक्यवीणामुपलालयन्ती)	99
हावुहा	99
मृत्तिकासूक्तम्	100
सूर्यश्च	100
मधुवाता	100

## **Rounds**

Rose, Rose Red	103
Dona Nobis	103
Hay-Lo	103
Ego Sum Pauper	103
If All the People	103
I Like The Flowers	104
I Sat Down With The Duchess	104
Why Shouldn't My Goose	104
Simple Gifts	104
Black Socks	105

## **English**

Blowin' In the Wind	109
Sounds of Silence	110
Nowhere Man	111
Great Song Of The Sky	112
Colours, colours	112
Puff the Magic Dragon	113
John Barleycorn (Traditional)	114
If I had a Hammer	115
Down By The Riverside	115
North Country Blues	116
Where have all the Flowers Gone?	117
Streets of London	118
Circle Game	119
Mr. Tambourine Man	120
With A Little Help From My Friends	121
Ripple	122

Morning Morgantown	123
Scarborough Fair	124
Imagine	125
Today	125
Garden Song	126
Parody: Anti-Garden Song	126
Little Boxes	127
Kumbaya	127
The Hippopotamus Song	128
I Know An Old Lady	129
Sarasponda	129
Last Night I had the Strangest Dream	130
El Condor Pasa	130
You've Got a Friend	131
Jamaica Farewell	132
Shenandoah	132
Teach Your Children	133
O Freedom	133
The Times They are a-Changing	134
Moonshadow	135
We Shall Overcome	135
I'll Fly Away	136
Morning Has Broken	136
Amazing Grace	137
Now Is The Cool Of The Day	137
Turn, Turn, Turn	138
Angel Band	138
Abide With Me	139
Let it Be	140
Babylon	140
Silent Night	141
Oh Come All Ye Faithful	141

We Three Kings of Orient are	142
The First Noel	143
God Rest Ye Merry Gentlemen	144
Ding Dong Merrily On High	144
Joy To The World	145
Angels We Have Heard On High	145
While Shepherds Watched	146
Green Grow The Rushes-O	147
Flowers Never Bend With The Rainfall	148

*Hindi*





## तरुण अरुण से

तरुण अरुण से रंजित धरणी,  
नभ लोचन है लाल, भैया, नभ लोचन है लाल  
मृदु समीर में नाचे तरणी, नदी बजावे ताल, भैया, नदी बजावे ताल ।

चलो धरा के बन्धन तोड़  
छाया चुम्बित तट को छोड़  
नव प्रभात लाली के सम्मुख (×2)  
चढ़ाव चिट्ठा पार, भैया, नभ लोचन है लाल ।

हमें नहीं धन दौलत आस  
है स्वच्छंदहमारा हास  
रिझा नहीं सकता है हमको (×2)  
जग माया का जाल, भैया, नभ लोचन है लाल ।  
तरुण अरुण से.....

शोक नदी में देह-तरीको  
चलाना सीखो, चलाना सीखो  
जल्द कटेंगे दिन अब उनके (×2)  
क्यों देते हो टाल, भैया, नभ लोचन है लाल ।

चप्पू अचपल जलतल मार  
दिन रेहते कर बेड़ापार  
अब ही आवेगा दुख-दायक (×2)  
धूसर सन्ध्याकाल, भैया, नभ लोचन है लाल ।  
तरुण अरुण से.....

## माटी कहे कुम्हार को

माटी कहे कुम्हार को, तू क्या रूँधे मोहि  
एक दिन ऐसा होयेगा मैं रूँधूंगी तोहि (×2)

आए हैं सोजाएँगे, राजारंक फ़कीर (×2)  
एक सिंहासन चढ़ि चले है, एक बन्धे ज़ंजीर (×2)

दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय  
बिना जीव कीसाँस से, लोह भसम होई जाय (×2)

चलती चाकी देखकर दिया कबीरा रोय  
दो पाटन के बीच में बाकी बचा न कोय (×2)

दुःख में सुमिरन सब करै, सुख मे करै न कोय  
जो सुख मे सुमिरन करै, तो दुःख काहे होय (×2)

पत्ता टूटा डाल से, ले गई पवन उडाय (×2)  
अबके बिछुडे कब मिलेंगे, दूर पडेंगे जाय (×2)

कबीर आप ठगाइए और न ठगिए कोय  
आप ठगे सुख ऊपजे (और ठगे दुःख होय) ×2

माटी कहे कुम्हार को, तू क्या रूँधे मोहि  
एक दिन ऐसा होयेगा मैं रूँधूंगी तोहि (×2)

## सुमिरन कर ले मेरे मना

सुमिरन कर ले मेरे मना  
तेरी बीति जाति उमर हरि नाम बिना  
हरि नाम बिना, हरि नाम बिना  
सुमिरन.....

कूप नीर बिन, धेनु क्षीर बिन (×2), धरती मेघ बिना  
धरती मेघ बिना  
जैसे तरुवर फल बिन हीना (×2)  
तैसे प्राणी हरि नाम बिना, हरि नाम बिना, हरि नाम बिना  
सुमिरन.....

काम क्रोध मद लोभ निहारो (×2) छाँड दे हैं अब संतजना  
छाँड दे हैं अब संतजना  
कहे नानकशा सुन भगवंता (×2)  
या जग में नहीं कोई अपना (×2)  
सुमिरन.....

## चलो मन गंगा जमुना तीर

चलो मन गंगा जमुना तीर (×2)  
गंगा जमुना निर्मल पानी (×2) पावन होत शरीर  
चलो मन गंगा जमुना तीर

बन्सी बजावत गावत कान्हा (×4) संग लिए बलवीर  
चलो मन गंगा जमुना तीर

मोर मुकुट पीताम्बर सोहे (×2) कुण्डल झलकत हीर  
चलो मन गंगा जमुना तीर

मीरा कहे प्रभु गिरिधर नागर (×4) चरणकमल पर सीर  
चलो मन गंगा जमुना तीर (×2)

## चाकर राखोजी

चाकर राखोजी (मने) (×3)  
चाकर रहसूँ बाग लगासूँ नित उठि दर्शन पासूँ (×2)  
वृन्दावन की कुन्जगलिन में (×2) तेरी लीला गासूँ  
मने चाकर.....

हरी हरी सब वन बनाये बिच बिच राखो बारी (×2)  
साँवलिया के दर्शन पासूँ (×2) पहन कुसुम्मी सारी  
मने चाकर.....

योगी आया योग करन को तप करने सन्यासी  
हरी भजन को साधू आया (×2) वृन्दावन के वासी  
तेरे वृन्दावन के वासी  
मने चाकर.....

मीरा के प्रभु गहिर गँभीरा हृदय रहो जी धीरा (×2)  
आधि रात प्रभु दर्शन दे जो (×2) प्रेम नदी के तीरा  
मने चाकर.....

## इस तन धन की

इस तन धन की कौन-कौन बड़ाई  
देखत नयनों में माटी मिलाई  
इस तन धन की कौन.....

अपने खातिर महल बनाया (×2)  
आप ही जाकर जगल सोया  
इस तन धन की कौन.....

हाड़ जले जैसे लकड़ी की मोली (×2)  
बाल जले जैसे घास की पोली  
इस तन धन की कौन.....

कहत कबीर सुनो मेरी गुनिया (×2)  
आप मुवे पच्चछी डूब गई दुनिया  
इस तन धन.....माटी मिलाई

## तुम्हरे कारण

तुम्हरे कारण सब सुख छोड़ा, अब मोहे क्यों तरसाओ (×2)  
बिरह व्यथा लागी उर अंतर (×3) (सो तुम आग बुझाओ...ओ) ×2  
तुम्हरे कारण....

अब छोड़त नहीं बने प्रभुजी (×2) (हाँसकर तुरत बुलाओ) ×2  
मीरा दासी जनम जनम की (×4) अंग से अंग मिलाओ  
ओ तुम्हरे कारण.....

## अल्लाहु

मालिक-उल-मुल्क (×2) ला शरीका लहु  
वाहदाहू, वाहदाहू, ला इलाहा इल्लाहू  
शम्से तबरैज़, गर खुदा तलबी  
खुशबू ख्वान ला इलाहा इल्लाहु

कौनेन का, कौनेन का, मस्जूद है, माबूद है तू  
हर शय तेरी शाहिद है कि मशूद है तू  
हर एक के लब पर है तेरी हम्द-ओ-सना  
हर सोज़ में, हर साज़ में, मौजूद है तू

तेरे ही नाम से हर इब्तिदा है  
तेरे ही नाम पर तक इन्तेहा है  
तेरी हम्द-ओ-सना, अल्हम्दुलिल्ला  
कि तू मेरे मुहम्मद का खुदा है

अल्लाहू, अल्लाहू, अल्लाहू (×2)

## सब हैं समान

सब हैं समान, सब में एक प्राण, त्यजके अभिमान हरि गान गाओ ।  
हरि गान गाओ, दया अपनाओ, अपने हृदय में, हरि को बसाओ ।  
हरि नाम प्यारा, सब का सहारा, हरि नाम जपके, सुख शांति पाओ ।  
कहे यह निवृत्ति, हरि नाम भक्ति, हरि नाम शक्ति, देवे मुक्ति ।

## मन एक बार हरि बोल

मन एक बार हरि बोल (×2)  
हरि हरि हरि बोले (×2) मन एक बार हरि बोल (×2)  
हरि हरि हरि बोले, भवसिन्धु पार चाले (×2)  
हरि हरि बोल हरि हरि बोल मन एक बार हरि बोल (×2)  
मन एक बार.....

हरि पिता हरि माता, हरि गुरु ज्ञानदाता (×2)  
चिदानन्द रूप हरि, पतित पावन मन एक बार हरि बोल (×2)  
मन एक बार हरि बोल (×2)

## किनारे लगाव

किनारे लगाव, किनारे लगाव (×2)  
नाव किनारे लगाव प्रभुजी (×2)  
नदिया गहरी, नाव पुरानी (×2) (नाव पुरानी) ×4  
डूबत नाव तराव प्रभुजी (×2)  
किनारे लगाव.....

ज्ञान ध्यान की साँगट बाँधी (×2) (साँगट बाँधी) ×4  
दौड़-दौड़ चलि आव प्रभुजी (×2)  
किनारे लगाव.....

कहे मीरा गिरिधर नागर (×2) (गिरिधर नागर) ×4  
चरण कमल बलिआव प्रभुजी (×2)  
किनारे लगाव.....

## साधो देखो

साधो देखो जग बौराना  
साँचकहो तो मारन धावे, झूठे जग पतियाना  
साधो देखो जग बौराना

हिन्दु कहत है राम हमारा मुसलमान रहमाना  
आपस में दौऊ लड़े मरत है, (मरम कोई नहीं जाना) ×2

माला पहिरे, टोपी पहिरे, छाप तिलक अनुमाना  
बहुतक देखे पीर औलिया, पढ़े किताब कुराना  
करैमूरीद खबर बतलावे, (उनहूखुदा न जाना) ×2

या विधिहँसतचलत है, हमको, आप कहावैस्याना  
कहे कबीरा सुनो भई साधो (×2) (इनमें कौन दीवाना) ×2  
साधो देखो जग बौराना (×2)

## जागो ब्रिजराज

जागो ब्रिजराज कुँवर, नन्द के दुलारे (×2)  
जमुन में गेंद डाड़, ग्वाल बाल आये (×2)  
कालिया भुभकार देत (×2), श्यामहि एक कारे  
जागो ब्रिजराज कुँवर, नन्द के दुलारे (×2)

श्री गोविन्द कुलनचन्द, पालन सब जग हारे (×2)  
प्रकटे नन्द लाल कुँवर (×2), संतन के प्यारे  
जागो ब्रिजराज.....



## ठुमक चलत रामचन्द्र

ठुमक चलत रामचन्द्र, बाऽजत पैँजनियाँ, ठुमक चलत रामचन्द्र  
रामचन्द्र रामचन्द्र (×2) दशरथ प्रिय रामचन्द्र  
ठुमक.....

किलकिलायी उठत धायि, गिरत भूमि लटपटायी  
धायि मातु गोद लेत (×2) दशरथ कीरानियाँ  
ठुमक.....-

अंगराजअंग लायि, विविध भान्ति सो धुलायि  
तन मन धन वार वार (×4) कहत मृदु वानियाँ  
ठुमक.....

तुलसीदास अतिआनन्द, हेरत मुखारविन्द  
रघुवर की छवि समान (×2) रघुवर छवि वानियाँ  
ठुमक.....

## गुरु कृपांजन पायो मेरे भाई

गुरु कृपांजन पायो मेरे भाई, राम बिना कछु देखत नाही ।  
गुरु कृपांजन पायो मेरे भाई ।

अन्तर राम ही बाहर राम ही, जहाँ देखे वहाँ राम ही राम ही ।  
जागत राम ही सोवत राम ही, सपने में देखे आत्मा राम ही ।  
गुरु कृपांजन पायो मेरे भाई ।

एक जनार्दन अनुभव नीका, जहाँ देखे वहाँ राम सरीका ॥  
गुरु कृपांजन पायो मेरे भाई ।

## भयो प्रभात

भयो प्रभात दिशा प्राचीने, (साजो अनुपम साज) (×2)

मित्र राजरवि उदय भये, पुलकित वसुधा आज (×2)

भयो प्रभात दिशा प्राचीने, (साजो अनुपम साज) (×2)

मन्द सुगन्धित वायु डोलत (×2) (आनन्दित खग वृन्द) (×2)

चहकि चहकि सब सुमधुर स्वर से (×2) (गावत मंगल चन्द) (×2)

भयो प्रभात.....

स्निग्ध प्रफुल्लित कुसुमिततरुवर (×2) (दिनकर किरणनि चूमि) (×2)

सुमन समर्पण करि करि स्वागत (×2) (करत सुखि है झूमि) (×2)

भयो प्रभात.....

अगम मार्गको सुगम करन प्रभु (×2) (प्रकट भयो दिन राज) (×2)

मित्र देव नव जीवन-दायक (×2), (दीपक जनहित काज) (×2)

भयो प्रभात.....

## कोयलिया बोले

कोयलिया बोले अंबुवा के डाल पर (×2)

ऋतु बसन्त की देत सन्देशवा (×2)

कोयलिया बोले अंबुवा.....

नए कलियन पर गूँजत भँवरा (×2)

ऐसोसंगत की रन रंग रलिया (×2)

नए बसन्त की देत सन्देशवा

कोयलिया बोले अंबुवाके डाल पर (×2)

## पायो जी

पायो जी मैंने राम रतन धन पायो (×2)  
वस्तु अमोलिक दी मेरे सतगुरु (×2) किरपा कर अपनायो  
पायो जी.....

जनम जनम की पूंजी पाई (×2), जग में सभी खोवायो  
पायो जी.....

खरचै न खुटै चोर न लूटै (×2), दिन दिन बढ़त सवायो  
पायो जी.....

सत की नाव खेवटिया सतगुरु (×2), भव सागर तरि आयो  
पायो जी.....

मीरा के प्रभु गिरिधर नागर (×2), हरख हरख जस गायो  
पायो जी.....

## बेर चल्या मेरे भाई

बेर चल्या मेर भाई, मगन हुई बेर चल्या मेर भाई  
राम रे नाम रो गेलो रे पकड़ो, छोड़ो नी मूरखाई (×2)  
बेर चल्या....मूरखाई

पहले तो गुरुजी दूध जमायो, पीछे गाय ने दोई (×2)  
बछड़ा उनरे रमे पेट में, घृत बेचवा गई मगनवे

बेर चल्या....

कीड़ी चाली सासरे, नौ मन सुरमो साथ (×2)  
हाथी उणरे हाथ में, अरे ऊँट लपेटा जाई मगनवे

बेर चल्या...

इंडा रे हथा बोलता, बछिया बोल्या नाई (×2)  
कहत कबीरा सुण भाई साधो, मूरख समझे नांहि, मगनवे

बेर चल्या....

## खेती करो

खेती करो हरि नाम की मनवा, खेती करो हरि नाम (×2)  
पैसा ना लागे, रुपया ना लागे (×2)  
कवड ना लागे फूट की मनवा (×2)  
खेती करो.....

मन के बैल सुरत पोहावे (×2)  
रस्सी लगाऊ गुरु ज्ञान की मनवा (×2)  
खेती करो.....

कहत कबीरा सुनो भाई साधु (×2)  
भक्ति करो हरिजी की मनवा (×2)  
खेती करो.....

## सकल हंस में राम विराजे

प्रेम ना बाड़ी उपजे, प्रेम ना हाट बिकाए  
बिना प्रेम का मानवा, बंधिया जम पुर जाए

जा घट प्रेम ना संचरे, सो घट जान मसान  
जैसे खाल लोहार की, वह स्वांस लेत बिन प्राण

प्रेम प्रेम सब कोई कहे, प्रेम ना चीन्हे कोई  
अघट प्रेम पिंजर बसे, प्रेम कहावे सोई

सकल हंस में राम विराजे  
अरे राम बिना कोई धामे नहीं, राम बिना कोई धामे नहीं  
(अरे सब भरमंड में ज्योत का वासा  
राम को सुमिरन दूजा नहीं) (×2)

अरे तीन गुण पर तेज हमारा  
अरे पाँच तत्व पर ज्योत जले, तीन गुण पर तेज हमारा,  
अरे पाँच तत्व पर ज्योत जले, अरे पाँच तत्व पर ज्योत जले  
(जिनका उजाला चौदह लोक में  
सुस्त डोर आकाश चढ़े) (×2)

सकल हंस में राम विराजे.....

नाभी कमल से परख लेना  
अरे हृदय कमल बीच फिरे मणि, नाभी कमल से परख लेना  
हृदय कमल बीच फिरे मणि, हृदय कमल बीच फिरे मणि  
(अनहद बाजा बाजे शहर में)

ब्रह्मंड पर आवाज़ हुई) (×2)  
सकल हंस में राम विराजे....

हीरा जो मोती लाल जवाहरत  
अरे प्रेम पदारथ परखो यहीं, हीरा जो मोती लाल जवाहरत  
अरे प्रेम पदारथ परखो यहीं, प्रेम पदारथ परखो यहीं  
(सांचा मोती सुमर लेना  
राम धणी से म्हारी डोरे लगी) (×2)  
सकल हंस में राम विराजे....

गुरु जन होय तो हेरी लो घट में  
बाहर शहर में भटको मती, गुरु जन होय तो हेरी लो घट में  
बाहर शहर में भटको मती, बाहर शहर में भटको मती  
(गुरु परताप नानक साह के वरणे  
भीतर बोले कोई दूजो नहीं) (×2)  
सकल हंस में राम विराजे....

*Bengali*





## आगे ज़नले

ओ आमार दौरोदी, आगे ज़नले,  
आगे ज़नले, तोर भाँगय नौकाय सोर तामना । } (×2)  
भांगा नौकाय सोरताम नाइरे, दूरेर पोरी धरताम न (ओ) । (×2)  
हाय (लोबॅनो बानिजेर देशा) ×2, एनो बोझाड़ कॅरताम ना ॥  
आगे ज़नले.....

शाव शाव शाव, दोरियाते उठे जॅल, आगे जॅल पीछे जॅल  
ए तूफाने केऊ गाँग पारी दीयो ना ।  
है शाव शाव शाव शाव, दोरियाते उठे जॅल, आगे जॅल पीछे जॅल  
ए तूफाने केऊ गाँग पारी दीयो ना ।  
हाय रे बिशम दोरा पानी देखा, बिशम दोरा (ओ) ।  
बिशम दोरा पानी देखा, भँये पॉरान बंसे ना ॥  
आगे ज़नले.....

## प्रोथौमो आदि

प्रोथौमो आदि तौबो शोक्ति, आदि पौरोमोज्जौलो  
जोति तोमारि हे, गौगोने गौगोने  
प्रोथौमो आदि तौबो शोक्ति

तोमारो आदि बाणी बोहिछे तौबो आनोन्दो (×2)  
जागिछे नौबो नौबो रौशे हृदौए मोने ।  
प्रोथौमो आदि.....

तोमारो चिदाकाशे भाते शूरौजो चौन्द्रो तारा प्रानो तौरोंगे उठे पौबोने । (×2)  
तुमि आदि कोबी कोबिगुरु तुमि हे (×2)  
मोन्त्रो तोमार मोन्द्रित शौबो भूबौने ॥  
प्रोथौमो आदि.....

## एशो इयैमोलो

एशो इयैमोलो शुंदौरो (×2)  
आनो तौबो तापोहौरा त्रिशाहारा शौंगोशुधा } (×2)  
बिरोहिनी चाहिया आछे आकाशे  
इयैमोलो शुंदौरो

शे जे ब्याथितो हृदौयो आछे बिछाए, तौमालो कुंजो पौथे शौजोलो छायाते  
ब्याथितो हृदौयो आछे बिछाए, तौमालो कुंजो पौथे शौजोलो छायाते  
नौयोने जागिछे कोरूनो रागिनी (×2) इयैमोलो शुंदौरो  
एशो इयैमोलो शुंदौरो.....

बोकुलो मुकुलो रेखेछे गाँथिया, बाजिछे औँगौने मिलौनो बाँशोरी । (×2)  
आनो शाथे तोमारो मन्दिरा, चौन्चौलो नृत्तेरो बाजिबे छौन्दे शे । (×2)  
बाजिबे कौंकौनो बाजिबे किंकिनी (×2) झौँकारिबे मोन्जिरो रुनु रुनु ॥  
इयैमोलो शुंदौरो, एशो इयैमोलो.....

## फूले फूले

फूले फूले ढोले ढोले बौहे किबा मृदु बाय (×2)  
तोटिनी हिल्लोलो तूले कल्लोले चोलिया जय (×2)  
पिको किबा कुंजे कुंजे (×2) कूहू कूहू कूहू गाय  
की जानि किशोरो लागि प्रानँ कॅरे हाय-हाय (×2)

## बौशोन्ते फूल

बौशोन्ते फूल गाँथलो आमार जौयेर माला  
बोईलो प्राने दोखिन-हाओआ आगुन-जाला  
बौशोन्ते फूल.....

पिछेर बाँशि कोनेर घौरे मिछे रे ओड़ केंदे मौरे (×2)  
मौरोन एबार आनलो आमार बौरोनडाला  
बौशोन्ते फूल.....

जोउबौनेरइ झौड़ उठेछे आकाश-पाताले, } (×2)  
नाचेर तालेर झौड़कारे तार आमाय माताले  
कुडिये नेबार घुचलो पेशा, उडिये देबार लागलो नेशा (×2)  
आराम बौले "एलो आमार जाबार पाला"  
बौशोन्ते फूल.....

## मोधु-गौन्धे भौरा

मोधु-गौन्धे भौरा मृदू स्निधोछाया नीपो कुंजोतौले  
श्यामो-कान्तिमयी कोन् शौप्नोमाया फिरे ब्रिष्टिजौले ॥ ....ए.....  
गौन्धे भौरा.....

फिरे रौक्तो-औलौक्तक-धोउत पाये धारा शिक्तो बाये ....ए.....  
मेघ-मुक्तो शौहाशशो शोशांको कॅला शिँथी-प्रन्ते जौले ॥....ए.....  
गौन्धे भौरा.....

पिये उच्छ्रौलो तौरोलो प्रोलौयोमोदिर उन्मुखौरो तौरोंगिनि धय औधीरा,  
कार निर्भीको मूर्ति तौरोंगोदोले कौलो-मौन्द्रोरोले ।  
एड़ तराहारा निःशिमो औन्धोकारे कार तौरोनी चौले ॥  
गौन्धे भौरा.....

## आनोन्दोधोनि

आनोन्दोधोनि जागाओ गौगोने, के आछो जागिया पूरौबे चाहिया  
बौलो "उठो ऊठो" शौघौने गोभीरोनिद्रामौगोने जागाओ  
आनोन्दोधोनि.....

हैरो तिमिरोरौजोनि जाय ओइ हाशे ऊषा नौबो ज्योतिरमोयी  
नौबो आनोन्दे, नौबो जीबौने  
फूल्लो कुशूमे, मोधुरो पौबोने विहौगोकौलोकूजौने  
आनोन्दोधोनि.....

हेरो आशारो आलोके जागे शुकोतारा उदैयो औचौलो पौथे  
किरौनो किरिटे तोरुनो तौपोनो उठिछे ओरुनो रौथे

चौलो जाई काजे मानौबोशौमाजे, चलो बाहिरिया जौगोतेरो माझे  
थेको ना औलौशो शौयोने थेको ना मौगोनो शौपोने ।  
आनोन्दोधोनि.....

जाय लाजो न्नाशो आलौशो बिलाशो कुहौको मोहो जाय  
ओई दूरो हौयो शोको शौडशौयो दुःखो शौपोनोप्राय  
फैलो जीर्नो चिरो पौरो नौबो शाजो आरौम्भ कौरो जिबौनेरो काजो  
शौरौलो शौबौलो आनोन्धमोने औमौलो औटौलो जीबौने ॥  
आनोन्दोधोनि.....

## दांगुआर बोधुआ

दांगुआर बोधुआ तुई, दांगुआर बोधुआ तुई, खाइबार सालुर खोई तोर  
शेई खोई तोर आनिया दिलो शेई खोई तोर आनिया दिलो  
आई तो निशा काल रे, दांगुआर बोधुआ तुई रे

खाईतोरो नाहोराम खाईतोरो साहोराम, खाईतोरो नाई रे फोईरा  
पिद्-दिहिम ज़ालाईया दैखो पिद्-दिहिम ज़ालाईया दैखो  
दांड कौआर बाइना रे, दांगुआर बोधुआ तुई रे

दांगुआर बोधुआ तुई दांगुआर बोधुआ तुई, खाइबार सालुरे काँडोल  
शेई कहाँडोल आनिया दिलो शेई कहाँडोल आनिया दिलो  
आईतो निशा काल रे, दांगुआर बोधुआ तुई रे

कांडालो नाहोरम कांडालो साहोरम, कांडालो नाई रे अईरा  
पिद्-दिहिम ज़ालाईया दैखो पिद्-दिहिम ज़ालाईया दैखो  
सालो रेरो कुम्डा रे, दांगुआर बोधुआ तुई रे

दांगुआर बोधुआ तुई दांगुआर बोधुआ तुई, खाइबार सालुरे दोधी  
शेई दोहधी आनिया दिलो शेई दोहधी आनिया दिलो  
आईतो निशा काल रे, दांगुआर बोधुआ तुई रे

दोधीरो नाहोरम दोधीरो साहोरम, दोधीरो नाई रे बाइना  
पिद्-दिहिम ज़ालाईया दैखो पिद्-दिहिम ज़ालाईया दैखो  
पाथोरेरो सुन रे, दांगुआर बोधुआ तुई रे

-Folk song from Bangladesh

## मोनो मोरो मेघेर

मोनो मोरो मेघेरो शोंगी, उडे चौले दिक् दिगौन्तेरो पाने  
निःशीमो झून्ने श्राबोनो बौर्षोनो शोंगीते  
रिमिझिम रिमिझिम रिमिझिम  
मोनो मोरो.....

} (×2)

मोनो मोर हौंशोबौलाकार पाखाय जाय उडे  
कोचितो कोचितो चोकितो तोड़ितो आलोके  
झौन्झौनो मोन्जिरो बाजाय झौन्झा रूद्रो आनोन्दे  
कौलो कौलो कौलो मौन्द्रे निझोँरिनी  
डाक दैय प्रोलौय आओभाने  
मोनो मोरो.....

बायु बौहे पूर्वो शोमूद्रो होते, उच्छौलो छौलो छौलो तोटिनी तौरोंगे  
मोनो मोरो धाय तारि मौत्तो प्रोबाहे, तालो तौमालो औरोन्ने  
खूब्धो शाखार आन्दोलौने  
मोनो मोरो.....

## ऐतो दिन जे

ऐतो दिन जे बोरो छिलेम पौथ चये आर काल गुने देख्वा पेलेम फाल्गुने ।

बलोक बीरेर बेशे तुमि कोरले बिश्शो जौय एकि गो बिश्शौँय ।  
औबाक आमि तोरून गौलार गान शुने । देख्वा पेलेम फाल्गुने  
ऐतो दिन जे.....

गौन्धे उदाश हाओआर मौतो उडे तोमार उत्तरी,  
कौर्पे तोमार कृष्णोचूडार मौन्जोरी ।  
तोरून हाशिर आडाले कोन् आगुन ढाका रौय-ए की गो बिश्शौँय ।  
औस्त्रो तोमार गोपौन राखो कोन तुणे ॥ देख्वा पेलेम फाल्गुने  
ऐतो दिन जे.....

## ओरे भाई फागुन लेगेछे

ओरे भाई फागुन लेगेछे बोने बोने (×2)  
डाले डाले फूले फौले पाताय पाताय रे, आडाले आडाले कोने कोने  
फागुन लेगेछे.....

रौडे रौडे रोडिलो आकाश गाने गाने निखिलो उदाश (×2)  
जैनो चौलोचौलोनचौलो नौबो पौल्लौबो दौलो (×2) मॅरमॅरे मोर मॅने मॅने  
फागुन लेगेछे.....

हैरो हैरो औबोनीरो रौङ्गो, गौगोनेरो कौरे तौपो भौङ्गो (×2)  
हाशीर आघाते तार मौउनो रौहे ना आर (×2), कैँपे कैँपे उठे खौने खौने  
बाताश छुटिछे बोनोमौय रे, फूलेर ना जाने पोरिचौय रे (×2)  
ताई बुझि बारे बारे कुंजरो दारे दारे (×2), शुधाय फिरिछे जौने जौने  
फागुन लेगेछे.....

## खौरोबायू बौय बेगे

खौरोबायू बौय बेगे, चारी दीक् छाय मेघे  
ओगो नेये, नाओखानी बाईयो  
तुमि कोषे धौरो हाल, आमी तुले बाँधि पाल  
हाँइ मारो मारो टान हाँइयो, हाँइयो, हाँइयो  
खौरोबायु बौय बेगे.....

श्रिडखौले बारबार झौन्झौनो झौडकार,  
नोय ए तो तौरोनीर क्रौन्दौनो शौडकार  
बौन्धौनो दुर्बार शोज्झो ना हौय आर, टौलोमौलो कौरे आज ताइओ  
हाँइ मारो मारो टान हाँइयो, हाँइयो, हाँइयो  
खौरोबायु बौय बेगे.....

गोनि गोनि दिन-खौन चौन्चौलो कोरी मोन,  
बोलो ना "जाई कि नाई जाई रे"  
शौडशौयोपाराबार औन्तौरे हौबे पार, ऊदबेगे ताकायो ना बाईरे  
जोदि माते मौहाकाल उद्दामो जौटाजाल  
झौडे हौय लुन्ठितें, ढेऊ ऊठे ऊत्ताल  
होयो नाको कुन्ठितो, ताले तार दियो ताल जौयो-जौयो जौयोगान गाईयो  
हाँइ मारो मारो टान हाँइयो, हाँइयो, हाँइयो  
खौरोबायु बौय बेगे.....



## ग्रामछाड़ा

ग्रामछाड़ा ओई रांडा माटिर पौथ आमार मोनो भूलाय रे (×2)  
ओरे कार पाने मोन हात बाड़िए (×2) लूटिये जाय धुलाय रे  
आमार मोन भूलाय रे  
ग्रामछाड़ा.....

ओ जे आमाय घौरेर बाहिर कौरे पाये-पाये पाये धौरे मरे हाये हाये रे (×2)  
ओ जे केड़े आमाय निते जाय रे (×2)  
जाय रे कोन चूलाय रे आमार मोन भूलाये रे  
ग्रामछाड़ा.....

ओजे कोन बाँके की धौन देखाबे कोनखाने की दाय ठेकाबे (×2)  
कोथाय गिये शेष मेले जे (×2) भेबेई ना कुलाय रे आमार मोन भूलाय रे ॥  
ग्रामछाड़ा.....

## आज धानेर खेते

आज धानेर खेते रोउद्रोछायाय, लूकोचूरि खौला रे भाई लूकोचूरि खौला  
नील आकाशे के भाशाले, शादा मेघेर भैला रे भाई, लूकोचूरि खौला ॥  
अज धानेर खेते.....

आज भ्रमोर भोले मोधु खेते, उड़े बैड़ाय आलोय मेते (×2)  
आज किशोर तौरे नोदिर चौरै (×2), चौखा चोखिर मैला ॥  
नील आकाशे.....

ओरे जाबो ना आज घौरे रे भाई, जाबो ना आज घौरे  
ओरे आकाश भेडगे बाहिरके आज नेबो रे लूट कोरे, जाबो ना आज घौरे  
जैनो जोआर जौले फैनार राशी बाताशे आज छूटछे हाशी (×2)  
आज बिना काजे बाजिये बाँशि (×2) काटबे शौकोल बैला ॥  
नील आकाशे.....

## तिमिरो औबोगुंठौने

तिमिरो औबोगुंठौने बौदोनो तौबो ढाकि  
के तुमि, के तुमि, के तुमि मौमो आँगौने दाँडाले एकाकि  
तिमिरो औबोगुंठौने.....

आजि शौघोनो शौबोरी, मेघो मौगोनो तारा  
नोदिरो जौले झौझैरी झैरी झैरी झोरिछे जौलोधारा  
तौमालोबोनो मौमोरि मोरि मोरि पौबोनो चौले हाँकि ।  
के तुमि.....

जे कौथा मौमो औन्तरे, आनिछो तुमि टानि  
जानि ना कोन मौन्तौरे ताहारे दिबो बानि  
रोयेछि बाँधा बौन्धौने बौन्धौने छिँडिबो जाबो बाटे  
जैनो ए बृथा क्रौन्दौने ए निशि नाहि काटे  
कोठिनो बाधा लौँघौने दिबोना आमि फाँकि ॥  
के तुमि.....

## हेइ स्र्हालो

हेई स्र्हालो, हेइ स्र्हालो, हेइ स्र्हालो, हेइ स्र्हालो  
हेइ स्र्हालो धान हो, कास्तेटा दाओ शान हो  
ज्ञान कँबूल आर मान कँबूल  
आर देबोना आर देबोना रँक्तो बोना धान मोदेर प्रान हो  
हेइ स्र्हालो.....

सिनी तोमाय सिनी गो, ज्ञानी तोमाय ज्ञानी गो  
काला हाथीर शादा माहुत तुमी ना  
ज्ञान कँबूल.....

पँन्चाशे लाख ज्ञान दिसी, मा बोनेदेर मान दिसी  
काला बाजार आलो कॅरो तुमीना  
ज्ञान कँबूल.....

मोरा तुलबो ना धान पॅरेर गोलाय  
मोरबो ना आर खुधार ज्ञालाय मोरबो ना  
एई कार जँमीन के लॅन्गल सालाय  
देर शोयेछि आर तो मोरा शोइबो ना  
ए बार लॅन्गल धँरा कँडा हातेर शॅपॅथ भूलो ना  
ज्ञान कँबूल.....

## जीबौने

जीबौने पौरोमो लौगोनो कोरो ना हैला, कोरो ना हैला, हे गौरोबिनी  
बृथाइ काटिबे बैला शाङगो हौबे जे खैला  
शुधार हाटे फुराबे बिकिकिनी हे गौरोबिनि ॥  
जीबौने.....

मोनेर मानुष लुकिये आशे, दँडाय पाशे, हाय (×2)  
हेशे चोले जाय जोआरो-जौले भाशिये भैला  
दुर्लौभो धौने दुःखेरो पौने लौओ गो जिनि हे गौरोबिनि  
जीबौने.....

फागुन जौखोन जाबे गो निये फूलेरो डाला } (×2)  
की दिये तौखोन गाँथिबे तोमार बौरोनो माला हे बिरोहिनी ।  
बाजबे बाँशी दूरेर हाओआय, चोखेर जौले शुन्ने चाओआय  
काटबे प्रोहोर-बाजबे बूके, बिदायपौथेर चौरोनो फैला  
दिनोजामिनी हे गौरोबिनि ॥  
जीबौने.....

## मोरूबिजौयेर

मोरूबिजौयेर केतौनो उड़ाओ शुन्ने उड़ाओ हे प्रोबौल प्रान } (×2)  
धुलिरे धोन्नो कौरो धोन्नो कौरो, कोरूनार पुन्नो धोन्नो कौरो कौरो  
हे कोमोल प्रान ॥

मौउनी मटिर मौमैरे गान कौबे उठिबे धोनिया धोनिया मौमैरो तौबो रौबे  
(×2)  
माधुरि भौरिबे फूले फौले पौल्लौबे, फूले फौले हे मोहौनो प्रान  
धुलिरे धोन्नो कौरो.....

पोथिक बोन्धू छाया आशोन पति एशो एशो श्यामोशुन्दौरो (×2)  
एशो बाताशेर औधीरो खेलार शाथि एशो (×2), मताओ नीलाम्बौर  
ऊषाय जागाओ शाखाय गानेर आशा शोन्धाय आनो आनो बिरामो गोभीरे  
भाषा  
रोचि दाओ राते शुप्तो गीतेर बाशा रोचि दाओ हे उदारो प्रान  
धुलिरे धोन्नो कोरो.....

## धिताँग धिताँग बोले

धिताँग धिताँग बोले, मादोले तान तोले  
आज आनँन्दो उच्छँले आकाश भँरे जोछो नाय  
आय छूटे शँकोले ए माटीर धँरा तँले  
आज हाशीर कँलोरेले नूतँन जीबँन गोड़ी आय  
आय रे आय लँगँन बोहे जाय  
मेघ गुड़ गुड़ कँरे चाँदेर शीमा नाय  
पारूल बोन डाके चँम्पा छूटे आय  
बोर गिरा शँब हाँके कोमँर बँधे आय

आय रे आय, आय रे आय, आय रे आय, आय रे आय

हे धिनाक नातिन तिना, बाजा रे प्रान बीना  
आज शॅबार मिलॅन बिना, एमॅन जीबॅन ब्रिथा जाय  
ए देश तोमार, आमार, आर आमरा गोड्डी खामार  
आर आमरा गोड्डी शॅपन दिये, शोनार कामो नाय  
आय रे आय, लॅगॅन बोहे आय.....

## मोर बीना उठे

मोर बीना उठे कोन शुरे बाजि, कोन नौबो चौन्चौलो छौन्दे ।  
मोर बीना उठे कोन शुरे बाजि

मौमो औन्तोरो कोम्पित आजी, निखिलेरो हृदौयोस्पौन्दे ॥  
मोर बीना.....

आशे कोन तोरूनो औशान्तो, उड्डे बौशोनान्चौलोप्रान्तौ (×2)  
आलोकेरो नृत्ते बौनान्त, मुखोरितो औधीरो आनोन्दे ॥  
मोर बीना.....

औम्बौरोप्राङ्गौने माझे, निःशशौरो मोन्जिरो गुंजे ।  
औश्रुतो शेड़ ताले बाजे, कौरोताली पौल्लौबोपुंजे ।  
कार पौदोपौरोशौनो-आशा, त्रिने त्रिने ओर्पिलो भाषा । (×2)  
शोमीरौनो बौन्धौनो हारा उन्मौनो कोन बोनोगौन्धे ॥  
मोर बीना.....

## बादोलो बाउल्

बादोलो बाउल् बाजाय बाजाय बाजाय रे, बाजाय रे ऐकतारा ।

शरा बैला घोरे झौरो झौरो झौरो धारा ॥

बादोल बाउल.....

जामेर बोने धनेर खेते आपोनो ताने आपनि मेते (×2)

(ए) नेचे नेचे नेचे होलो शारा

बादोल बाउल.....

घौनो झौटार घौटा घौनाय आँधार आकाश माझे } (×2)

पाताय पाताय टुपुर टुपुर नुपूर मोधुर बाजे

घौर छाडानो आकुल शूरे उदाश होए बैडाय घूरे (×2)

पुबे हाओआ गृहोहारा

बादोल बाउल.....

## मोर भाबोनारे

मोर भाबोनारे की हाओआय मातालो, दोले मोनो दोले औकारोनो हौरोशे (×2)

हृदौयोगौगोने शौजोलो घौनो नोबीनो मेघे, रौशेरो धारा बौरोशे ॥

मोर भाबोनारे.....

ताहारे देखि ना जे देखि ना, शुधु मोने मोने खौने ओई शोना जाय (×2)

बाजे औलोखितो तारि चौरोने, रुनु रुनु रुनु रुनु नुपुरोधोनी

मोर भाबोनारे.....

गोपोने शौपोने छाडलो, औपोरौशो आँचोलेरो नौबो नीलिमा (×2)

उडे जाय बादोलेर एई बाताशे, तार छायामौयो एलो केश आकाशे (×2)

शे जे मोनो मोर दिलो आकुलि (×2), जौल-भेजा केतोकिर दूर शुबाशे  
मोर भाबोनारे.....

### बौज्रोमानिक दिए

बौज्रोमानिक दिए गाँथा, आषाढ तोमार माला (×2)  
तोमार श्यामोल शोभार बूके (×2) बिद्युतेरी जाला  
बौज्रो मानिक.....

तोमार मोन्त्रोबौले पाषान गौले, फौशोल फौले (×2)  
मोरु बोहे आने, तोमार पाये फूलेर डाला  
बौज्रो मानिक.....

मौरो मौरो पाताय पाताय झौरो झौरो बारिर रौबे } (×2)  
गुरु गुरु मेघेर मादोल बाजे तोमार कि उत्शौबे }  
शोबूज शुधार धाराय प्रान एने दाओ तौप्तो धौराय (×2)  
बामे राखो भौयोंकोरी (×2) बोन्ना मौरोन ढाला  
बौज्रो मानिक.....

### आय आय

आय आय आय आमादेर औडगौने ओतिथी बालोको तोरुदौल  
मनोबेर स्नेहोशौडगो ने चौल, चौल आमादेर घौरे चौल  
आय आय.....

श्यामो बोङ्किमो भोङगिते चौन्चौलो कौलोशोङगीते  
दारे निये आय शाखाय शाखाय प्रानो आनोन्द-कोलहौल ॥  
आय आय.....

तोदेशे नोबीनो पौल्लौबे नाचुको आलोको शोबितार  
दे पौबोने बोनो बौल्लौभे मौर्मौरोगीतो-उपोहार  
आजी श्राबोनेर बौशौने आशीर्बादेर स्पौशौ ने

पोड्ढक माथाय पाताय पताय औमौराबोतिर धाराजौल ॥  
आय आय.....

## ऐकला चौलोरे

जोदी तोर डाक शुने केऊ ना आशे नौबे ऐकला चौलोरे ।  
ऐकला चौलो, ऐकला चौलो, ऐकला चौलो, ऐकला चौलोरे ।

जोदी केऊ कौशा ना कौय, ओरे ओरे ओ औभागा,  
जोदी शौबाइ थाके मुख फिराये, शौबाई कोरे भौय तौबे पौरान खुले ।  
ओ तुई मुख फुटे तोर मोनेर कौथा ऐकला बौलोरे ॥

जोदी शौबाइ फिरे जाय, ओरे ओरे ओ औभागा,  
जोदी गौहोन पौथे जाबार काले केऊ फिरे ना चाय तौबे पौथेर कांटा ।  
ओ तुई रौक्तोमाखा चौरोनतौले ऐकला दौलो रे ॥

जोदी आलो ना धौरे, ओरे ओरे ओ औभागा,  
जोदी झौडबादोले आंधार राते दुआर दैय धौरे तौबे बौजानौले  
आपोन बुकेर पाँजोड जालीए निए ऐकला जौलो रे ॥

## बोली ओ बँन्धु

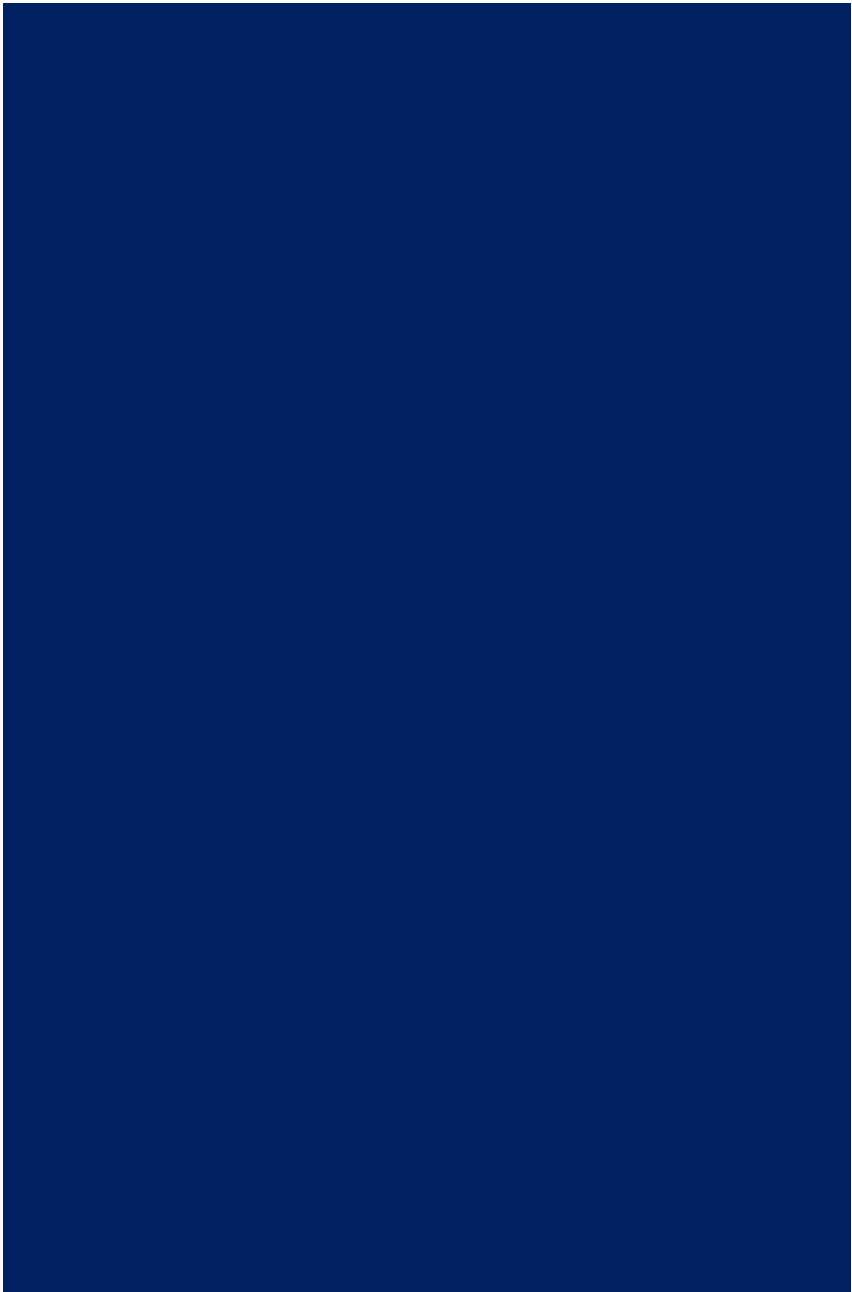
बोली ओ बँन्धु काजँल भ्रोमोरा रे,  
कोनो दिन आशिबेन बँन्धु, कोईया ज़ाओ, कोईया ज़ाओ रे

जोदि बँन्धु ज़ाईबार सओ, काँधेर गाम्सा थुय्या ज़ाओ रे  
बोली ओ बँन्धु.....

बोटो ब्रिकखेर साया ज़ेमँन रे, आमार बँन्धुर माया तेमँन रे  
बोली ओ बँन्धु.....



*Kannada*



## ಬಳೆಗಾರ ಶೆಟ್ಟಿ

ಇನ್ನೆಲ್ಲಿ ನೋಡಲಿಂಥ ಬಳೆಯ ಬಳೆಗಾರ ಶೆಟ್ಟಿ,  
ಹೋಗಿ ಬಾರಯ್ಯ ಎನ್ನ ತವರಿಗೆ ।  
ನಿನ್ನ ತವರೂರ ನಾನೇನು ಬಲ್ಲೇನೆ  
ತೋರಿಸು ಬಾರೆ ಎಲೆ ತಂಗಿ ॥ (×2)

ಬಾಳೆಯ ಬಲಕಿಟ್ಟು, ಸೀಗೆಯ ಎಡಕಿಟ್ಟು, ನಾಗಸಂಪಂಗಿ ನಡುವೆಯೆ  
ನಾಗಸಂಪಂಗಿ ನಡುವೆಯೆ ನಡೆದರೆ  
ಅದೆ ಕಾಣೋ ನಮ್ಮ ತವರೂರು ॥ (×2)  
ಇನ್ನೆಲ್ಲಿ ನೋಡಲಿಂಥ.....

ಹಕ್ಕಿ ಹಾಡುತ್ತಾವೆ, ಗಾಣ ತಿರುಗುತ್ತಾವೆ, ಕೊಳದಲ್ಲಿ ತಾವರೆ ಗರಿ ಬಿಟ್ಟು ।  
ಕೊಳದಲ್ಲಿ ತಾವರೆ ಗರಿ ಬಿಟ್ಟು ನಗುತ್ತಾವೆ,  
ಅದೆ ಕಾಣೋ ನಮ್ಮ ತವರೂರು ॥ (×2)  
ಇನ್ನೆಲ್ಲಿ ನೋಡಲಿಂಥ.....

ಶೃಂಗಾರಕ್ಕಿಂತ ಗುಣ ಮೇಲು ಎಲೆ ತಂಗಿ, ಬಂಗಾರಕ್ಕಿಂತ ಬಳೆ ಮೇಲು ।  
ಬಂಗಾರಕ್ಕಿಂತ ಬಳೆ ಮೇಲು ಎಲೆ ತಂಗಿ,  
ಅದೆ ತೊಟ್ಟು ಕಂದ ಸುಖಿ ಬಾಳು ॥ (×2)  
ಹೋಗಿ ಬಾರಯ್ಯ ಎನ್ನ ತವರಿಗೆ । ಅದೆ ತೊಟ್ಟು ಕಂದ ಸುಖಿ ಬಾಳು ॥ (×2)

## ಕಾಣಬಾರದ ಲಿಂಗವು

ಕಾಣಬಾರದ ಲಿಂಗವು । ಕರಸ್ಥಳಕ್ಕೆ ಬಂದಡೆ । (ಎನಗಿದು ಸೋಜಿಗ) ×2 ॥  
ಅಹುದೆನಲಮ್ಮನು ಅಲ್ಲೆನಲಮ್ಮನು । (×2)  
ಗುಹೇಶ್ವರ ಲಿಂಗವು । ನಿರಾಳ ನಿರಾಕಾರ ಬಯಲು ಆಕಾರವಾದಡೆ ॥  
ಕಾಣಬಾರದ.....

## ದೂರದ ಬೆಟ್ಟದ

ದೂರದ ಬೆಟ್ಟದ ನೀರನ್ನು ಕಟ್ಟಿ ಕೆರೆಯನ್ನು ತುಂಬ್ಯಾರ ।  
ನೀರನ್ನು ಹಾಯ್ದು ಹುಲುಸಾಗಿ ಪೈರು ಪಚ್ಚೆಯ ಬೆಳೆಸ್ಯಾರ  
ಓ ಪೈರು ಪಚ್ಚೆಯ ಬೆಳೆಸ್ಯಾರ ॥

ತಂದಾನಿ ತಾನಿ ತಾನಿ ತಂದಾನೋ । (×2)

ಬೆಳೆದಾವೋ ಸುತ್ತಲೂ ಕಬ್ಬಿನ ತೋಟ । } (×2)  
ಮೆರೆದಾವೆ ಮಿಂದು ವೀಳ್ಯಾದ ತೋಟ । }

ಚಿಲಿಪಿಲಿ ಹಾಡ್ಯಾವು ಹಕ್ಕಿಯ ಕೂಟ । (×2)

ಹರುಷನು ತಂದಿವೆ ಆ ನೋಟ ।

ತಂದಾನಿ ತಾನಿ ತಾನಿ ತಂದಾನೋ ॥ (×2)

ಸುರಿದಾವೆ ಕಾಲಕ್ಕೆ ಮುಂಗಾರು ಮಳೆಯು } (×2)  
ಹರಿದಾವೆ ವರ್ಷದ ಹೊನ್ನಿನ ಹೊಳೆಯು । }

ಬೆಳೆದಾವು ಬೆಳಗಿನ ಬೆಳ್ಳೆಯ ಬೆಳೆಯು । (×2)

ತರುವುದು ಜನರಲ್ಲಿ ರನ್ನದ ಕಳೆಯು ।

ತಂದಾನಿ ತಾನಿ ತಾನಿ ತಂದಾನೋ ॥ (×2)

ತುಂಬಿ ತುಳುಕುವ ಕೆರೆಯನ್ನು ನೋಡಿ । } (×2)  
ಹಿಗ್ಗಿದರೆಲ್ಲರೂ ನೋಡಿ ನೋಡಿ । }

ನಿರುತವೂ ನಮ್ಮನ್ನು ಕಾಪಾಡೆಂದು । (×2)

ಕೇಳಿದರೆಲ್ಲರು ಕೈ ಮುಗಿದು ।

ತಂದಾನಿ ತಾನಿ ತಾನಿ ತಂದಾನೋ ॥ (×2)

ದೂರದ ಬೆಟ್ಟದ.....

## ಕುರುಡು ನಾಯಿ

ಕುರುಡು ನಾಯಿ ತಾ ಸಂತೆಗೆ ಬಂತಂತೆ  
ಅದು ಏಕೆ ಬಂತು (×3)  
ಕುರುಡು ನಾಯಿ ತಾ ಸಂತೆಗೆ ಬಂತಂತೆ  
ಅದು ಏಕೆ ಬಂತು!

ಖಂಡಸಕ್ಕರೆ ಹಿತವಿಲ್ಲವಂತೆ ಖಂಡ ಎಲುಬು ಕಡದಿತ್ತಂತೆ ।  
ಹೆಂಡಿರ ಮಕ್ಕಳ ನೆಚ್ಚಿತಂತೆ ಕೊಂಡುಹೋಗುವಾಗ ಯಾರಿಲ್ಲವಂತೆ ॥  
ಕುರುಡು ನಾಯಿ.....

ಭರದಿ ಅಂಗಡಿ ಹೊಕ್ಕಿತಂತೆ ತಿರುಗಿ ದೊಣ್ಣೆಯಲಿ ಇಕ್ಕಿದರಂತೆ ।  
ಮರೆತರನ್ನು ವೃಥಾವಂತೆ ನರಕದೊಳಗೆ ಬಿದ್ದಿತಂತೆ ॥  
ಕುರುಡು ನಾಯಿ.....

ವೇದವಾದಗಳನೋದಿತಂತೆ  
ಗಾದೆಮಾಡಿಬಿಟ್ಟಿತಂತೆ ।  
ಹಾದಿತಪ್ಪಿ ನಡೆದು ಯಮನ  
ಬಾಧೆಗೆ ತಾ ಗುರಿಯಾಯಿತಂತೆ ॥  
ಕುರುಡು ನಾಯಿ.....

ನಾನಾ ಜನ್ಮವನೆತ್ತಿತ್ತಂತೆ ಮಾನವನಾಗಿ ಹುಟ್ಟಿತಂತೆ ।  
ಕಾನನ ಕಾನನ ತಿರುಗಿತಂತೆ ತಾನು ತನ್ನನೆ ಮರೆಯಿತಂತೆ ॥  
ಕುರುಡು ನಾಯಿ.....

ಮಂಗನ ಕೈಯ ಮಾಣಿಕ್ಯದಂತೆ ಹಾಂಗೂ ಹೀಂಗೂ ಕಳೆದಿತಂತೆ!  
ರಂಗ ಪುರಂದರವಿಠಲನ ಮರೆತು ಭಂಗ ಬಹಳ ಪಟ್ಟಿತಂತೆ ॥ (×2)  
ಕುರುಡು ನಾಯಿ..... (×3)

## ಮೋಡಗಳ ಜಡೆಬಿಚ್ಚಿ

ಮೋಡಗಳ ಜಡೆಬಿಚ್ಚಿ ಮೈದೊಳೆದುಕೊಳುತಿಹಳು |  
ಬಯಲ ಭಾಮಿನಿ ಜಗದ ಮಣೆಯಮೇಲೆ ||  
ಕೇಶರಾಶಿಯ ನೀರು ತೊಟ್ಟಿಕ್ಕಿ ಸುರಿಯುತಿದೆ |  
ಇದಕೆ ಜನರೆನ್ನುವುದು ಮಳೆಯಲೀಲೆ || (×2)

ಮಳೆಯಹನಿ ಮಧು ನೆಲಕೆ ಈ ಜಗದ ಮೃತ್ತಿಕೆಯ  
ಕಣಕಣವು ಮಧುವ್ರತವು ಸೃಷ್ಟಿಯೆಂಬ  
ಹುಟ್ಟಿನಲಿ ಶೇಖರಿತವಾಗುತಿದೆ ಮಧುಕೋಶ  
ಮಾಧುರ್ಯ ಪಸರಿಸಿದೆ ತಿರೆಯ ತುಂಬ || (×2)  
ಮೋಡಗಳ ಜಡೆಬಿಚ್ಚಿ.....

ಹುಲ್ಲ ಹಾಸಿನ ಮೇಲೆ ಮಳೆಹನಿಯ ಸೇಸೆಯಿದು  
ಯಾರ ಪರಿಣಯಕಾಗಿ ಹೇಳು ಕವಿಯೆ?  
ಆಗಸದ ಹಂದರಕೆ ಮಳೆಯ ಮುತ್ತಿನಸರವು  
ಆಗಿಹುದು ಮದುವೆಮನೆ ಬುವಿಗೆ ಬುವಿಯೆ  
ನೆಲ ಮುಗಿಲನಪ್ಪಿದುದೋ ಮುಗಿಲೆ ನೆಲನಪ್ಪಿದುದೋ  
ಮಳೆಯಲ್ಲಿ ಬಯಲಾಯ್ತು ಬಯಲಿನಂತರವು  
ಎಲ್ಲನೆಲ ಎಲ್ಲ ಜಲವೆಲ್ಲ ಅಂಬರ ತಲವು  
ನೆಲ ಮುಗಿಲ ಬಯಲೆಂಬ ಭೇದ ಅವಾಂತರವು  
ಮೋಡಗಳ ಜಡೆಬಿಚ್ಚಿ.....

## ಭಾಗ್ಯದ ಲಕ್ಷ್ಮಿ ಬಾರಮ್ಮ

ಭಾಗ್ಯದ ಲಕ್ಷ್ಮಿ ಬಾರಮ್ಮ ನಮ್ಮಮ್ಮ ನೀ  
ಸೌಭಾಗ್ಯದ ಲಕ್ಷ್ಮಿ ಬಾರಮ್ಮ

ಹೆಜ್ಜೆಯ ಮೇಲೆ ಹೆಜ್ಜೆಯನಿಕ್ಕುತ್ತ ಗೆಜ್ಜೆಯ ಕಾಲಿನ ನಾದವ ತೋರುತ |  
ಸಜ್ಜನ ಸಾಧು ಪೂಜೆಯ ವೇಳೆಗೆ ಮಜ್ಜೆಗೆಯೊಳಗಿನ ಬೆಣ್ಣೆಯಂತೆ||  
ಭಾಗ್ಯದ ಲಕ್ಷ್ಮಿ ಬಾರಮ್ಮ .....

ಕನಕವೃಷ್ಟಿಯ ಕರೆಯುತ್ತ ಬಾರೆ ಮನ ಕಾಮನೆಯ ಸಿದ್ಧಿಯ ತೋರೆ |  
ದಿನಕರ ಕೋಟಿ ತೇಜದಿ ಪೊಳೆಯುವ ಜನಕರಾಯನ ಕುಮಾರಿ ಬೇಗ ||  
ಭಾಗ್ಯದ ಲಕ್ಷ್ಮಿ ಬಾರಮ್ಮ.....

ಶಂಕೆಯಿಲ್ಲದ ಭಾಗ್ಯವ ಕೊಟ್ಟು ಕಂಕಣ ಕೈಯ ತಿರುವುತ ಬಾರೆ |  
ಕುಂಕುಮಾಂಕಿತ ಪಂಕಜಲೋಚನೆ ವೆಂಕಟರಮಣನ ಬಿಂಕದ ರಾಣಿ ||  
ಭಾಗ್ಯದ ಲಕ್ಷ್ಮಿ ಬಾರಮ್ಮ.....

ಅತ್ತಿತ್ತಗಲದೆ ಭಕ್ತರ ಮನೆಯೊಳು ನಿತ್ಯ ಮಹೋತ್ಸವ ನಿತ್ಯ ಸುಮಂಗಳ |  
ಸತ್ಯವ ತೋರುತ ಸಾಧು ಸಜ್ಜನರ ಚಿತ್ತದಿ ಹೊಳೆಯುವ ಪುತ್ರಳಿ ಬೊಂಬೆ ||  
ಭಾಗ್ಯದ ಲಕ್ಷ್ಮಿ ಬಾರಮ್ಮ.....

ಸಕ್ಕರೆ ತುಪ್ಪದ ಕಾಲುವೆ ಹರಿಸಿ ಶುಕ್ರವಾರದ ಪೂಜೆಯ ವೇಳೆಗೆ |  
ಅಕ್ಕರೆಯುಳ್ಳ ಅಳಗಿರಿರಂಗನ ಚೊಕ್ಕ ಪುರಂದರವಿಠಲನ ರಾಣಿ ||  
ಭಾಗ್ಯದ ಲಕ್ಷ್ಮಿ ಬಾರಮ್ಮ.....

## ಹರಿ ಕುಣಿದ

ಹರಿ ಕುಣಿದ ನಮ್ಮ ಹರಿ ಕುಣಿದ  
ಹರಿ ಕುಣಿದ ನಮ್ಮ

ಅಕಳಂಕ ಚರಿತ ಮಕರ ಕುಂಡಲಧರ ।  
ಸಕಲರ ಪಾಲಿಪ ಹರಿ ಕುಣಿದ ॥  
ಹರಿ ಕುಣಿದ ನಮ್ಮ

ಅರಳಿಲೆ ಮಾಗಾಯಿ ಕೊರಳ ಮುತ್ತಿನ ಸರ ।  
ತರಳಿಯೊರೊಡಗೂಡಿ ಹರಿ ಕುಣಿದ ॥  
ಹರಿ ಕುಣಿದ ನಮ್ಮ

ಅಂದುಗೆ ಪಾಡಗ ಬಿಂದಲಿ ಬಾಪುರಿ ॥  
ಚಂದದಿ ನಲಿವುತ ಹರಿ ಕುಣಿದ ॥  
ಹರಿ ಕುಣಿದ ನಮ್ಮ

ಉಟ್ಟ ಪಟ್ಟಿಯ ದಟ್ಟಿ ಇಟ್ಟ ಕಾಂಚಿಯ ದಾಮ ।  
ದಿಟ್ಟ ಮಲ್ಲರ ಗಂಡ ಹರಿ ಕುಣಿದ ॥  
ಹರಿ ಕುಣಿದ ನಮ್ಮ

ಪರಮ ಭಾಗವತರ ಕೇರಿಯೊಳಾಡುವ ।  
ಪುರಂದರವಿಠಲ ಹರಿ ಕುಣಿದ ॥  
ಹರಿ ಕುಣಿದ ನಮ್ಮ



## ಶಿವನು ಭಿಕ್ಷಕ್ಕೆ ಬಂದ

ಶಿವನು ಭಿಕ್ಷಕ್ಕೆ ಬಂದ ನೀಡು ಬಾರೆ ತಂಗಿ } (×2)  
ಇವನಂಥ ಚಲುವರಿಲ್ಲ ನೋಡುಬಾರೆ ||

ಒಂದೇ ಕೈಲಾಸನಾಥ ಪೋಲ ಕಾಣೆ  
ಬೆನ್ನಿಂದೆ ಕಟ್ಟಿರುವ ತ್ರಿಶೂಲ ಕಾಣೆ |  
ನಂದೀಯ ಕೋಲು ಪತಾಕೆ ಕಾಣೆ  
ಮತ್ತೊಂದು ಪಾದದ ಗೆಜ್ಜೆ ಶಂಭು ಕಾಣೆ ||  
ಶಿವನು ಭಿಕ್ಷಕ್ಕೆ.....

ಮೈಯಲ್ಲ ಹಾವಿನ ಮೊತ್ತ ಕಾಣೆ  
ಬಲದ ಕೈಯಲ್ಲಿ ಪಿಡಿದ ನಾಗರಬೆತ್ತಕಾಣೆ |  
ಮೈಯಾರ ಮೂರುಲೋಕಕರ್ಥ ಕಾಣೆ,  
ಥಕ ಥೈಯಾ ಥೈಯಾತದೊಂದು ಅರ್ಥಕಾಣೆ ||  
ಶಿವನು ಭಿಕ್ಷಕ್ಕೆ.....

## ನೂರನೋದಿ

ನೂರನೋದಿ ನೂರಕೇಳಿದರೇನು  
ಆಸೆ ಹರಿಯದು ರೊಷ ಬಿಡದು, ಮಜ್ಜನಕ್ಕರೆದು ಫಲವೇನು ||  
ನೂರನೋದಿ.....

ಮಾತಿನಂತೆ ಮನವಿಲ್ಲದನ |  
ಜಾತಿ ಡೊಂಬರ ನೋಡಿ ನಗುವ, ನಮ್ಮ ಕೂಡಲ ಸಂಗಮದೇವ ||  
ನೂರನೋದಿ.....

## ಶರಣು ಶರಣು

ಶರಣು ಶರಣುವಯ್ಯ ಗಣನಾಯಕ  
ನಮ್ಮ ಕರುಣದಿಂದಲಿ ಕಾಯೊ ಗಣನಾಯಕ ।

ಮುತ್ತಿನ ಸರದಂತೆ ಮಾತುಗಳಾಡುತ  
ಜಾತ್ರೆಗೆ ಹೋಗೋಣ ಗಣನಾಯಕ ।  
ಸಿರಿಯೂರ ಚಂದದಿ ಮೂರುತಿ ನೋಡುವ  
ತೇರೆಗೆ ಹೋಗೋಣ ಗಣನಾಯಕ ॥  
ಶರಣು ಶರಣು.....

ಹೊಳೆಯೋಳು ಮೀಯೋಣ ಮೈಲಿಗೆ ತೊಳೆಯೋಣ  
ಬಳಿಯೊಳ ಮಂಟಪ ಗಣನಾಯಕ ।  
ಸಿರಿಗಂಧ ದೇವನ ದರುಶನ ಮಾಡಲಿ  
ಹರಿಹರಿ ಕೇಳುವೆವು ಗಣನಾಯಕ ॥  
ಶರಣು ಶರಣು.....

ಮಂಟಪ ಜಾಜಿಯ ಗಂಟೊಳಗಿಟ್ಟುಕೊಂಡು  
ನೆಂಟರ ನೋಡೋಣ ಗಣನಾಯಕ ।  
ಹಸುರಂಗಿ ಕಾಲಕಡಗ ಗಣ ನಾಯಕ ನಮ್ಮ  
ಕರುಣದಿಂದಲಿಕಾಯೊ ಗಣನಾಯಕ ॥  
ಶರಣು ಶರಣು.....

ದುಂಡು ಮಲ್ಲಿಗೆಯ ಚಂಡೆಗಳ್ಳುವಿನ  
ದಂಡೆಯ ತರುವೆವು ಗಣನಾಯಕ ।  
ಮಲ್ಲಿಗೆ ಮಾಲೆಯ ಹೂವೆನ ಚಂದವ  
ಅಲ್ಲಿಯೆ ನೋಡುವೆವು ಗಣನಾಯಕ ॥  
ಶರಣು ಶರಣು.....

## ದಾಸನ ಮಾಡಿಕ್ಕೋ ಎನ್ನ

ದಾಸನ ಮಾಡಿಕ್ಕೋ ಎನ್ನ ಇಷ್ಟು  
ಘಾಸಿ ಮಾಡುವರೇನೊ ಕರುಣ ಸಂಪನ್ನ  
ದಾಸನ ಮಾಡಿಕ್ಕೋ ಎನ್ನ

ದುರುಳ ಬುದ್ಧಿಗಳೆಲ್ಲ ಬಿಡಿಸೊ |  
ನಿನ್ನ ಕರುಣ ಕವಚವೆನ್ನ ಹರಣಕ್ಕೆ ತೊಡಿಸೊ || (×2)  
ಚರಣ ಸೇವೆ ಎನಗೆ ಕೊಡಿಸೊ |  
ಅಭಯ ಕರಪುಷ್ಪ ಎನ್ನಯ ಶಿರದೊಳು ಮುಡಿಸೊ ||  
ದಾಸನ ಮಾಡಿಕ್ಕೋ ಎನ್ನ.....

ಧೃಡಭಕ್ತಿ ನಿನ್ನಲ್ಲಿ ಬೇಡಿ |  
ದೇವ ಅಡಿಗೈರಗುವೆನಯ್ಯ ಅನುದಿನ ಪಾಡಿ || (×2)  
ಕಡೆಗಣ್ಣೆಲೇಕೆನ್ನ ನೋಡಿ |  
ಬಿಡುವೆ ಕೊಡು ನಿನ್ನ ಧ್ಯಾನವ ಮನ ಶುಚಿ ಮಾಡಿ ||  
ದಾಸನ ಮಾಡಿಕ್ಕೋ ಎನ್ನ.....

ಮೊರೆ ಹೊಕ್ಕವರ ಕಾಯ್ವ ಬಿರುದು |  
ನೀ ಮರೆಯದೆ ರಕ್ಷಣೆ ಮಾಡೆನ್ನ ಪೊರೆದು || (×2)  
ದುರಿತ ರಾಶಿಗಳೆಲ್ಲ ತರಿದು |  
ಸ್ವಾಮಿ ಪುರಂದರವಿಠಲ ಕರುಣದಿ ಕರೆದು ||  
ದಾಸನ ಮಾಡಿಕ್ಕೋ ಎನ್ನ.....

## ಎನ್ನ ಹರಣ

ಎನ್ನ ಹರಣ ನಿನಗೆ ಶರಣ ಸಕಲ ಕಾರ್ಯ ಕಾರಣ ।  
ನಿನ್ನ ಮನನದಿಂದ ತನನ ಎನುತಿದೆ ತನು ಪಾವನ ॥  
ಎನ್ನ ಹರಣ.....

ನಿನ್ನ ಚರಣ ಸುಸಂತರಣ ಜಗದ್ಭರಿತ ಭಾವನಾ|  
ಹಾಸ್ಯ ಕಿರಣ ತದನುಸರಣ ತದಿತರ ಪಥ ಕಾಣಿನಾ ॥  
ಎನ್ನ ಹರಣ.....

ಹರುಷ ರಸವೆ ಕರುಣದಸುವೆ ಜೀವಧರ್ಮ ಧಾರಣ ।  
ರಸವೆ ಜನನ ವಿರಸ ಮರಣ ಸಮರಸವೇ ಜೀವನ ॥  
ಎನ್ನ ಹರಣ.....

## ಗಗನ ದೊಡಲು

ಗಗನ ದೊಡಲು ಗುಡುಗು ಸಿಡಿಲುಗಳನು ಎಸೆದು ಬೆಳೆಗಿತು ।  
ತಲೆಯ ಮೆಲೆ ಮಾಲೆಮಾಲೆ ಯಾಗಿ ಮಿಂಚು ಧಳಿಸಿತು ॥

ಕಾಡಿನಲ್ಲಿ ನವಿಲಿಗಂದು ಬಹಳ ಹರುಷ ಬೆಳೆಯಿತು ।  
ಮಳೆಯ ಕಾಲ ಬಂತು ಭಲಾ, (ಎಂದು ರಾಗ ಎಳೆಯಿತು) ×2 ॥  
ಗಗನ ದೊಡಲು.....

ಚಾಚಿ ಎದೆಯ ತಲೆಯ ತುದಿಯ, ಜುಟ್ಟಿನೊದರಿ ಕುಣಿಸಿತು ।  
ಕಾಲ ನೂಕಿ ತಾಳ ಹಾಕಿ, (ಒಂದು ಎರಡು ಎಣಿಸಿತು) ×2 ॥  
ಗಗನ ದೊಡಲು.....

ಗರಿಯ ಬಿಚ್ಚಿ ದನಿಯ ಹೆಚ್ಚಿ ಸುತ್ತ ಕುಣಿದು ಮೆರೆಯಿತು ।  
ಅದನು ಕಂಡು ಮುಗಿಲ ಹಿಂಡು (ಹಿಗ್ಗಿ ಮಳೆಯ ಕರೆಯಿತು) ×2 ॥  
ಗಗನ ದೊಡಲು.....

## ಮಾಯದಂಥ ಮಳೆ ಬಂತಣ್ಣ

ಮಾಯದಂಥ ಮಳೆ ಬಂತಣ್ಣ ಮದಗಾದ ಕೆರೆಗೆ | (×2)

ಅಂಗೈ ಅಷ್ಟು ಮೋಡನಾಗಿ (ಭೂಮಿ ತೂಕದ ಗಾಳಿ ಬೀಸಿ)×2 |

ಗುಡಗಿ ಗೂಡಾಗಿ ಚಲ್ಲಿದಳೋ ಗಂಗಮ್ಮ ತಾಯಿ || (×2)

ಮಾಯದಂಥ.....

ಏರೀ ಮ್ಯಾಗಳ ಬಲ್ಲಾಳರಾಯ (ಕೆರೆಯ ಒಳಗಣ ಬೆಸ್ತರ ಹುಡುಗ) ×2 |

ಓಡಿ ಓಡಿ ಸುದ್ದಿಯ ಕೊಡಿಯೋ ನಾ ನಿಲ್ಲುವಳಲ್ಲ|| (×2)

ಮಾಯದಂಥ.....

ಒಂದು ಬಂಡಿಲಿ ವೀಳೈದಡಿಕೆ, (ಒಂದು ಬಂಡಿಲಿ ಚಿಗಲಿ ತಮಾಟಾ)×2 |

ಮೂಲೆ ಮೂಲೆಗೆ ಜಂಗಮ್ಮ ಮಾಡಿಸಿಯೋ ನಾ ನಿಲ್ಲುವಳಲ್ಲ|| (×2)

ಮಾಯದಂಥ.....

## ಮಳೆಯ ಹನಿಗಳು

ಮಳೆಯ ಹನಿಗಳು ಎದೆಯ ಹಸಿರಲಿ ಮಿನುಗಿ ನಗುತಿದೆ ಶ್ರಾವಣಾ | (×2)

ಎಳೆಯ ನೇಸರ ಇಳೆಯ ಉಸಿರಲಿ ಹನಿಸುತಿರುವನು ಚೇತನಾ || (×2)

ಮಳೆಯಬಿಲ್ಲಿಗೆ ಹೃದಯ ಸೊಲ್ಲಿನ ಹೆದೆಯನೇರಿಸಿ ನಾಳಿನಾ|

ಕನಸುಹೂಗಳು ಗಾಳಿ ಪರಿಮಳ ಹಕ್ಕಿಗೊರಳಿನ ತೋರಣಾ|| (×2)

ಮಳೆಯ ಹನಿಗಳು .....

ಜಿನುಗು ಸೋನೆಗೆ ಧರೆಯೆ ತೊನೆದಿದೆ ವರ್ಣಮೇಳವು ಕಾನನಾ| (×2)

ಗಿರಿಯ ಶಿಖರದಿ ಹತ್ತಿ ಮೊರೆದಿದೆ (ಗೀತ ಪ್ರೇಮಾರಾಧನಾ) ×4 ||

## ಡೊಂಕು ಬಾಲದ ನಾಯಕರೆ

ಡೊಂಕು ಬಾಲದ ನಾಯಕರೆ ನೀವೇನೇನೂಟವ ಮಾಡಿದಿರಿ  
ಕಣಕ ಕುಟ್ಟೋ ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿ ಹಣಕಿ ಇಣಕಿ ನೋಡುವಿರಿ || (×2)  
ಕಣಕ ಕುಟ್ಟೋ ಒನಕೆಲಿ ಬಡಿದರೆ ಕುಂಯಿ ಕುಂಯಿ ರಾಗವ ಹಾಡುವಿರಿ || (×2)  
ಡೊಂಕು ಬಾಲದ ನಾಯಕರೆ .....

ಹುಗ್ಗಿ ಮಾಡೋ ಅಲ್ಲಿಗೆ ಹೋಗಿ ತಗ್ಗಿ ಬಗ್ಗಿ ನೋಡುವಿರಿ | (×2)  
ಹುಗ್ಗಿ ಮಾಡೋ ಸೌಟಲಿ ಬಡಿದರೆ ಕುಂಯಿ ಕುಂಯಿ ರಾಗವ ಹಾಡುವಿರಿ || (×2)  
ಡೊಂಕು ಬಾಲದ ನಾಯಕರೆ .....

ಹಿರೇ ಬೀದಿಯಲಿ ಓಡುವಿರಿ ಕರೇ ಬೂದಿಯಲಿ ಹೊರಳುವಿರಿ | (×2)  
ಪುರಂದರವಿಠಲರಾಯನ ಈ ಪರಿ ಮರೆತು ಸದಾ ನೀವು ಚರಿಸುವಿರಿ || (×2)  
ಡೊಂಕು ಬಾಲದ ನಾಯಕರೆ .....

## ಕರಡಿ ಕುಣಿತ

ಕಬ್ಬಿಣದ ಕೈ ಕಡಗ ಕುಣಿಗೋಲು ಕೂದಲು ಕಂಬಳಿ ಹೊದ್ದಾವ ಬಂದಾನ |  
ಗುಣುಗುಣುಗುಟ್ಟುತ ಕಡಗವ ಕುಟ್ಟುತ (ಕರಡಿಯನಾಡಿಸುತ ನಿಂದಾನ) ×2 ||

ಯಾವ ಕಾಡಡವೀಲಿ ಜೇನುಂಡು ಬೆಳೆದಿದ್ದ ಜಾಂಬವಂತನ ಹಿಡಿದು ತಂದಾನ |  
ಧಣಿಯರ ಮನೆಮುಂದೆ ಕಾವಲು ಮಾಡಣ್ಣ  
ಧಣಿದಾನ ಕೊಡುವನು ಅಂದಾನ || (×2)  
ಕಬ್ಬಿಣದ ಕೈ ಕಡಗ.....

ಕುಣಿಯಲೇ ನೀ ಮಗನೇ ಅನ್ನೋದೊಂದೇ ತಡ ತಂದಾನ ತಾನ ತಂದಾನ |  
ಮುದ್ದು ಕೂಸಿನ ಹಾಗೆ ಮುಸಿ ಮುಸಿ ಮಾಡುತ್ತ  
ಕುಣಿದಾನ ಕುಣಿತಾವ ಛಂದಾನ || (×2)  
ಕಬ್ಬಿಣದ ಕೈ ಕಡಗ.....

## ಮುಂಜಾನೆದ್ದು ಕುಂಬಾರಣ್ಣ

ಮುಂಜಾನೆದ್ದು ಕುಂಬಾರಣ್ಣ ಹಾಲುಬಾನುಂಡಾನ, ಹಾರ್ಯಾಡಿ ಮಣ್ಣು ತುಳಿದಾನ ।  
ಹಾರಿ ಹಾರ್ಯಾಡಿ ಮಣ್ಣು ತುಳಿಯುತ್ತ ಮಾಡ್ಯಾನ  
ನಾರ್ಯಾರು ಹೊರುವಂಥ ಐರಾಣಿ ॥

ಹೊತ್ತಾರೆದ್ದು ಕುಂಬಾರಣ್ಣ ತುಪ್ಪಬಾನುಂಡಾನ,  
ಘಟ್ಟೇಸಿ ಮಣ್ಣು ತುಳಿದಾನ ।(×2)  
ಘಟ್ಟೇಸಿ ಮಣ್ಣು ತುಳಿಯುತ್ತ ಮಾಡ್ಯಾನ,  
ಮಿತ್ರೇರು ಹೊರುವಂಥ ಐರಾಣಿ ॥(×2)  
ಮುಂಜಾನೆದ್ದು ಕುಂಬಾರಣ್ಣ.....

ಅಕ್ಕಿ ಹಿಟ್ಟು ನಾನು ತಕ್ಕೊಂಡು ಬಂದೀವ್ವಿ ಗಿಂಡೀಲಿ ತಂದೀವ್ವಿ ತಿಳಿದುಪ್ಪ । (×2)  
ಗಿಂಡೀಲಿ ತಂದೀವ್ವಿ ತಿಳಿದುಪ್ಪ ಕುಂಬಾರಣ್ಣ ತಂದೀಡು ನಮ್ಮ ಐರಾಣಿ ॥ (×2)  
ಮುಂಜಾನೆದ್ದು ಕುಂಬಾರಣ್ಣ .....

ಕುಂಬಾರಣ್ಣನ ಮಡದಿ ಕೊಡದಾಗ ಕೈಯಿಟ್ಟು ಕೊಡದ } (×2)  
ಮ್ಯಾಲೇನೋ ಬರೆದಾಳ ।  
ಕೊಡದ ಮ್ಯಾಲೇನೋ ಬರೆದಾಳ ಕಲ್ಯಾಣದ ಶರಣ ಬಸವನ ನಿಲಿಸ್ಸಾಳ ॥  
(×2)  
ಮುಂಜಾನೆದ್ದು ಕುಂಬಾರಣ್ಣ.....

## ಕಾಯಕ್ಕೆ ನೆಳಲಾಗಿ ಕಾಡಿತ್ತು ಮಾಯೆ

ಕಾಯಕ್ಕೆ ನೆಳಲಾಗಿ ಕಾಡಿತ್ತು ಮಾಯೆ ।  
ಪ್ರಾಣಕ್ಕೆ ಮನವಾಗಿ ಕಾಡಿತ್ತು ಮಾಯೆ ।  
ಕಾಯಕ್ಕೆ ನೆಳಲಾಗಿ ಕಾಡಿತ್ತು ಮಾಯೆ ॥

ಮನಕ್ಕೆ ನೆನಹಾಗಿ ಕಾಡಿತ್ತು ಮಾಯೆ ।  
ನೆನಹಿಗೆ ಅರಿವಾಗಿ ಕಾಡಿತ್ತು ಮಾಯೆ ॥  
ಕಾಯಕ್ಕೆ ನೆಳಲಾಗಿ.....

ಜಗದ ಜಂಗುಳಿಗಳಿಗೆ ಬೆಂಗೋಲನೆತ್ತಿ ಕಾಡಿತ್ತು ಮಾಯೆ ।  
ಚನ್ನ ಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನ ನೀನೊಡ್ಡಿದ ಮಾಯೆಯ ಆರೂ ಗೆಲಾರರು॥ } (×2)  
ಕಾಯಕ್ಕೆ ನೆಳಲಾಗಿ.....

## ಬೆಟ್ಟದ ಮೇಲೊಂದು ಮನೆಯ ಮಾಡಿ

ಬೆಟ್ಟದ ಮೇಲೊಂದು ಮನೆಯ ಮಾಡಿ ಮೃಗಗಳಿಗಂಜಿದಡೆಂತಯ್ಯ?  
ಸಮುದ್ರದ ತಡಿಯಲೊಂದು ಮನೆಯ ಮಾಡಿ ನೊರೆ  
ತೆರೆಗಳಿಗಂಜಿದಡೆಂತಯ್ಯ?  
ಸಂತೆಯೊಳಗೊಂದು ಮನೆಯ ಮಾಡಿ ಶಬ್ದಕ್ಕೆ ನಾಚಿದೊಡೆಂತಯ್ಯ?  
ಚೆನ್ನಮಲ್ಲಿಕಾರ್ಜುನದೇವ ಕೇಳಯ್ಯ ಲೋಕದೊಳಗೆ ಹುಟ್ಟಿದ ಬಳಿಕ  
ಸ್ತುತಿ ನಿಂದೆಗಳು ಬಂದರೆ ಮನದಲ್ಲಿ ಕೋಪವ ತಾಳದೆ  
ಸಮಾಧಾನಿಯಾಗಿರಬೇಕು



## ಯಮನೆಲ್ಲಿ ಕಾಣೆನೆಂದು

ಯಮನೆಲ್ಲಿ ಕಾಣೆನೆಂದು ಹೆಳಬೇಡ ಯಮನೆ ಶ್ರೀ ರಾಮನು ಸಂದೇಹ ಬೇಡ ।  
ನಂಬಿದ ವಿಭೀಷಣಗೆ ರಾಮನಾದ ।  
ನಂಬದಿದ್ದ ರಾವಣಗೆ ಯಮನಾದ ॥ (×2)  
ಯಮನೆಲ್ಲಿ ಕಾಣೆನೆಂದು.....

ನಂಬಿದ ಅರ್ಜುನಗೆ ಭೃತ್ಯನಾದ ।  
ನಂಬದಿದ್ದ ದುರ್ಯೋಧನಗೆ ಮೃತ್ಯುವಾದ ॥ (×2)  
ಯಮನೆಲ್ಲಿ ಕಾಣೆನೆಂದು.....

ನಂಬಿದ ಪ್ರಹ್ಲಾದನಿಗೆ ಹರಿಯಾದ ।  
ನಂಬದಿದ್ದ ಹಿರಣ್ಯಕನಿಗೆ ಉರಿಯಾದ ॥ (×2)  
ಯಮನೆಲ್ಲಿ ಕಾಣೆನೆನ್ನು.....

ನಂಬಿದ ಉಗ್ರಸೇನನಿಗೆ ಮಿತ್ರನಾದ ।  
ನಂಬದಿದ್ದ ಕಂಸನಿಗೆ ಶತ್ರುವಾದ ॥ (×2)  
ನಂಬಿಕೊಳ್ಳಿ ದೇವ ಶ್ರೀ ಕೃಷ್ಣದೇವನ ।  
ಶಂಕುಚಕ್ರಧಾರಿ ಶ್ರೀ ಪುರಂದರವಿಠಲ ॥

## ಎತ್ತಣ ಮಾಮರ ಎತ್ತಣ ಕೋಗಿಲೆ

ಎತ್ತಣ ಮಾಮರ ಎತ್ತಣ ಕೋಗಿಲೆ ಎತ್ತಣಿಂದೆತ್ತ ಸಂಬಂಧವಯ್ಯ ।  
ಬೆಟ್ಟದ ಮೇಲಣ ನೆಲ್ಲಿಕಾಯಿ ಸಮುದ್ರದೊಳಗಣ ಉಪ್ಪು  
ಎತ್ತಣಿಂದೆತ್ತ ಸಂಬಂಧವಯ್ಯ ॥  
ಗುಹೇಶ್ವರ ಲಿಂಗಕ್ಕೆಯೂ ಎಮಗೆಯೂ । ಎತ್ತಣಿಂದೆತ್ತ ಸಂಬಂಧವಯ್ಯ ।  
ಗುಹೇಶ್ವರ ಲಿಂಗಕ್ಕೆಯೂ ಎಮಗೆಯೂ ಎತ್ತಣಿಂದೆತ್ತ ಸಂಬಂಧವಯ್ಯ ॥

## ಯದು ವಂಶ

ಯದು ವಂಶ ತಿಲಕನ ವೇಷವಿದೇನೆ | ಮದಿರಾಕ್ಷಿ ಮುರಳಿ ನಾದವಿದೇನೆ ||  
ಯದು ವಂಶ.....

ಮುರಳಿ ಗಾನವಿದೇನೇ ತರಳಪಾಂಗವದೇನೆ (×2)  
ಸ್ಮರ ಸಂಭ್ರಮಾನಂದ ಸ್ಮರಣೆ ಇದೇನೆ ||  
ಯದು ವಂಶ.....

ಕೊಳಲನೂದುತೆ ನಮ್ಮ ಮನದಿ ಪವ್ವಳಿಸಿದ್ದ |  
ನಲವೊಲವೆಲ್ಲವ ಕೆರಳಿಸಿ ಕುಣಿಸಿ ||  
ಪುಲಕಾಂಕುರಗಳ ನಾಗಿಸಿ ಮೆಯ್ಯ ಮರೆಯಿಸಿ | (×2)  
ನಲಿವೀ ಗಾಯನಮಾಯೆ ಯೊಳಗುಟ್ಟದೇನೆ ||  
ಯದು ವಂಶ.....

ಆಶೆಗಳೆಷ್ಟೋ ನಿರಾಶೆಗಳಿನ್ನೆಷ್ಟೋ  
ರೋಷ ದುಃಖ ಪ್ರೇಮೋತ್ಸಾಹಂಗಳೆಷ್ಟೋ | (×2)  
ಸಾಸಿರ ಸುಳಿ ಗಾಳಿ ಬೀಸಿ ನಮ್ಮೆದೆಯನು || (×2)  
ಘಾಸಿಗೊಳಿಸೆ ಚೆನ್ನಕೇಶವನೊಲಿವನೆ? || (×2)  
ಯದು ವಂಶ.....

## ಮರ್ತ್ಯ ಲೋಕವೆಂಬುದು ಕರ್ತಾರನ ಕಮ್ಮಟವಯ್ಯ

ಮರ್ತ್ಯ ಲೋಕವೆಂಬುದು ಕರ್ತಾರನ ಕಮ್ಮಟವಯ್ಯ  
ಇಲ್ಲಿ ಸಲ್ಲುವವರು ಅಲ್ಲಿಯೂ ಸಲ್ಲುವರಯ್ಯ  
ಇಲ್ಲಿ ಸಲ್ಲದವರು ಅಲ್ಲಿಯೂ ಸಲ್ಲರಯ್ಯ  
ಕೂಡಲ ಸಂಗಮದೇವ

## ಲೇ ಲಾಲಿ ಲೇಸೋ

ಲೇ ಲಾಲಿ ಲೇಸೋ ಲೇ ಲಾಲಿ ಲೋ  
ಲೇ ಲಾಲಿ ಲೇಸೋ (ಲೇ ಲಾಲಿ ಲೋ)×3 || } (×2)

ಪಡುವಣ ಕಡಲಿದು ಏನಂದವೋ, ಏನಂದವೋ |  
ಉಕ್ಕೇರಿ ಬರುತಿದೆ ಆನಂದವೋ, ಆನಂದವೋ ||  
ಬಂಧನ ಬಂದಿತು ಎಲ್ಲಿಂದಲೋ |  
ಬಿಡುಗಡೆಯೆಂದರೆ ಅಲ್ಲಿಂದಲೋ ||  
ಲೇ ಲಾಲಿ ಲೇಸೋ.....

ದಿನ ದಿನ ಬಹನಲ್ಲಿ ರವಿಶಾಂತಿಗೆ, ರವಿಶಾಂತಿಗೆ |  
ದಣಿವಾಗಿ ತಣಿವಾಗಿ ವಿಶ್ರಾಂತಿಗೆ, ವಿಶ್ರಾಂತಿಗೆ ||  
ಶ್ರೀಗಂಧ ಚಂದನ ಯಾಲಕ್ಕಿಗೆ |  
ಬಂದಾವೋ ಏನೇನೋ ಈ ದಿಕ್ಕಿಗೆ ||  
ಲೇ ಲಾಲಿ ಲೇಸೋ.....

## ಬರ ಬರ ಭಕ್ತಿ

ಬರ ಬರ ಭಕ್ತಿ ಅರೆಯಾಯಿತ್ತು ಕಾಣಿರಣ್ಣ  
ಮೊದಲ ದಿನ ಹಣೆ ಮುಟ್ಟಿ  
ಮರು ದಿನ ಕೈಯ ಮುಟ್ಟಿ  
ಮೂರೆಂಬ ದುನಕ್ಕೆ ತೂಕಡಿಕೆ ಕಾಣಿರಣ್ಣ  
ಹಿಡಿದುದ ಬಿಡದಿರೆ ತಡಿಗೆ ಚಾಚುವ  
ಅಲ್ಲದಿರೆ ನಡುನೀರಲ್ಲದ್ದುವ  
ನಮ್ಮ ಕೂಡಲ ಸಂಗಮ ದೇವ

## ತಾರಕ್ಕ ಬಿಂದಿಗೆ

ತಾರಕ್ಕ ಬಿಂದಿಗೆ ನಾ ನೀರಿಗೆ ಹೋಗುವೆ ತಾರೇ ಬಿಂದಿಗೆಯ ।  
ಬಿಂದಿಗೆ ಒಡೆದರೆ ಒಂದೇ ಕಾಸು ತಾರೇ ಬಿಂದಿಗೆಯ ॥

ರಾಮನಾಮವೆಂಬ ರಸವುಳ್ಳ ನೀರಿಗೆ ತಾರೇ ಬಿಂದಿಗೆಯ ।  
ಕಾಮಿನಿಯರ ಕೂಡೆ ಏಕಾಂತವಾಡೇನು ತಾರೇ ಬಿಂದಿಗೆಯ ॥  
ತಾರಕ್ಕ ಬಿಂದಿಗೆ.....

ಗೋವಿಂದವೆಂಬುವ ಗುಣವುಳ್ಳನೀರಿಗೆ ತಾರೇ ಬಿಂದಿಗೆಯ ।  
ಆವಾವ ಪರಿಯಲ್ಲಿ ಅಮೃತದ ನೀರಿಗೆ ತಾರೇ ಬಿಂದಿಗೆಯ ॥  
ತಾರಕ್ಕ ಬಿಂದಿಗೆ.....

ಬಿಂದು ಮಾಧವನ ಘಟ್ಟಕ್ಕೆ ಹೋಗುವೆ ತಾರೇ ಬಿಂದಿಗೆಯ ।  
ಪುರಂದರವಿಠಲಗೆ ಅಭಿಷೇಕ ಮಾಡುವೆ ತಾರೇ ಬಿಂದಿಗೆಯ ॥  
ತಾರಕ್ಕ ಬಿಂದಿಗೆ.....

## ಧರ್ಮಭೂಮಿ ಭಾರತ

ಧರ್ಮಭೂಮಿ ಭಾರತ ಸಾರುತಿಹುದು ಜನಹಿತ ।  
ವಿಶ್ವ ಶಾಂತಿಗಾಗಿ ದುಡಿವ ಸಕಲರಿಗೆ ಸ್ವಾಗತ ॥  
ಧರ್ಮಭೂಮಿ ಭಾರತ.....

ಧೈರ್ಯ ಶೌರ್ಯ ಸಾಹಸಗಳ ವೀರಭೂಮಿ ಭಾರತ ।  
ಸರ್ವಧರ್ಮ ಸಮನ್ವಯದ ಭಾಗ್ಯಭೂಮಿ ಭಾರತ ॥  
ಧರ್ಮಭೂಮಿ ಭಾರತ.....

ತ್ಯಾಗ ನೀತಿ ನ್ಯಾಯ ಶಾಂತಿ ತಾಣ ನಮ್ಮ ಭಾರತ ।  
ತ್ಯಾಗ ಯೋಗ ಭೋಗ ಮೈತ್ರಿ ಭಾಗ್ಯಭೂಮಿ ಭಾರತ ॥  
ಧರ್ಮಭೂಮಿ ಭಾರತ.....

## ಬಾರೋ ವೆಂಕಟೇಶ

ಬಾರೋ ವೆಂಕಟೇಶ ಮನೆಗೆ ಕರುಣವಿಟ್ಟು ಕರೆದು ನಿನ್ನ ಮುದ್ದನಾಡುವೆ |  
ಮುತ್ತಕೊಟ್ಟು ಮುಖವ ನೋಡು ಕಲ್ಲು ಸಕ್ಕರೆ ಕೈಗೆ ಇಟ್ಟು  
ಪುಟ್ಟ ಬಟ್ಟಲಲ್ಲಿ ನಿನಗೆ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬ ಹಾಲ ಕೊಡುವೆ ||  
ಬಾರೋ ಶ್ರೀನಿವಾಸ ಮನೆಗೆ ಕರುಣವಿಟ್ಟು.....

ಸಣ್ಣ ನಾಮ ಹಣೆಯಲ್ಲೊಳೆಯುತ ಶಂಖು ಚಕ್ರ ಪದ್ಮ ಕಿರೀಟ ತೋರುತ |  
ಶಾಲು ಪಟ್ಟೆ ಸೀರೆಯನುಟ್ಟು ತುಳಸಿಹಾರ ಕೊರಳಲ್ಲಿಟ್ಟು  
ನಿಮ್ಮ ಪಾದ ಮುಂದಕ್ಕಿಟ್ಟು ಭಕ್ತಿಯಿಂದ ನಯನವಿಟ್ಟು ||  
ಬಾರೋ ಮುದ್ದು ಕೃಷ್ಣ ಮನೆಗೆ ಕರುಣವಿಟ್ಟು.....

ಚನ್ನಿಕೋಲು ಚಂಡನಾಡುತ ಗೆಣೆಯರೊಡನೆ ಗೊಲ್ಲನಾಗಿ ಗೋವ ಕಾಯುತ |  
ತಾರಮ್ಮೆಯ ದೂರಿನಾಡುತ ತುಪ್ಪ ಸಕ್ಕರೆ ಚಪ್ಪರಿಸುತ್ತ  
ಅಷ್ಟಾರಕ್ಕೆ ಬಾಬಾ ಅಷ್ಟು ಸಕ್ಕರೆ ಕೊಡುವೆ ||  
ಬಾರೋ ಮುದ್ದು ಕೃಷ್ಣ ಮನೆಗೆ ಕರುಣವಿಟ್ಟು.....

## ಎತ್ತಿರಾರತಿ ಸತ್ಯಸದ್ಗತಿ

ಎತ್ತಿರಾರತಿ ಸತ್ಯಸದ್ಗತಿ ಸುಖ ವಿತ್ತು ಪೊರೆವ ರಂಗನಿಗೆ ಮುತ್ತಿನಾರತಿ ||

ಗೋವ ಕಾಯ್ದಗೇ ಹಾವ ತುಳಿದಗೆ |  
ಭಾಮೆಯರ ಮೋಹಿಸಿದಗೆ ಹೂವಿನಾರತಿ ||  
ಎತ್ತಿರಾರತಿ ಸತ್ಯಸದ್ಗತಿ.....

ಕಮಲನಾಭಗೆ ಕಮಲನಯನಗೆ | ಕಮಲನಾಭ ಮೂರುತಿಗೆ ಕನಕದಾರತಿ ||  
ಎತ್ತಿರಾರತಿ ಸತ್ಯಸದ್ಗತಿ.....

ಮಂಗಳಾಂಗಗೇ ಭುಜಂಗಶಾಯಿಗೆ | ಮಂಗಳಾಂಗ ರಾಮಚಂದ್ರಗೆ ಮಂಗಳಾರತಿ ||  
ಎತ್ತಿರಾರತಿ ಸತ್ಯಸದ್ಗತಿ.....

## ಕಲ್ಲನಾಗರ

ಕಲ್ಲನಾಗರ ಕಂಡರೆ ಹಾಲನೆರೆಯೆಂಬರು ।

ದಿಟದನಾಗರ ಕಂಡರೆ ಕೊಲ್ಲಿಂಬರಯ್ಯಾ ॥

ಕಲ್ಲನಾಗರ ಕಂಡರೆ

ಉಂಬ ಜಂಗಮಬಂದರೆ ನಡೆ ನಡೆ ಎಂಬರು । (×2)

ಉಣ್ಣದ ಲಿಂಗಕ್ಕೆ ಬೋನವ ಹಿಡಿಯೆಂಬರಯ್ಯಾ ॥

ಕಲ್ಲನಾಗರ ಕಂಡರೆ.....

ನಮ್ಮ ಕೂಡಲಸಂಗನ ಶರಣರ ಕಂಡು । (×2)

ಉದಾಸೀನಮಾಡಿದರೆ ಕಲ್ಲತಾಕಿದ ಮಿಟ್ಟೆಯೆಂತಪ್ಪರಯ್ಯಾ ॥

ಕಲ್ಲನಾಗರ.....

## ರಾಮಲಾಲೀ

ರಾಮಲಾಲೀ ಮೇಘ ಶ್ಯಾಮಲಾಲೀ ।

ತಾಮರಸ ನಯನ ದಶರಥ ತನಯ ಲಾಲಿ ॥

ಕೃಷ್ಣಲಾಲೀ ಭಕ್ತಾಭೀಷ್ಟಲಾಲೀ ।

ದುಷ್ಟರ ತರಿದು ಶಿಷ್ಟರ ಪೊರೆವ ಕೃಷ್ಣಲಾಲೀ ॥

ರಾಮಲಾಲೀ.....

ನಂದಲಾಲೀ ಗೋಪೀಕಂದ ಲಾಲೀ ।

ಮಂದರ ಗಿರಿಧರ ಮಧೂಸೂದನ ಗೋವಿಂದಲಾಲೀ ॥

ರಾಮಲಾಲೀ.....

ಧೀರಲಾಲೀ ಅತಿ ಶೂರಲಾಲೀ ।

ಮಾರಜನಕ ಶ್ರೀ ಗುರುಪುರಂದರ ವಿಠಲ ಲಾಲೀ ॥

ರಾಮಲಾಲೀ.....

## ಅವನಿಪತಿ ಮೂಗಿನಲಿ

ಅವನಿಪತಿ ಮೂಗಿನಲಿ ಕರಪಲ್ಲವವನಿಟ್ಟನು  
ತಲೆಯ ತೂಗಿದನವಳು ದ್ರೌಪದಿ  
ಖಳನ ಕೊಂದವ ಭೀಮ ಗಂಧರ್ವ  
ದಿವಿಜಸತಿಯೆತ್ತಲು ವಿರಾಟನ  
ಭವನದೋಲಗವೆತ್ತಲದು ಪಾಂಡವರ  
ಕೃತ್ರಿಮತಂತ್ರ ಮರೆಯಿರೆಗಾರರವರೆಂದ.

ಜವನಮೀಸೆಯ ಮುರಿದನೋ  
ಭೈರವನ ದಾಡೆಯನಲುಗಿಸಿದನೋ  
ಮೃತ್ಯುವಿನ ಮೇಲುದಸೆಳೆದನೋ ಕೇಸರಿಯ ಕೆಣಕಿದನೋ  
ಬವರವನು ತೊಡಗಿದನಲಾ ಕೌರವನಕಟ ಮರುಳಾದನೆಂದಾ  
ಯುವತಿಯರ ಮೊಗ ನೋಡುತುತ್ತರ ಬಿರುದ ಕೆದರಿದನು.

ಆರೊಡನೆ ಕಾದುವೆನು ಕೆಲಬರು ಹಾರುವರು  
ಕೆಲರಂತಕನ ನೆರೆಯೂರವರು ಕೆಲರಧಮಕುಲದಲಿ ಸಂದು ಬಂದವರು  
ವೀರರೆಂಬವರಿವರು ಮೇಲಿನ್ನಾರ ಹೆಸರುಂಟವರೊಳೆಂದು  
ಕುಮಾರ ನೆಣಗೊಬ್ಬಿನಲಿನುಡಿದನು ಹೆಂಗಳಿದಿನಲಿ

ಮಂಗಳಾರತಿಯೆತ್ತಿದರು ನಿಖಿಳಾಂಗನೆಯರುತ್ತರಗೆ  
ನಿಜ ಸರ್ವಾಂಗ ಶೃಂಗಾರದಲಿ ಹೊಳೆಯುತ ಬಂದು ರಥವೇರಿ  
ಹೋಂಗೆಲಸಮಯ ಕವಚವನು ಪಾರ್ಥಂಗೆ ಕೊಟ್ಟನು  
ಜೋಡು ಸೀಸಕವಂಗದೊಳಗಳವಡಲು ರಾಜಕುಮಾರನನುವಾದ

## ಮಳೆರಾಯ

ಮಳೆರಾಯ ಮಳೆರಾಯ ಹೊನ್ನ ಸುರಿಸು  
ಭೂಮಿತಾಯಿ ಭೂಮಿತಾಯಿ ಬಂಗಾರ ಬೆಳೆಸು (×2)

ಹಿಂಗಾರು ಮುಂಗಾರು ಮಳೆಬಂದು  
ನಮ್ಮೂರ ಕೆರೆ ಕಟ್ಟಿ ತುಂಬಿನಿಂದು  
ಶೃಂಗಾರ ಪೂರ್ಣ ತಾಯಿ ಭೂಮಿಗಿಂದು  
ಮಂದಾರ ಪುಷ್ಪವಲ್ಲಿ ಅರಳಿ ನಿಂದು (×2)  
ಓ ಮಳೆರಾಯ.....

ಮುತ್ತಿನಂತೆ ಓಲಾಡಲಿ ಜೋಳದ ತೆನೆ  
ಬಂಗಾರದಂತೆ ಬೆಳೆಯಲಿ ಭತ್ತದ ತೆನೆ  
ಮೋಡದಂತೆ ತೇಲಾಡಲಿ ಹಾಲಿನ ಕೆನೆ  
ಹರುಷದಿಂದ ನಲಿಯಲಿ ನಮ್ಮ ಮನೆ (×2)  
ಓ ಮಳೆರಾಯ.....

## ಭಕ್ತಿಯೆಂಬ ಪೃಥ್ವಿಯ ಮೇಲೆ

ಭಕ್ತಿಯೆಂಬ ಪೃಥ್ವಿಯ ಮೇಲೆ ಗುರುವೆಂಬ ಬೀಜವಂಕುರಿಸಿ  
ಲಿಂಗವೆಂಬ ಎಲೆಯಾಯಿತ್ತು  
ಲಿಂಗವೆಂಬ ಎಲೆಯ ಮೇಲೆ ವಿಚಾರವೆಂಬ ಹೂವಾಯಿತ್ತು  
ಆಚಾರವೆಂಬ ಕಾಯಾಯಿತ್ತು, ನಿಷ್ಪತ್ತಿಯೆಂಬ ಹಣ್ಣಾಯಿತ್ತು  
ನಿಷ್ಪತ್ತಿಯೆಂಬ ಹಣ್ಣು, ತೊಟ್ಟು ಬಿಟ್ಟು ಕಳಚಿ ಬೀಳುವಲ್ಲಿ  
ಕೂಡಲಸಂಗಮದೇವನು ತನಗೆ ಬೇಕೆಂದು ಎತ್ತಿಕೊಂಡನು



## ಬಿದ್ದಿಯಬ್ಬೇ ಮುದುಕಿ

ಬಿದ್ದಿಯಬ್ಬೇ ಮುದುಕಿ ಬಿದ್ದಿಯಬ್ಬೇ | (×2)

ನೀ ದಿನ ಹೋದಾಕಿ ಇರು ಭಾಳ ಜೋಕಿ (×2)

ಬುದ್ಧಿಗೇಡಿ ಮುದುಕಿ ನೀನು ಬಿದ್ದಿಯಬ್ಬೇ (×2)

ಸದ್ಯಕ್ಕಿದು ಹುಲುಗೂರ ಸಂತಿ ಗದ್ದಲೊದೊಳಗ್ಯಾಕ ನಿಂತಿ | (×2)

ಬಿದ್ದು ಇಲ್ಲಿ ಒದ್ದಾಡಿದರ ಎದ್ದು ಹ್ಯಾಂಗ ಹಿಂದಕ ಬರುತಿ? | (×2)

ಬುದ್ಧಿಗೇಡಿ ಮುದುಕಿ ನೀನು ಬಿದ್ದಿಯಬ್ಬೇ ||

ಬುಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಪತ್ತಲ ಇಟ್ಟಿ ಅದನು ಉಟ್ಟ ಹೊತ್ತೊಳು ಜೋಕಿ | (×2)

ಕೆಟ್ಟಗಂಟಿ ಚೌಡೇರು ಬಂದು ಉಟ್ಟದ್ದನ್ನ ಕದ್ದಾರ ಜೋಕಿ || (×2)

ಬಿದ್ದಿಯಬೇ ಮುದುಕಿ ಬಿದ್ದಿಯಬ್ಬೇ ||

ಶಿಶುನಾಳಧೀಶನ ಮುಂದೆ ಕೊಸರಿ ಕೊಸರಿ ಹೋಗಬ್ಯಾಡ | (×2)

ಹಸನವಿಲ್ಲ ಹರೆಯ ಸಂದ ಪಿಸರು ಪಿಚ್ಚುಗಣ್ಣಿನ ಮುದುಕಿ || (×2)

ಬುದ್ಧಿಗೇಡಿ ಮುದುಕಿ ನೀನು ಬಿದ್ದಿಯಬ್ಬೇ.

## ಒಂದು ಮುಂಜಾವಿನಲಿ ತುಂತುರಿನ ಸೋನೆಮಳೆ

ಒಂದು ಮುಂಜಾವಿನಲಿ ತುಂತುರಿನ ಸೋನೆಮಳೆ

ಸೋ! ಎಂದು ಶ್ರುತಿ ಹಿಡಿದು ಸುರಿಯುತ್ತಿತ್ತು

ಅದಕೆ ಹಿಮ್ಮೇಳವನೆ ಸೂಸಿಪಹ ಸುಳಿಗಾಳಿ

ತೆಂಗು ಗರಿಗಳ ನಡುವೆ ನುಸುಳುತ್ತಿತ್ತು

ಒಂದು ಮುಂಜಾವಿನಲಿ ತುಂತುರಿನ ಸೋನೆಮಳೆ

ಇಳೆವೆಣ್ಣು ಮೈದೊಳೆದು ಮಕರಂದದರಿಷಿಣದಿ }  
ಹೂಮುಡಿದು ಮದುಮಗಳ ಹೋಲುತ್ತಿತ್ತು } (×2)

ಮೂಡಣದಿ ನೇಸರನ ನಗೆ ಮೊಗದ ಶ್ರೀಕಾಂತಿ (×2)  
ಬಿಳಿಯಾ ಮೋಡದ ಹಿಂದೆ ಹೊಳೆಯುತ್ತಿತ್ತು  
ಒಂದು ಮುಂಜಾವಿನಲಿ ತುಂತುರಿನ ಸೋನೆಮಳೆ

ಹಲ್ಲೆಸಳು ಹೂಪಕಳೆ ಮತ್ತು ಹನಿಗಳ ಮಿಂಚು (×2)  
ಸೊಡರಿನಲಿ ಆರತಿಯ ಬೆಳಗುತ್ತಿತ್ತು  
ಕೊರಲುಕ್ಕಿ ಹಾಡುತಿಹ ಚಿಕ್ಕ ಪಕ್ಕಿಯ ಬಳಗ (×2)  
ಶುಭಮಸ್ತು ಶುಭಮಸ್ತು ಎನ್ನುತ್ತಿತ್ತು  
ಒಂದು ಮುಂಜಾವಿನಲಿ ತುಂತುರಿನ ಸೋನೆಮಳೆ

ತಳಿರ ತೋರಣದಲ್ಲಿ ಬಳ್ಳಿ ಮಾಡಗಳಲ್ಲಿ } (×2)  
ದುಂಬಿಗಳ ಒಂಕಾರ ಹೊಮ್ಮುತ್ತಿತ್ತು  
ಹಚ್ಚ ಹಸುರಿನ ಪಚ್ಚಿ ನೆಲಗಟ್ಟಿನಂಗಳದಿ  
ಚಿಟ್ಟೆ ರಿಂಗಣಗುಣಿತ ಹಾಕುತ್ತಿತ್ತು  
ಒಂದು ಮುಂಜಾವಿನಲಿ ತುಂತುರಿನ ಸೋನೆಮಳೆ

ಉಷೆಯ ನುಣ್ಣದಪಿನಲಿ ಹರ್ಷ ಬಾಷ್ಟಗಳಂತೆ } (×2)  
ಮರದ ಹನಿ ತಟಪಟನೆ ಉದುರುತ್ತಿತ್ತು  
ಸೃಷ್ಟಿಲೀಲೆಯೊಳಿಂತು ತಲ್ಲಿನವಾದ ಮನ (×2)

ಮುಂಬಾಳ ಸವಿಗನಸ ನೆನೆಯುತ್ತಿತ್ತು  
ಒಂದು ಮುಂಜಾವಿನಲಿ ತುಂತುರಿನ ಸೋನೆಮಳೆ

## ಬದುಕು ಜಟಿಕಾ ಬಂಡಿ

ಬದುಕು ಜಟಿಕಾ ಬಂಡಿ, ವಿಧಿ ಅದರ ಸಾಹೇಬ  
ಕುದುರೆ ನೀನ್, ಅವನು ಪೇಳ್ವಂತೆ ಪಯಣಿಗರು  
ಮದುವೆಗೋ ಮಸಣಕೋ ಹೋಗಿಂದ ಕಡೆಗೋಡು  
ಪದ ಕುಸಿಯೆ ನೆಲವಿಹುದು - ಮಂಕು ತಿಮ್ಮ.

ಅವರೆಷ್ಟು ಧನವಂತರ್ ಇವರೆಷ್ಟು ಬಲವಂತರ್  
ಅವರೆಷ್ಟು ಯಶವಂತರ್ ಎನುವ ಕರುಬಿನಲಿ  
ಭವಿಕ ನಿನಗೆಷ್ಟಿಹುದೋ ಮರೆತು ನೀಂ ಕೊರಗುವುದು  
ಶಿವನಿಗೆ ಕೃತಜ್ಞತೆಯೆ? - ಮಂಕುತಿಮ್ಮ

ಅನ್ನ ವುಣುವಂದು ಕೇಳ್: ಅದನು ಬೇಯಿಸಿದ ನೀರ್  
ನಿನ್ನ ದುಡಿತದ ಬೆಮರೋ, ಪರರ ಕಣ್ಣೀರೋ?  
ತಿನ್ನ ನೀಂ ಜಗಕೆ ತಿನಲಿತ್ತನಿತ: ಮಿಕ್ಕೂಟ  
ಜೀರ್ಣಿಸದ ಋಣಶೇಷ - ಮಂಕುತಿಮ್ಮ  
ಕೋಡುಗಲ್ಲನು ಹತ್ತಿ ದೂರವನು ನೋಳ್ವಂಗಿ  
ಗೋಡೆ ಗೊತ್ತುಗಳೇನು? ಮೇಡು ಕುಳಿಯೇನು?  
ನೋಡು ನೀನುನ್ನತದಿ ನಿಂತು ಜನಜೀವಿತವ  
ಮಾಡುದಾರದ ಮನವ - ಮಂಕುತಿಮ್ಮ

ನಗುವು ಸಹಜದ ಧರ್ಮ: ನಗಿಸುವುದು ಪರಧರ್ಮ  
ನಗುವ ಕೇಳುತ ನಗುವುದತಿಶಯದ ಧರ್ಮ  
ನಗುವ ನಗಿಸುವ ನಗಿಸಿ ನಗುತ ಬಾಳುವ ವರವ  
ಮಿಗೆ ನೀನು ಬೇಡಿಕೊಳ್ಳೊ - ಮಂಕುತಿಮ್ಮ

ಎರಡು ಕೋಣೆಗಳ ನೀಂ ಮಾಡು ಮನದಾಲಯದಿ  
ಹೊರಕೋಣೆಯಲಿ ಲೋಗರಾಟಗಳನಾಡು  
ವಿರಮಿಸೊಬ್ಬನೆ ಮೌನದೊಳಾಮನೆಯ ಶಾಂತಿಯಲಿ  
ವರಯೋಗ ಸೂತ್ರವಿದು - ಮಂಕುತಿಮ್ಮ

## ಎಲ್ಲೋ ಹುಡುಕಿದೆ ಇಲ್ಲದ ದೇವರ

ಎಲ್ಲೋ ಹುಡುಕಿದೆ ಇಲ್ಲದ ದೇವರ ।

ಕಲ್ಲು ಮಣ್ಣುಗಳ ಗುಡಿಯೊಳಗೆ ॥ (×2)

ಇಲ್ಲೆ ಇರುವ ಪ್ರೀತಿ ಸ್ನೇಹಗಳ ಗುರುತಿಸದಾದೆನು ನಮ್ಮೊಳಗೆ । (×2)

ಎಲ್ಲೋ ಹುಡುಕಿದೆ ಇಲ್ಲದ ದೇವರ । ಕಲ್ಲು ಮಣ್ಣುಗಳ ಗುಡಿಯೊಳಗೆ ॥

ಎಲ್ಲಿದೆ ನಂದನ ಎಲ್ಲಿದೆ ಬಂಧನ ಎಲ್ಲ ಇವೆ ಈ ನಮ್ಮೊಳಗೆ । (×2)

ಒಳಗಿನ ತಿಳಿಯನು ಕಲಕದೆ ಇದ್ದರೆ । (×2)

ಅಮೃತ ಸವಿಯಿದೆ ನಾಲಗೆಗೆ । (×2)

ಎಲ್ಲೋ ಹುಡುಕಿದೆ.....

ಹತ್ತಿರವಿದ್ದೂ ದೂರ ನಿಲ್ಲುವೆವು ನಮ್ಮ ಅಹಮಿನ ಕೋಟೆಯಲಿ (×2)

ಎಷ್ಟು ಕಷ್ಟವೋ ಹೊಂದಿಕೆಯೆಂಬುದು (×2)

ನಾಲ್ಕು ದಿನದ ಈ ಬದುಕಿನಲಿ (×2)

ಎಲ್ಲೋ ಹುಡುಕಿದೆ..... (×2)

ಇಲ್ಲೆ ಇರುವ ಪ್ರೀತಿ ಸ್ನೇಹಗಳ ಗುರುತಿಸದಾದೆನು ನಮ್ಮೊಳಗೆ ।

ಎಲ್ಲೋ ಹುಡುಕಿದೆ.....

## ರಾಗಿ ತಂದೀರಾ ಭಿಕ್ಷುಕೆ

ರಾಗಿ ತಂದೀರಾ ಭಿಕ್ಷುಕೆ ರಾಗಿ ತಂದೀರಾ । (×3)

ಯೋಗ್ಯರಾಗಿ, ಭೋಗ್ಯರಾಗಿ, ಭಾಗ್ಯವಂತರಾಗಿ ನೀವು ॥ (×2)

ರಾಗಿ ತಂದೀರಾ (ಭಿಕ್ಷುಕೆ ರಾಗಿ ತಂದೀರಾ)×3 ।

ಅನ್ನದಾನವ ಮಾಡುವರಾಗಿ ಅನ್ನ ಭತ್ತವನ್ನಿಟ್ಟವರಾಗಿ । (×2)

ಅನ್ಯ ವಾರ್ತೆಯ ಬಿಟ್ಟವರಾಗಿ ಅನುದಿನ ಭಜನೆಯ ಮಾಡುವರಾಗಿ ॥

ರಾಗಿ ತಂದೀರಾ .....

ಮಾತಾಪಿತರನು ಸೇವಿಪರಾಗಿ ಪಾಪ ಕಾರ್ಯವ ಬಿಟ್ಟವರಾಗಿ । (×2)  
ಜಾತಿಯಲಿ ಮಿಗಿಲಾದವರಾಗಿ ನೀತಿ ಮಾರ್ಗದಲಿ ಖ್ಯಾತರಾಗಿ ॥  
ರಾಗಿ ತಂದೀರಾ .....

ಸಿರಿ ರಮಣನ ಸದಾ ಸ್ಮರಿಸುವರಾಗಿ ಗುರುತಿಗೆ ಬಾಹೋರಂಥವರಾಗಿ । (×2)  
ಕರೆಕರೆ ಸಂಸಾರ ನೀಗುವರಾಗಿ ಪುರಂದರವಿಠಲನ ಸೇವಿಪರಾಗಿ ॥  
ರಾಗಿ ತಂದೀರಾ .....

## ಹೇಳತೇನ ಕೇಳ

ಮೊದಲಿಗೆ ಅಲ್ಲಮ ಪ್ರಭುವಿಗೆ ಶರಣಾರ್ಥಿ  
ಕೂಡಿಕುಂತ ಜನಕ್ಕೆಲ್ಲ ನಮ್ಮ ನಮನ ।  
ಕಲಿಯುಗದೊಳಗಿನ ಕಥೆಯ ವಿಸ್ತಾರವ  
ತಿಳಿಸಿ ಹೇಳುವೆ ಕೇಳಬೇಕಿ ಜನ ॥

ಹೇ ಕೂಡಿಕುಂತ ದೈವಕ್ಕೆ ಕೈ ಮುಗಿದು ಹೇಳತೇನ  
ಆಹ! ಹೇ ಕೂಡಿಕುಂತ ದೈವಕ್ಕೆ ಕೈ ಮುಗಿದು ಹೇಳತೇನ  
ಮರೆಯಿರಿ ಮುಂದ ಬಂದ್ರ ಚೂರ ಕಸರ

ಹೇ! ಯವ್ವಾ ಸರಸ್ವತಿ ತಾಳಕ್ಕೆ ನಲಿವಾಕಿ ನಾಲಗೀಗಕ್ಷರ ಕಲಿಸೈದಾರಾ ।  
ಹಿರಿಯರ ಪಿರಿತಿಗಿ ಸರಿದೊರೆ ಸಮನಿಲ್ಲ ಕೇಳವ್ರ ಮ್ಯಾಲಿರಲಿ ನಿರಂತರ ॥  
ಗೀ ಯ ಗಾ ಗಾಗೀಯ ಗಾ

ಹೇ! ಹೇಳತೇನ ಕೇಳೊ ಗೆಳೆಯ ಕತಿಯೊಂದ ನಿನಮುಂದ  
ನನ ಮುಂದ ಕುಂಡ್ರ ಹೀಂಗ ತೆರೆದ ಮನಾ  
ಗೀ ಯ ಗಾ ಗಾಗೀಯ ಗಾ

ಕತೆ ಹೇಳತೇವ್ವಿ ಮುಂದಿಂದ ಹೇಳತೇವ್ವಿ ಮುಂದ ಹೇಳತೇವ್ವಿ ಮುಂದ  
ಕತೆ ಹೇಳತೇವ್ವಿ ಮುಂದಿಂದ

ಇರು ಗುರುವೆ ನಾಲಗೆ ಹಿಂದ ಆಗದಿರಲಿ ಒಂದು ಸಹ ಕುಂದ  
ನಾ ನಿಮ್ಮ ಕರುಣದ ಕಂದ

ಬೆವರು ಸುರಿಸಿ ಮಾದಪ್ಪ ಬದನೆಕಾಯಿ ಬೆಳಸ್ಯಾನ ಹೌದಪ್ಪಾ,  
ಬೆವರು ಸುರಿಸಿ ಮಾದಪ್ಪ ಬದನೆಕಾಯಿ ಬೆಳಸ್ಯಾನ  
ಪ್ಯಾಟಿಗ್ ಹೋಗಿ ಮಾರಿಬಂದ ಕತಿ ನಿವಳ  
ಹೇ! ಹೇಳತೇನ ಕೇಳೊ ಗೆಳೆಯ  
ಕತಿಯೊಂದ ನಿನಮುಂದ  
ನನ ಮುಂದ ಕುಂಡ್ರ ಹೀಂಗ ತೆರೆದ ಮನಾ  
ಗೀ ಯ ಗಾ ಗಾಗೀಯ ಗಾ

ಬಡಪಾಯಿ ಮಾದಪ್ಪ ನೆತ್ತಿ ಮ್ಯಾಲೆ ಬುಟ್ಟಿ ಹೊತ್ತು  
ಬುಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಬದನೆ ಇಟ್ಟು ಹೊರಟಾನ |  
ಹಳ್ಳಿ ಬಾಗಿಲಲ್ಲಿ ಅವನು ಪಟೇಲನ ನೋಡಿ  
ಬಗ್ಗಿ ಧಣಿ ನಮಸ್ಕಾರ ಅಂದಾನ ||  
ಗೀ ಯ ಗಾ ಗಾಗೀಯ ಗಾ

ಬಗ್ಗಿ ಧಣಿ ನಮಸ್ಕಾರ ಅನ್ನೋವಾಗ ಮಾದಪ್ಪ  
ಪಟೇಲನು ಕೈತುಂಬ ಬದನೆ ಕದ್ದಾನ |  
ಬಡಪಾಯಿ ಮಾದಪ್ಪ ಬುಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ ಬದನೆ ಇಟ್ಟು  
ದೂರದ್ ಮಾರ್ಕೆಟ್ ದಾರಿ ಹಿಡಿದಾನ ||  
ಗೀ ಯ ಗಾ ಗಾಗೀಯ ಗಾ

ಆಗ! ಟೋಲ್ಗೆಟ್ ಆಫೀಸ್ತು ಅಡ್ಡಹಾಕಿ ನಿಲ್ಲಿದ್ದು  
ಕಂದಾಯಕ್ಕೆ ಹೋಯಿತು ಕಾಸೆಲ್ಲ |  
ಕೆಂಪು ದೀಪ ನೋಡದೆ ನೆಟ್ಟಗ್ ಹೋದ ಮಾದಪ್ಪನ  
ದಪ್ಪ ಮೀಸೆ ಪ್ರೋಲಿಸಪ್ಪ ನಿಲಿಸ್ಯಾನ ||  
ಗೀ ಯ ಗಾ ಗಾಗೀಯ ಗಾ

ಸ್ವೇಷನ್ನಿಗೆ ಬಾರೋ ಮಗನೆ ಅಂತ ಕಿರುಚಿಕೊಂಡನಪ್ಪ  
ಕೈಮುಗಿದು ಮಾದಪ್ಪ ಕಾಲಿಗ್ಬಿದ್ದಾನ  
ಟೋಪಿ ತುಂಬ ಪೋಲಿಸಪ್ಪ ಬದನೆ ಕದ್ದು ಹೊರಟನಪ್ಪ  
ಬುಟ್ಟಿ ನೋಡಿ ಮಾದಪ್ಪ ಅತ್ತಾನ  
ಗೀ ಯ ಗಾ ಗಾಗೀಯ ಗಾ

ಹರಾಜ್ ಗಂತ ಬುಟ್ಟಿಯನ್ನು ಸಾಲಲ್ಲಿಟ್ಟು ಮಾದಪ್ಪ  
ಬೆರಗಾಗಿ ಅತ್ತಿತ್ತ ಕಣ್ಣಾಡ್ಸಾನ  
ಸಿನಿಮಾ ಪೋಸ್ಟರುಗಳ ನೋಡ್ತಾ ಮೈಮರೆತ್ತಿದ್ದಾಗ  
ಕೊಬ್ಬಿದ್ದೂಳಿಯೊಂದು ಬದನೆ ಮುಕ್ಕಿತ್ತ  
ಗೀ ಯ ಗಾ ಗಾಗೀಯ ಗಾ

ಡೊಳ್ಳು ಹೊಟ್ಟೆ ದಳ್ಳಾಳಪ್ಪ ಬದನಿ ಮ್ಯಾಲೆ ಕಣ್ಣಿಟ್ಟು  
ಹೆಣ್ಣಿ ಮಾಡೊ ಎಣ್ಣಾಯಿ ನೆನಿತ್ತಿದ್ದ  
ಮಾದಪ್ಪನ ಕಿಸೆ ತುಂಬ ನೋಟು ತುಂಬಿ ದಳ್ಳಾಳಿ  
ಎಳಿ ಬದನಿಕಾಯಿ ಕೊಂಡು ಹೊರಟಾನ  
ಗೀ ಯ ಗಾ ಗಾಗೀಯ ಗಾ

ಕತಿ ಮುಗುಯಿತರಿ ಇಲ್ಲಿಗಿ ಇಂದ  
ಮುಗುಯಿತರಿ ಇಂದ  
ಕತಿ ಮುಗುಯಿತರಿ ಇಲ್ಲಿಗಿ ಇಂದ  
ಮನಗೊಟ್ಟು ಕೇಳಿದಿರಿ ಭಂದ  
ಗುರುವಿಗಿ ಶರಣ ಅಂದ  
ನಾ ನಿಮ್ಮ ಕರುಣದ ಕಂದ  
ಕೊನೆಯಲ್ಲಿ ಅಲ್ಲಮ ಪ್ರಭುವಿಗಿ ಶರಣಾರ್ಥಿ  
ಕೂಡಿಕುಂತ ಜನಕ್ಕೆಲ್ಲ ನಮ್ಮ ನಮನ  
ಯಪ್ಪ ಸ್ವಾಮಿ ಗುರುದೇವ ಕತಿ ನಡೆಸಿ ಕೊಟ್ಟಿ ನೀನು  
ಕೈಯೆತ್ತಿ ಮಾಡುವೆ ನಿನಗ ನಮನ  
ಗೀ ಯ ಗಾ ಗಾಗೀಯ

## ಕೋಡಗನ ಕೋಳಿ ನುಂಗಿತ್ತ

ಕೋಡಗನ ಕೋಳಿ ನುಂಗಿತ್ತ, ನೋಡವ್ವ ತಂಗಿ  
ಕೋಡಗನ ಕೋಳಿ ನುಂಗಿತ್ತ

ಆಡು ಆನೆಯ ನುಂಗಿ, ಗೋಡೆ ಸುಣ್ಣವ ನುಂಗಿ  
ಆಡಲು ಬಂದ ಪಾತರದವಳ ಮದ್ದಲಿ ನುಂಗಿತ್ತತಂಗಿ  
ಕೋಡಗನ ಕೋಳಿ ನುಂಗಿತ್ತ

ಒಳ್ಳು ಒನಕೆಯ ನುಂಗಿ, ಕಲ್ಲು ಗೂಟವ ನುಂಗಿ  
ಮೆಲ್ಲಲು ಬಂದ ಮುದುಕಿಯನ್ನೆ ನೆಲ್ಲು ನುಂಗಿತ್ತ! ತಂಗಿ  
ಕೋಡಗನ ಕೋಳಿ ನುಂಗಿತ್ತ

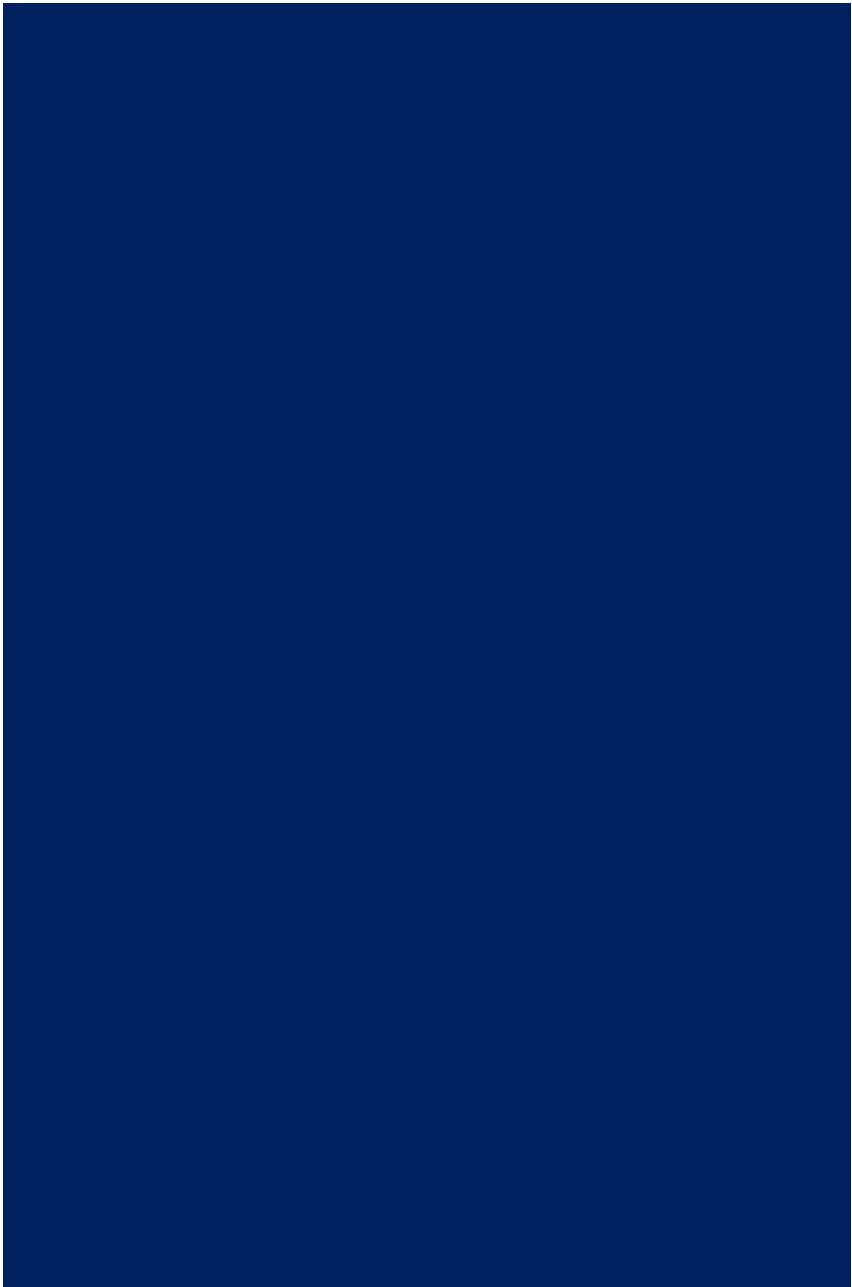
ಹಗ್ಗ ಮಗ್ಗವ ನುಂಗಿ, ಮಗ್ಗವ ಲಾಳಿ ನುಂಗಿ  
ಮಗ್ಗದಲಿರುವ ಅಣ್ಣನನ್ನೆ ಮಣಿಯು ನುಂಗಿತ್ತ! ತಂಗಿ  
ಕೋಡಗನ ಕೋಳಿ ನುಂಗಿತ್ತ

ಎತ್ತು ಜತ್ತವ ನುಂಗಿ, ಬತ್ತ ಬಾನವ ನುಂಗಿ  
ಮುಕ್ಕುಟ ತಿರುವೋ ಅಣ್ಣನನ್ನ ಮೇಳ ನುಂಗಿತ್ತ! ತಂಗಿ  
ಕೋಡಗನ ಕೋಳಿ ನುಂಗಿತ್ತ

ಗುಡ್ಡ ಗವಿಯನು ನುಂಗಿ, ಗವಿಯು ಇರುವೆಯ ನುಂಗಿ  
ಗೋವಿಂದ ಗುರುವಿನ ಪಾದ ನನ್ನನೇ ನುಂಗಿತ್ತ! ತಂಗಿ  
ಕೋಡಗನ ಕೋಳಿ ನುಂಗಿತ್ತ, ನೋಡವ್ವ ತಂಗಿ  
ಕೋಡಗನ ಕೋಳಿ ನುಂಗಿತ್ತ



*Others*



## आज गोकुळात

आज गोकुळात रंग खेळतो हरि } (×2)  
राधिके ज़रा ज़पून ज़ा तुझ्या घरी }  
तो चटोर चितचोर वाट रोखतो } (×2)  
हात ओढुनी खुशाल रंग टाकतो }  
रंगवुनी रंगुनी गुलाल टाकतो }  
सांगतेच मी सखि तुला परोपरी  
राधिके ज़रा ज़पून ज़ा तुझ्या घरी  
आज गोकुळात.....

सांग श्यामसुंदरास काय झाले  
रंग टाकल्याविणा कुणा न सोडिले  
ज्यास त्यास ज्या कुणास रंग लाभले  
एकटीच वाचशील काय तू तरी  
राधिके ज़रा ज़पून ज़ा तुझ्या घरी  
आज गोकुळात.....

ज़्या तिथे अनन्त रंग रास रंगला } (×2)  
गोप गोपिकांसवे मुकुन्द दंगला }  
तो पहा मृदंग मंदिरात वाजला  
हाय वाजलीफ़िरून तीच बासुरी  
राधिके ज़रा ज़पून ज़ा तुझ्या घरी  
आज गोकुळात.....

## वल्लव रे नख्खा

वल्लव रे नख्खा हो वल्लव रे रामा (×2)  
मी डोलकर डोलकर डोलकर दर्याचा राजा  
घर पान्यावारी बंदराला करतो ये ज़ा  
मी डोलकर डोलकर डोलकर दर्याचा राजा  
वल्लव रे नख्खा हो वल्लव रे रामा (×2)

आयबापाची लाडाची लेक मी लाडी  
चोळी पिवळी गो नेसलेय अंजिरी साडी । } (×2)  
माझ्या केसाना गो माळेला फूलेला चाफ़ा  
वास परमाळता वार्याण घेतय झेपा ।

नथ नाकात साजीरवाणी } (×2)  
गळा भरून सोन्याचे मणी । }  
कोळीवाडयाची मी गो राणी  
रात पुनवेला नाचून करतय मौज़ा । (×2)  
मी डोलकर डोलकर डोलकर दर्याचा राजा ।  
वल्लव रे नख्खा हो वल्लव रे रामा । (×2)

भल्या सकाळाय आभाळा झुकतय हे खाली } (×2)  
सोन चमचमतय दर्याला चढते लाली । }  
आम्ही पान्यावारी राखण टाकतो ज़ाळी  
धन दर्याचा लूटून भरतो डाली ।  
रात पुनवेच चादण प्याली } (×2)  
कशी चांदीची मासळी झाली । }  
माझ्या ज़ाळयात होऊन आली  
नेतो बाज़ारा भरून म्हावरा ताज़ा । (×2)  
मी डोलकर डोलकर डोलकर दर्याचा राजा ।  
वल्लव रे नख्खा हो वल्लव रे रामा ॥ (×3)

## विठु माझा

विठु माझा लेकुरवाळा (×2)  
सनो गोपाळान्चा मेळा (×3)

निवृत्ति हा खान्द्यावरी, सोपानाचा हात धरी (×2)  
पुढे चाले द्यानेश्वर, मागे मुक्ताई सुन्दर (×2)  
विठु माझा लेकुरवाळा....

गोराकुम्भार मान्डीवरी, चोखा जीवा बरोबरी (×2)  
बन्का कडेवरी, नामा करान्गुळी धरी (×2)  
विठु माझा लेकुरवाळा....

जनी म्हणे गोपाला, करी भक्तान्चा सोहळा (×2)  
विठु माझा लेकुरवाळा....

## काया ही पणढरी

काया ही पणढरी, आत्मा हा विठ्ठल, नान्दतो देवळ पाण्डुरन्ग

भाव भक्ति भीमा उदक ते वाहे, बरवा शोभताहे पाण्डुरन्ग  
काया ही पणढरी.....

दया क्शमा शान्ती हेन्चि वाळूवन्ट, मिळालासे थाट बैश्णवान्चा  
काया ही पणढरी.....

दश इन्द्रियान्चा एक मेळ केला, ऐसा गोपाळकाला होत असे  
काया ही पणढरी.....

देखिली पण्ढी देही जनी वनी, एका जनार्दनी वारी करी

## तन्दनाना अहि

तन्दनाना अहि, तन्दनाना पुरे, तन्दनाना भळ,  
तन्दनाना भळ, तन्दनाना भळ, तन्दनाना

ब्रह्ममोक्कटे पर ब्रह्ममोक्कटे पर, ब्रह्ममोक्कटे पर ब्रह्ममोक्कटे  
तन्दनाना अहि.....

कन्दुवगु हीनाधिकमुलिन्दु लेवु, अंदरिकि श्रीहरे अन्तरात्मा (×2)  
हरे अन्तरात्मा, श्री हरे अन्तरात्मा  
इन्दुलो जन्तुकुल मिन्ता नोकटे, अंदरिकि श्री हरे अन्तरात्मा  
हरे अन्तरात्मा श्री हरे अन्तरात्मा  
तन्दनाना अहि.....

निण्डार राजु निद्रिन्चु निद्रियु नोकटे, अण्डमे वण्टु निद्र अदियु नोकटे (×2)  
मेण्डैन ब्राह्मनुडुमेट्टाभूमि योकटे, चण्डालु डुण्डेति सरिभूमि योकटे  
ई सरिभूमि योकटे, ई सरिभूमि योकटे  
तन्दनाना अहि.....

कडगि येनुगुमीदाकायो येण्डोकटे, }  
पुडपि शुनकमु मीदा पोलयु नेण्डोकटे } (×2)  
कडुपुण्युतनु पापकर्मलुनु सरिगाव, जीडयुश्री वेंकटेश्वरु नाममोकटे  
ईश्वरु नाममोकटे, ईश्वरु नाममोकटे  
तन्दनाना अहि.....

## उदार तुम्ही संत

उदार तुम्ही संत, मायबाप कृपावंत (×2)

मायबाप कृपावंत, मायबाप कृपावंत (×2)

उदार तुम्ही संत.....

केवढा केला उपकार (काय जाणू मी पाउमार) (×2)

जड जीवा उद्धार केला, जड जीवा उद्धार केला (×2)

उदार तुम्ही संत.....

## अन्जन की सीटी

अन्जन की सीटी मे म्हारो (×2), मन डोले

चल्ला चल्ला रे (×2) डोल्या वण गाडी हौले हौले

बिजली को पंखो चाले (×2), गूंजरयो जण भौरों

बैठ रेल में बाबा लाग्यों यो जा टाँकों छोरो

चल्ला.....

डुंगर भागे, नंदी भागे (×2) और भागे रे खेत

ढांढा की तो टोली भागे उड़े रेत ही रेत

चल्ला.....

बड़ी ज़ोर को चाले अन्जन (×2) देवे ज़ोर की सीटी

डब्बा डब्बा घूम रयो छे टोप पहाड़ो टीटी

चल्ला.....

जैपुर से जद गाडी चाली (×2) मैं बैठी थी सूती

अती ज़ोर को धक्को लाग्यों जद मैं पड़ गई ऊँधी

चल्ला.....

## Mapalle Palinchu

Mapalle palinchu vaanadevuda, mammella palinchu vaanadevuda  
Uttaran urumu urumu vaanadevuda,  
Dakshinana jhallu jhallu vaanadevuda  
Edikku unnava vaanadevuda, madikku ravaiya vaanadevuda

Vanallu kuruvali vaanadevuda, varichelu pandali vaanadevuda  
Nalla nalla meghalu vaanadevuda, jhallu ga kuruvali vaanadevuda  
Edikku unnava vaanadevuda, madikku ravaiya vaanadevuda

Konda paina mi illu vaanadevuda, gundalo giligilumpu vaanadevuda  
Patsa patsa michchelu vaanadevuda, hechhu ga pandali vaanadevuda  
Edikku unnava vaanadevuda, madikku ravaiya vaanadevuda

Cheruvanta nindali vaanadevuda, karuvanta povali vaanadevuda  
Kapalakku pendillu vaanadevuda, goppa ga cheiyali vaanadevuda  
Edikku unnava vaanadevuda, madikku ravaiya vaanadevuda

Mapalle palinchu vaanadevuda, mammella palinchu vaanadevuda

## अमृताहुनी गोड

अमृताहुनी गोड नाम तुझे देवा, मन माझे केशवा का ना धे

सांग पंडरीनाथा काय करू यासी, का रूप ध्यानासी न ये तूझे

कीर्तनी बैसता निद्र ना गविले, मन मझे गुंतले विषयसुखा

हरिदास गर्जति हरिनाम च्याकीर्ती, न ये माझ्या चित्त नामा म्हणे ।



## Vennilave

Tannai arindinba mura vennilave  
Oru tandiram ni sholla vendum vennilave  
Nadar mudi melirrukum vennilave angu  
Naanum vara vendihindren vennilave

Sachchitananda kadalil vennilave naan  
Moozhida vendihindren vennilave  
Irapahallil avvidattil vennilave naan  
Ireka vendihindren vennilave

Yaarum ariyaamal inge vennilave  
Arulalar varuvaar sholvay vennilave  
Antaranga sevai shayya vennilave yengal  
Ayyaar varuvaar sholvay vennilave

Vedamudi melirrukum vennilave anda  
Vedattinul sheidi sholvay vennilave  
Kundalippal nindirukkum vennilave anda  
Kundalippal vendihindren vennilave

## म्हारी देराणीया जठाणीया

म्हारी देराणीया जठाणीया रूसगी, म्हारा सासुजी मनावण जाय बनीसा  
मोरियो रे

झट चौमासो लागो रे, झट सियाळो लागो रे (×2)

उगण लागी बाजरी रे, म्हारी उगण लागी बाजरी रे  
म्हारी उगण लागी जँवार बनीसा  
मोरियो रे.....

काँसु में काटुँ बाजरीजी, कोई काँसु में काटुँ बाजरीजी

कोई काँसु में काटूँ जवाँर बनीसा  
मोरियो रे.....

आल्या में पड़ गी बाजरीरे, म्हारी आल्या में पड़ गी बाजरीरे  
म्हारी आल्या में पड़ गी जवाँर बनीसा  
मोरियो रे.....

## ढोला ढोल मजीरा

ढोला ढोल मजीरा (×2) बाजेरे  
काली चीट को घाघरो निजारा म्हारे रे  
ढोला ढोल.....

ऐ....मैं थन ढोला मना कियो तूपरदेसा मत जाय  
परदेसा री पर नारी तूनेहा मती लगाय  
ढोला ढोल.....

ऐ....अस्सी कली को घाघरो ने कली कली में घेर  
पैर बजारा नीसरी रुपयो को हो गयो ढेर  
ढोला ढोल.....

ऐ....जैपुर के बज़ार में पड़यों पैमजी बोर  
नीचे झुकने लेवयो ने पड़यो कमर में ज़ोर  
ढोला ढोल.....

## Hinet ma tov

Hinet ma tov u'mana'im, shevet achim gam yachad (×2)  
Hinet ma tov, shevet achim gam yachad (×2)  
Hinet ma tov u'mana'im, shevet achim gam yachad (×2)

## De Colores

De colores, de colores se visten los campos en la primavera  
De colores, de colores son los pajaritos que vienen de afuera  
De colores, de colores es el arco iris que vemos lucir  
Y pore so los grandes amores de muchos colores me gustan a mi (×2)

Canta el gallo; canta el gallo con el quire (×4) qui-i  
La gallina, la gallina con el cara (×5)  
Los polluelos, los polluelos con el pio (×4) pi  
Y pore eso los grandes (×2)

## Dans La Foret

Dans la forêt lointaine  
On entend le coucou  
Du haut de son grand chêne  
Il répond au hibou:  
"Coucou," hibou, "coucou", hibou  
"coucou", hibou, "coucou"  
On entend le coucou.

## Kol dodi

Kol dodi, Kol dodi, Kol dodi-hiney zen ba (×2)  
M'daleg al heharim M'kapeitz al hag'vaot (×2)

## Zum gaali gaali

Zum gaali gaali gaali Zum gaali gaali  
Leha Lutsle maan abodan  
Abodan e maan heshat lu

## **Ilu Ilu**

Ilu Ilu nattan lanu  
Nattan lanu ethettora  
Ettettora nattan lanu dayenu  
Da da yenu (×3) da yenu dayenu

## **Tzena**

Tzena, tzena, tzena, tzena  
Habanot urena, Chayalim ba'mosheva  
Al na, al na, al na, al na, Al na titchabena Mi'benchayil ish tzena

Tzena, tzena, Habanot urena, Chayalim ba'mosheva  
Al na, al na, Al na titchabena, Mi'benchayil ish tzava

Tzena, tzena, tzena, tzena, tzena,  
Tzena, tzena, tzena, tzena, tzena, tzena,  
Tzena, tzena, tzena, tzena, tzena  
Tzena, tzena, tzena, tzena, tzena

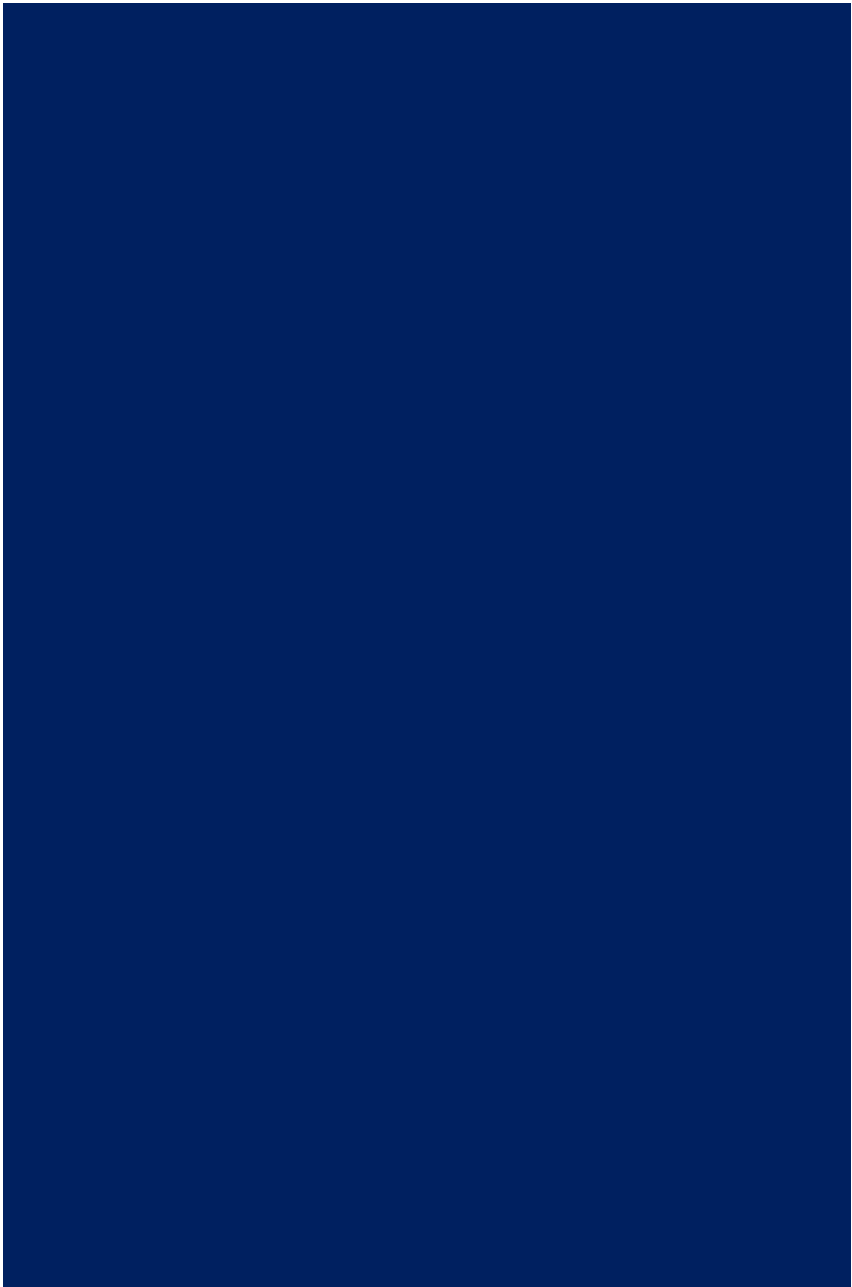
## **Hava nagila**

Hava nagila, Hava nagila, Hava nagila Venism'cha (×2)  
Hava neranena, Hava neranena, Hava neranena, Venism'cha (×2)  
Uru, uru achim  
Uru achim b'lev sameyach (×5) B'lev sameyach.

## **Hevenu Shalom Aleichem**

Hevenu Shalom aleichem (×3)  
Hevenu Shalom, Shalom, Shalom Aleichem

*Sanskrit*



## शान्ति श्लोक

ॐ सह नावतु । सह नौ भुनक्तु । सह वीर्यं करवावहै ।  
तेजस्वि नावधीतमस्तु मा विद्विषावहै ।  
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ।

ॐ असतो मा सद्गमय । तमसो मा ज्योतिर्गमय ।  
मृत्योर्मा ऽमृतंगमय ।  
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ।

ॐ शं नो मित्रः शं वरुणः । शं नो भवत्वर्यमा ।  
शं नो इन्द्रो बृहस्पतिः । शं नो विष्णुरुक्रमः ।  
नमो ब्रह्मणे । नमस्तेवायु । त्वमेव प्रत्यक्षं ब्रह्मासि ।  
त्वामेव प्रत्यक्ष्यं ब्रह्मवदिष्यामि । ऋतुं वदिष्यामि ।  
सत्यं वदिष्यामि । तन्मामवतु तद्वक्तारमवतु ।  
अवतु माम् । अवतु वक्तारम् ।  
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ।

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमदुच्यते ।  
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते ॥  
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

## त्र्यम्बकं यजामहे

त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ।  
उर्वारूकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात ॥

## वंदना

(Homage)

नमो तस्सा भगवतो अरहतो सम्मा सम्बुद्धस्सा

(Homage to Him, the Exalted, the Worthy, the fully Enlightened One!)

## तिसरणा

(The Three Refuges)

बुद्धं सरणं गच्छामि

(I go to the Buddha as my Refuge)

धम्मं सरणं गच्छामि

(I go to the Doctrine (Dharma) as my Refuge)

संघं सरणं गच्छामि

(I go to the Order (Sangha) as my Refuge)

दुतियाम पि बुद्धं सरणं....

(For the second time)

ततियाम पि बुद्धं सरणं....

(For the third time)

## पंच सीला

(The Five Precepts)

पाणातिपाता वेरमणि सिक्कापदम समादियामि

(I undertake to refrain from killing or injuring living things)



अदिन्नादाना वेरमणि सिक्कापदम समादियामि  
(I undertake to refrain from taking that which is not given)

कामेसु मिच्छाचारा वेरमणि सिक्कापदम समादियामि  
(I undertake to refrain from excessive sensuality)

मुसावादा वेरमणि सिक्कापदम समादियामि  
(I undertake to refrain from false and harmful speech)

सुरा-मेराया-मज्ज-पमादट्ठाना वेरमणि सिक्कापदम समादियामि  
(I undertake to refrain from drinks and drugs which fuddle the mind and reduce mindfulness)

ॐ मणि पद्मे हूँ  
(So be it, the Jewel in the Lotus)

## वन्दे शम्भुम्

वन्दे शम्भुमुमापतिं सुरगुरुं वन्दे जगत्कारणम्  
वन्दे पन्नगभूषणं मृगधरं वन्दे पशूनां पतिम्  
वन्दे सूर्यशशांकवह्निनयनं वन्दे मुकुन्दप्रियम्  
वन्दे भक्तजनाश्रयं च वरदं वन्दे शिवं शंकरम् ।

## जय प्रोङ्गडामराकार

जय प्रोङ्गडामराकार जय शान्ति परायण । (×2)  
जय सर्वागमातीत जय सर्वागमास्पद ॥  
जय जात जयाजात जय क्षत जयाक्षत ।  
जय भाव जयाभाव जय जेय जयाजय ॥

## श्री रामचन्द्र

श्री रामचन्द्र कृपालु भज मन हरण भव भय दारुणं  
नव कंज लोचन, कंजमुख, कर-कंज, पद कंजारुणं ।  
श्री राम, श्री राम ।

कंदर्प अगणित अमित छवि नव नील नीरज सुन्दरं  
पट पीत मानहु तडित रुचि शुचि नौमि जनक सुतावरम ।  
श्री राम, श्री राम।  
भज दीन बंधु दिनेश दानव दैत्य वंश-निकंदनं  
रघु नंद आनंद कंद कोशलचंद दशरथ नंदनं ॥  
श्री रामचन्द्र.....

सिर मुकुट कुंडल तिलक चारु उदारु अंग विभूषणं  
आजानु भुज शर चाप चर संग्राम जित खरदूषणं ।  
श्री राम, श्री राम।  
इति वदति तुलसीदास शंकर शेष मुनि जन रंजनं  
मम हृदय-कुंज निवास कुरु कामादि खल-दल गंजनं ॥  
श्री रामचन्द्र.....

## देवी भजो

देवी भजो दुर्गा भवानी (×2)  
जगत जननी महीशासुरमर्दिनि (×2)  
देवी भजो

हिमनन नन्दिनि भव भय कन्दिनि (×2)  
शरणा गत चर अभय वरदानि (×2)  
देवी भजो.....

## एही मुरारे

एही मुरारे कुंज विहारे एही प्रणत जन बंधो ।  
हे माधव मधुमथन वरेण्य केशव करुणा सिंधो ॥

रास निकुंजे गुंजति नियतम, भ्रमर शतं किलकांत, एही निभृत पथ पांत ।  
त्वामिह याचे दर्शन दानम (×2) हे मधुसूदन शांत  
एही मुरारे.....

नव नीरज धर श्यामल सुंदर, चन्द्र कुसुम रुचिवेश, गोपी गण हृदयेश ।  
गोवर्धन धर बृन्दावन चर (×2) वंशी धर परमेश  
एही मुरारे.....

राधारंजन कंस निषूदन, प्रणतिस्तावक चरणे, निखिल निराश्रय शरणे ।  
एही जनार्दन पीताम्बर धर (×2) कुंजे मंथर पवने  
एही मुरारे.....

## प्रातः स्मरामि

प्रातः स्मरामि भवभीतिहरं सुरेशं, गंगाधरं वृषभवाहनमम्बिकेशम् ।  
खट्वांगशूलवरदाभयहस्तमीशम् । संसाररोगहरमौषधमद्वितीयम् ॥

प्रातर्नमामि गिरिशं गिरिजार्धदेहं, सर्गस्थितिप्रलयकारणमादिदेवम् ।  
विश्वेश्वरं विजित विश्वमनोभिरामं, संसाररोगहरमौषधमद्वितीयम् ॥

प्रातर्भजामि शिवमेकमनन्तमाद्यं, वेदान्तवेद्यमनघं पुरुषं महान्तम् ।  
नामदिभेदरहितं षड्भावशून्यं, संसाररोगहरमौषधमद्वितीयम् ॥

## गोविन्ददामोदरस्तोत्रम् (अग्रे करुणा)

अग्रे करुणामथ पाण्डवानं, दुःशासनेनाहृतवस्त्रकेशा ।  
कृष्णा तदाक्रोशदनन्यनाथ, गोविन्द दामोदर माधवेति ॥

श्रीकृष्ण विष्णो मधुकैटभारे, भक्तानुकम्पिन् भगवन् मुरारे ।  
त्रायस्व मां केशव लोकनाथ, (गोविन्द दामोदर माधवेति) ×2 ॥

मन्दारमूले वदनाभिरामं, बिम्बाधरे पूरितवेणुनादम् ।  
गोगोपगोपीजनमध्यसंस्थं, (गोविन्द दामोदर माधवेति) ×2 ॥

लीलामनुष्याकृतिरामरूप, प्रतापदासीकृतसर्वभूष ।  
जिह्वे पिबस्वामृतमेतदेव, (गोविन्द दामोदर माधवेति) ×2 ॥

श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे, हे नाथ नारायण वासुदेव ।  
जिह्वे पिबस्वामृतमेतदेव, (गोविन्द दामोदर माधवेति) ×2 ॥

वक्तुं समर्थोऽपि न वक्ति कश्चित्, अहो जनानां व्यसनाभिमुख्यं ।  
जिह्वे पिबस्वामृतमेतदेव, (गोविन्द दामोदर माधवेति) ×2 ॥

## शक्ति-सहित

शक्ति-सहित-गणपतिं शंकरादि-सेवितं ।  
विरक्त-सकल-मुनिवर-सुरादि-विनुत-गुरुगुहम् ॥  
भक्तपरि पोषकम् भवसुतं विनायकम् ।  
भुक्ति मुक्ति प्रद भूषितांगं रक्त पदांबुजं भावयामि ॥

## शिवपंचाक्षरस्तोत्रम् (नागेन्द्रहाराय)

नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्मांगरागाय महेश्वराय ।  
नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय तस्मै नकाराय नमः शिवाय ॥

मन्दाकिनी सलिल चन्दनचर्चिताय नन्दीश्वरप्रमथनाथमहेश्वराय ।  
मन्दारमुख्यबहुपुष्पसुपूजिताय तस्मै मकाराय नमः शिवाय ॥

शिवाय गौरीवदनाब्जवृन्द सूर्याय दक्षाध्वर नाशकाय ।  
श्री नीलकण्ठाय वृषध्वजाय तस्मै शिकाराय नमः शिवाय ॥

वशिष्ठकुम्भोद्भव गौतमाय मुनीन्द्र देवार्चित शेखराय ।  
चन्द्रार्कवैश्वानरलोचनाय तस्मै वकाराय नमः शिवाय ॥

यज्ञस्वरूपाय जटाधराय पिनाक हस्ताय सनातनाय ।  
दिव्याय देवाय दिगम्बराय तस्मै यकाराय नमः शिवाय ॥

पंचाक्षरमिदं पुण्यं यः पठेच्छिवसन्निधौ ।  
शिवलोकमवाप्नोति शिवेन सह मोदते ॥

### आपो वा

ॐ आपो वा ईदं सर्वं विश्वा भूतान्यापः प्राणा वा  
आपः पशव आपोऽन्नमापोऽमृतमापः सम्राडापो विराडापः  
स्वराडापश्छन्दाऽस्यापो ज्योतीऽध्यापो यजूऽध्याप्ः सत्यमापः  
सर्वा देवता आपो भूर्भुवः सुवराप ॐ ॥

## न भूमिर्न तोयं

न भूमिर्न तोयं न तेजो न वायुः, न खं नेन्द्रियं वा न तेषां समूहः ।  
अनैकान्तिकत्वात्सुषुप्त्येकसिद्धः, तदेकोऽवशिष्टः शिवः केवलोऽहम् ॥ १ ॥

न वर्णा न वर्णाश्रमाचारधर्मा, न मे धारणाध्यानयोगादयोपि ।  
अनात्माश्रयाहं ममाध्यासहानात, तदेकोऽवशिष्टः शिवः केवलोऽहम् ॥ २ ॥

न माता पिता वा न देवा न लोका, न वेदा न यज्ञा न तीर्थं ब्रुवन्ति ।  
सुषुप्तौ निरस्तातिशून्यात्मकत्वात्, तदेकोऽवशिष्टः शिवः केवलोऽहम् ॥ ३ ॥

न शास्ता न शास्त्रं न शिष्यो न शिक्षा, न च त्वं न चाहं न चायं प्रपञ्चः ।  
स्वरूपावबोधो विकल्पासहिष्णु-तदेकोऽवशिष्टः शिवः केवलोऽहम् ॥ ४ ॥

न चैकं तदन्यद् द्वितियं कुतः स्यात्, न वा केवलत्वं न चाकेवलत्वम् ।  
न शून्यं न चाशून्यमद्वैतकत्वात्, तदेकोऽवशिष्टः शिवः केवलोऽहम् ॥ ५ ॥

## जय जयति जय

जय जयति जय रघुवंश भूषण, राम राजीव लोचनम्। (×2)  
भय ताप खंडन जगत मंडन, ध्यान गम्य अगोचरं ॥ (×2)  
जय जयति.....

अद्वैत अविनाशी अनन्तित, मोक्ष प्रद अरिगंजनम्। (×2)  
तव शरण भव निधि पारदायक, अन्य जगत विडंबनम्॥ (×2)  
जय जयति.....

## शिवाकान्तशम्भो

शिवाकान्तशम्भो शशाङ्गार्धमौले, महेशान् शूलिन् जटाजूटधारिन् ।  
त्वमेको जगद्रव्यापको विश्वरूप, प्रसीद प्रसीद प्रभो पूर्णरूप ॥  
अजं शाश्वतं कारणं कारणानां, शिवम् केवलं भासकं भासकानम् ।  
तुरीयं तमःपारमामाद्यन्तहीनं, प्रपद्ये परं पावनं द्वैतहीनम् ॥  
नमस्ते नमस्ते विभो विश्वमूर्ते, नमस्ते नमस्ते चिदानन्दमूर्ते ।  
नमस्ते नमस्ते तपोयोगगम्य, नमस्ते नमस्ते श्रुतिज्ञानगम्य ॥

## श्री दक्षिणामूर्ति स्तोत्रम्

विश्वम् दर्पणदृश्यमाननगरीतुल्यम् निजान्तर्गतं  
पश्यन्नात्मनि मायया बहिरिवोद्भूतं यदा निद्रया ।  
(यः साक्षात्कुरुते प्रबोधसमये स्वात्मानमेवाद्वयं (×2)  
तस्मै श्रीगुरुमूर्तये नम इदं श्री दक्षिणामूर्तये ॥  
बीजस्यान्तरिवाङ्कुरो जगदिदं प्राङ्निर्विकल्पं पुन-  
र्मायाकल्पितदेशकालकलना वैचित्र्यचित्रीकृतम् ।  
(मायावीव विजृम्भयत्यपि महायोगीव यः स्वेच्छया (×2)  
तस्मै श्रीगुरुमूर्तये नम इदं श्री दक्षिणामूर्तये ॥  
यस्यैव स्फुरणं सदात्मकमसत्कल्पार्थकं भासते  
साक्षात्तत्त्वमसीति वेदवचसा यो बोधयत्याश्रितान् ।  
यत्साक्षात्करणा द्भवेन्न पुनरावृत्तिर्भवाम्भोनिधौ (×2)  
तस्मै श्रीगुरुमूर्तये नम इदं श्रीदक्षिणामूर्तये ॥

## गणेशस्तवः(मुदाकरात मोदकं)

मुदाकरात मोदकं सदा विमुक्तिसाधकम् । } (×2)  
कलाधरावतंसकं विलासि लोकरक्षकम् । }

अनायकैक नायकं विनाशि तेभवैत्यकम् । } (×2)  
नताशुभाशुनाशकं नमामि तं विनायकं ॥ }  
नमामि तं विनायकं

न तेतरातिभीकरं नवोदितार्कभास्वरम् । } (×2)  
नमत्सुरारि निर्जरं नताधिकापदुद्धरम् ॥ }  
सुरेश्वरं निधीश्वरं गजेश्वरं गणेश्वरं ।  
महेश्वरं तमाश्रये (परात्परं निरन्तरम्) (×2) ॥

समस्त लोक शंकरं निरस्त दैत्य कुंजरम् । } (×2)  
दरेतरोदरं वरं वरे भवक्त्रमक्षरम् ॥ }  
कृपाकरं क्षमाकरं मुदाकरं यशस्करम् ।  
मनस्करं नमस्कृतां (नमस्करोमि भास्वरम् ) (×2) ॥

अकिंचनार्तिमार्जनं चिरन्तनोक्तिभाजनम् । } (×2)  
पुरारिपूर्वं नन्दनं सुरारि गर्वचर्वणम् ॥ }  
प्रपंच नाशभीषणं धनंजयादि भूषणम् ।  
कपोलदानवारणं (भजे पुराणवारणम्) ×2 ॥

नितान्तकान्त दन्तकान्ति मन्तकान्तकात्मजम् । } (×2)  
अचिन्त्यरूपमन्त हीनमन्तराय कृन्तनम् ॥ }  
हृदन्तरे निरन्तरं वसन्तमेव योगिनाम् ।  
तमेकदन्तमेवतं (विचिन्तयामि सन्ततम्) ×2 ॥



## निर्गुणा सगुणा कारं

निर्गुण सगुणाकारं संहत भूभारं (×2)  
मुरहर नन्दकुमारं स्मरहर सुखकारम् । (×2)  
वृन्दावन संचारं कौस्तुभ मणिहारं (×2)  
करुणापारावारं गोवर्धनधारम् ॥ (×2)

जयदेव जयदेव वन्दे गोपालं (×2)  
मृगमद शोभित भालं भुवनत्रय पालम् ॥ (×2)

रासक्रीडा मण्डित वेष्टित वृजललनम् (×2)  
मध्ये पाण्डव मण्डित सरसिजदल नयनम् । (×2)  
कुसुमाकारित रंजित मन्दस्मितवदनं (×2)  
फणिवर कालिय दमनं पक्षीश्वर गमनम् (×2)  
जयदेव जयदेव.....

## सत्यं ज्ञानमनन्तं

सत्यं ज्ञानमनन्तं नित्यमनाकाशं परमाकाशं  
गोष्ठप्रांगणरिंगणलोलमनायासं परमायासम् ।  
मायाकल्पितनानाकारमनाकारं भुवनाकारं  
क्षमामानाथमनाथं प्रणमत गोविन्दं परमानन्दम् ॥

कान्तं कारणकारणमादिमनादिकालमनाभासं  
कालिन्दीगत कालियशिरसि मुहुर्नृत्यन्तं सुनृत्यन्तम् ।  
कालं कालकलातीतं कलिताशेषं कलिदोषघ्नं  
कालत्रयगतिहेतुं प्रणमत गोविन्दं परमानन्दम् ॥

## निर्वाणषट्कम् (मनोबुद्ध्यहंकार)

मनोबुद्ध्यहंकारचित्तनि नाहम् न च श्रोत्रजिह्वे न च घ्राणनेत्रे ।  
न च व्योम भूमिर्न तेजो न वायु चिदानन्दरूपः शिवोहंशिवोऽहम् ॥

न च प्राणसंज्ञो नवै पंचवायु र्नवा सप्ताधातुर्न वा पंचकोशः ।  
न वाक्पाणिपादं न चोपस्थपायू चिदानन्दरूपः शिवोहंशिवोऽहम् ॥

न मे द्वेषरागौ न मे लोभमोहौ मदो नैव मे नैव मात्सर्यभावः ।  
न धर्मो न चार्थो न कामो न मोक्ष चिदानन्दरूपः शिवोहंशिवोऽहम् ॥

न पुण्यं न पापं न सौख्यं न दुःखं न मन्त्रो न तीर्थं न वेदा न यज्ञाः ।  
अहं भोजनं नैव भोज्यं न भोक्ता चिदानन्दरूपः शिवोहंशिवोऽहम् ॥

न मृत्युर्न शंका न मे जातिभेदः पिता नैव मे नैव माता च जन्म ।  
न बन्धुर्न मित्रं गुरुर्नैव शिष्य चिदानन्दरूपः शिवोहंशिवोऽहम् ॥

अहं निर्विकल्पो निराकाररूपो विभुत्वाच्च सर्वत्र सर्वेन्द्रियाणाम् ।  
न चासंगतं नैव मुक्तिर्न मेय (चिदानन्दरूपः शिवोहंशिवोऽहम्) ×4 ॥

## तेजो असि

तेजो असि तेजो मयिदेही । वीर्यमसि वीर्यं मयिदेही ।

बलमसि बलं मयिदेही ।

ओजो असि ओजो मयिदेही । मन्युरसि मन्यु मयिदेही ।

सहो असि सहो मयिदेही ।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ।

## किं नाम रोदिषि सखे

किं नाम रोदिषि सखे न जरा न मृत्युः  
किं नाम रोदिषि सखे न च जन्म दुःखम् ।  
किं नाम रोदिषि सखे न च ते विकारो  
ज्ञानामृतं समरसं गगनोपमोऽहम् ॥

किं नाम रोदिषि सखे न च ते स्वरूपं  
किं नाम रोदिषि सखे न च ते विरूपं ।  
किं नाम रोदिषि सखे न च ते वयांसि ।  
ज्ञानामृतं समरसं गगनोपमोऽहम् ॥

किं नाम रोदिषि सखे न च तेऽस्ति कामः  
किं नाम रोदिषि सखे न च ते प्रलोभः ।  
किं नाम रोदिषि सखे न च ते विमोहो  
ज्ञानामृतं समरसं गगनोपमोऽहम् ॥

ध्याता न ते हि हृदये न च ते समाधि  
ध्यानं न ते हि हृदये न बहिः प्रदेशः ।  
ध्येयं न चेति हृदये न हि वस्तु कालो  
ज्ञानामृतं समरसं गगनोपमोऽहम् ॥

न शून्यरूपं न विशून्यरूपं  
न शुद्धरूपं न विशुद्ध रूपं  
रूपं विरूपं न भवामि किञ्चित्  
स्वरूपरूपं परमार्थतत्त्वं ॥  
मुञ्च मुञ्च हि संसारं त्यागं मुञ्च हि सर्वथा ।  
त्यागात्यागविषं शुद्धममृतं सहजं ध्रुवम् ॥

## नासदीयसूक्तं

नासदासीन्नो सदासीत्तदानीं, नासीद्रजो नो व्योमा परो यत् ।  
किमावरीवः कुह कस्य शर्मन्, अम्भः किमासीद्गहनं गभीरं ॥

न मृत्युरासीदमृतं न तर्हि, न रात्र्या अह्न आसीत् प्रकेतः ।  
आनीदवातं स्वधया तदेकं, तस्माद्द्यान्यन्न परः किं च नास ॥

तम आसीत् तमसा गूळहमग्रेऽ, प्रकेतं सलिलं सर्वमाइदं ।  
तुच्छयेना भ्वपिहितं यदासीत्, तपसस्तन्महिनाजायतैकं ॥

कामस्तदग्रे समवर्तताधि, मनसो रेतः प्रथमं यदासीत् ।  
सतो बन्धुमसति निरविन्दन, हृदि प्रतीष्या कवयो मनीषा ॥

तिरश्चीनो विततो रश्मिरेषाम्, अथः स्विदासीर्दुपरि स्विदासीर्त् ।  
रेतोधा आसन्महिमान आसन, स्वधा अवस्तात्प्रयतिः परस्तात् ॥

को अब्धा वेद क इह प्र वोचत्, कुत आजाता कुत इयं विसृष्टिः ।  
अर्वाग्देवा अस्य विसर्जनेना, था को वेद यत आवभूव ॥

इयं विसृष्टिर्यत आवभूव, यदि वा दधे यदि वा न ।  
यो अस्याध्यक्षः परमे व्योमन, सो अङ्ग वेद यदि वा न वेद ॥ ॐ ॥

## रक्ताम्भोज

ॐ रक्ताम्भोजदलाभिरामनयनं पीताम्बरलंकृतं  
श्यामांगम् द्विभुजं प्रसन्नवदनं श्रीसीतया शोभितम् ।  
कारुण्यामृतसागरं प्रियगणैः भक्तादिभिर्भावितं  
वन्दे विष्णुशिवादि सेव्यमनिशं भक्त्येष्ट सिद्धिप्रदम् ॥ (ॐ) ×4

## अ॒ग्नि॒र्मे॑ वा॒चि॒ श्री॒तः

अ॒ग्नि॒र्मे॑ वा॒चि॒ श्री॒तः वा॒ग्घृ॑दये । हृ॒दयं॑ म॒यि । अ॒ह॒म॒मृ॒ते॑ अ॒मृतं॑ ब्र॒ह्म॑णि ।  
वा॒यु॒र्मे॑ प्रा॒णे श्रि॒तः । प्रा॒णो हृ॑दये ।.....  
सू॒र्यो॑ मे॒ चक्षु॑षि श्रि॒तः । चक्षु॑र्हृदये ।.....  
च॒न्द्र॒मा मे॒ मन॑सि श्रि॒तः । मनो॑ हृदये ।.....  
दि॒शो मे॒ श्रो॒त्रे श्रि॒ताः । श्रो॒त्रं हृ॑दये ।.....  
आ॒पो मे॒ रे॒त॒सि श्रि॒ताः । रे॒तो हृ॑दये ।.....  
पृ॒थि॒वी मे॒ शरी॑रे श्रि॒ताः । शरी॑रं हृदये ।.....  
ओ॒ष॒धि॒व॒न॒स्प॒त॒यो मे॒ लो॒म॒सु श्रि॒ताः । लो॒मा॒नि हृ॑दये ।.....  
इ॒न्द्रो मे॒ ब॒ले श्रि॒तः । ब॒लं हृ॑दये ।.....  
प॒र्ज॒न्यो मे॒ मूर्ध्नि॑ श्रि॒तः । मूर्धा॑ हृदये ।.....  
ई॒शा॒नो मे॒ मन्यौ॑ श्रि॒तः । मन्यु॑र्हृदये ।.....  
आ॒त्मा मे॒ आ॒त्म॒नि श्रि॒तः । आ॒त्मा हृ॑दये ।.....  
हृ॒दयं॑ म॒यि । अ॒ह॒म॒मृ॒ते॑ । अ॒मृतं॑ ब्र॒ह्म॑णि ॥

## भद्रं॑ क॒र्णे॒भिः

ॐ भद्रं॑ क॒र्णे॒भिः शृ॒णु॒याम॑ दे॒वाः । भद्रं॑ पश्ये॒माक्ष॑भि॒र्यज॑त्राः ।  
स्थि॒रैरङ्गै॑स्तुष्टु॒वाꣳस॑स्त॒नूभिः॑ । व्य॒शेम॑ दे॒वहि॑तं यदायुः ।  
स्व॒स्ति न॑ इ॒न्द्रो वृ॑द्धश्र॒वाः । स्व॒स्ति नः॑ पू॒षा वि॒श्ववे॑दाः ।  
स्व॒स्ति न॑स्ताक्ष॒र्यो अ॑रि॒ष्टने॑मिः । स्व॒स्ति नो॑ बृ॒हस्प॑तिर्दधातु ।  
ॐ शां॑तिः शां॑तिः शां॑तिः ॥

## तृतीया भृगुवल्ली

### ब्रह्मजिज्ञासा

भृ॒गु-र्बे॑ वा॒रु॒णिः । वरु॑णं पि॒तर॑-मु॒प॒स॒सार॑ । अधी॑हि भगवो ब्रह्मेति । तस्मा॑  
ए॒तत् प्रो॑वाच । अन्नं॑ प्रा॒णं चक्षु॑श्च्रोत्रं॒ मनो॑ वाच-मि॒ति । तग्ं॑ होवाच । यतो॑  
वा इ॒मानि॑ भू॒तानि॑ जायन्ते । येन॑ जा॒तानि॑ जीव॑न्ति । यत्प्र॑यन्त्यभि॒संवि॑शन्ति ।  
तद्वि॑जिज्ञासस्व । तद्ब्र॑ह्मेति । स तपो॑ऽतप्यत । स तप॑स्तप्त्वा ॥१॥

### पञ्चकोशान्तःस्थित-ब्रह्मनिरूपणम्

अन्नं॑ ब्रह्मेति व्य॑जानात् । अन्ना॑द्ध्ये॒व ख॒ल्वि॒मानि॑ भू॒तानि॑ जायन्ते । अन्नेन॑  
जा॒तानि॑ जीव॑न्ति । अन्नं॑ प्र॒यन्त्य॑भि॒संवि॑शन्तीति । तद्वि॑ज्ञाय । पुन॑-रेव वरु॑णं  
पि॒तर॑-मु॒प॒स॒सार॑ । अधी॑हि भगवो ब्रह्मेति । तग्ं॑ होवाच । तप॑सा ब्रह्म  
वि॒जि॒ज्ञास॑स्व । तपो॑ ब्रह्मेति । स तपो॑ऽतप्यत । स तप॑-स्तप्त्वा ॥२॥

प्रा॒णो ब्रह्मेति व्य॑जानात् । प्रा॒णा-द्ध्ये॒व ख॒ल्वि॒मानि॑ भू॒तानि॑ जायन्ते । प्रा॒णेन॑  
जा॒तानि॑ जीव॑न्ति । प्रा॒णां प्र॒यन्त्य॑भि॒संवि॑शन्तीति । तद्वि॑ज्ञाय । पुन॑-रेव वरु॑णं  
पि॒तर॑-मु॒प॒स॒सार॑ । अधी॑हि भगवो ब्रह्मेति । तग्ं॑ होवाच । तप॑सा ब्रह्म  
वि॒जि॒ज्ञास॑स्व । तपो॑ ब्रह्मेति । स तपो॑ऽतप्यत । स तप॑-स्तप्त्वा ॥ ३॥

मनो॑ ब्रह्मेति व्य॑जानात् । मन॑सो ह्ये॒व ख॒ल्वि॒मानि॑ भू॒तानि॑ जायन्ते । मन॑सा  
जा॒तानि॑ जीव॑न्ति । मनः॑ प्र॒यन्त्य॑भि॒संवि॑शन्तीति । तद्वि॑ज्ञाय । पुन॑-रेव वरु॑णं  
पि॒तर॑-मु॒प॒स॒सार॑ । अधी॑हि भगवो ब्रह्मेति । तग्ं॑ होवाच । तप॑सा ब्रह्म

वि॒जि॒ज्ञा॒सस्व । तपो॑ ब्र॒ह्मेति॑ । स तपो॑ऽतप्यत । स तप॑स्तप्त्वा ॥ ४॥

वि॒ज्ञानं॑ ब्र॒ह्मेति॑ व्य॒जानात् । वि॒ज्ञाना॑-द्ध्ये॒व ख॒ल्वि॒मानि॒ भू॒तानि॑ जा॒यन्ते॑ ।  
वि॒ज्ञानेन॑ जा॒तानि॑ जी॒वन्ति॑ । वि॒ज्ञानं॑ प्र॒यन्त्य॒भि सं॒वि॒शन्तीति॑ । तद्वि॒ज्ञाय॑ ।  
पुन॑-रे॒व वरु॑णं पि॒तर॑-मु॒प॒स॒सार । अधी॑हि भ॒गवो॑ ब्र॒ह्मेति॑ । तग्ं॑ हो॒वाच॑ ।  
तप॑सा ब्र॒ह्म वि॒जि॒ज्ञा॒सस्व । तपो॑ ब्र॒ह्मेति॑ । स तपो॑ऽतप्यत ।  
स तप॑-स्तप्त्वा ॥ ५॥

आ॒नन्दो॑ ब्र॒ह्मेति॑ व्य॒जानात् । आ॒नन्दा॑द्ध्ये॒व ख॒ल्वि॒मानि॒ भू॒तानि॑ जा॒यन्ते॑ ।  
आ॒नन्देन॑ जा॒तानि॑ जी॒वन्ति॑ । आ॒नन्दं॑ प्र॒यन्त्य॒भि सं॒वि॒शन्तीति॑ । सौषा॑ भार्ग॒वी  
वा॒रुणी॑ वि॒द्या । पर॑मे व्यो॒मन् प्र॒ति॒ष्ठिता॑ । य ए॒वं वेद॑ प्र॒ति॒तिष्ठति॑ ।  
अ॒न्नवा॒नन्नादो॑ भ॒वति॑ । म॒हान् भ॒वति॑ प्र॒जया॑ प॒शुभि॑-ब्र॒ह्मव॑र्च॒सेन॑ ।  
म॒हान् की॒र्त्या ॥ ६ ॥

### अन्नब्रह्मोपासनम्

अन्नं॑ न नि॒न्द्यात् । तद्ब्र॒तम् । प्रा॒णो वा अन्नम्॑ । शरी॑रमन्नादम् । प्रा॒णे शरी॑रं  
प्र॒ति॒ष्ठितम् । शरी॑रे प्रा॒णः प्र॒ति॒ष्ठितः॑ । तदे॒तदन्न॑-मन्ने॒ प्र॒ति॒ष्ठितम् । स य ए॒त-  
दन्न॑-मन्ने॒ प्र॒ति॒ष्ठितं॑ वेद॑ प्र॒ति॒तिष्ठति॑ । अन्न॑वा-नन्नादो भ॒वति॑ । म॒हान् भ॒वति॑  
प्र॒जया॑ प॒शुभि॑-ब्र॒ह्मव॑र्च॒सेन॑ । म॒हान् की॒र्त्या ॥ ७ ॥

## गणानां त्वा

ॐ गणानां त्वा गणपतिगं हवामहे, कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।  
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत, आ नः शृण्वन्नूतिभिस्सीद् सादनम् ॥

## ज्ञानानन्दमयं देवं

ज्ञानानन्दमयं देवं निर्मलस्फटिकाकृतिम् ।  
आधारं सर्वभूतानां हयग्रीवमुपास्महे ॥

गुरवे सर्वलोकानां भिषजे भवरोगिणाम् ।  
निधये सर्वविद्यानां दक्षिणामूर्तये नमः ॥

अखण्डमण्डलाकारं व्याप्तं येन चराचरम् ।  
तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥

आनन्दमानन्दकरं प्रसन्नं ज्ञानस्वरूपं निजबोधयुक्तम् ।  
योगीन्द्रमीडयं भवरोगवैद्यं श्रीमद्गुरुं नित्यमहं नमामि ॥

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।  
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥

## दूर्वासूक्तम्

सहस्रपरमा देवी शतमूला शताङ्कुरा ।  
सर्वगं हरतु मे पापं दूर्वा दुस्स्वप्ननाशिनी ॥

अश्वक्रान्ते रथक्रान्ते विष्णुक्रान्ते वसुन्धरा ।  
शिरसा धारयिष्यामि रक्षस्व मां पदे पदे ॥



## श्यामलादण्डकम् (माणिक्यवीणामुपलालयन्तीं)

माणिक्यवीणामुपलालयन्तीं, मदालसां मंजुलवाग्विलासाम् ।

माहेन्द्रनीलद्युनिकोमलांगीं, मातंगकन्यां मनसा स्मरामि ॥

चतुर्भुजे चन्द्रकलावतंसे, कुचोन्नते कुंकुमरगशोणे ।

पुण्ड्रेक्षुपाशांकुशपुष्पबाण-हस्ते नमस्ते जगदेकमातः ॥

माता मरगतश्यामा मातंगी मदशालिनी ।

कुर्यात्कटाक्षं कल्याणी कदम्बवनवासिनी ॥

## हावुहा

हा३वु हा३वु हा३वु । अहमन्न-महमन्न-महमन्नम् ।

अहमन्नादोऽहमन्नादोऽहमन्नादः ।

अह३लोककृदह३लोककृदह३लोककृत् ।

अहमस्मि प्रथमजा ऋता३स्य । पूर्वं देवेभ्यो अमृतस्य ना३भाइ ।

यो मा ददाति स इदेव मा३वाः । अहमन्नमन्नमदन्तमा३द्भि ।

अहं विश्वं भुवनमभ्यभवाम् । सुवर्नज्योतीः ।

य एवं वेद । इत्युपनिषत् ।

## मृत्तिकासूक्तम्

भूमि - धेनुर्धरणी लोकधारिणी ।  
उद्धृताऽसि वराहेण कृष्णेन शत-बाहुना ॥  
मृत्तिके हन मे पापं यन्मया दुष्कृतं कृतम् ।  
मृत्तिके ब्रह्मदत्ताऽसि काश्यपेनाभिमन्त्रिता ॥  
मृत्तिके देहि मे पुष्टिं त्वयि सर्वं प्रतिष्ठितम्  
मृत्तिके प्रतिष्ठिते सर्वं तन्मे निर्णुद मृत्तिके ।  
तया हतेन पापेन गच्छामि परमां गतिम् ॥

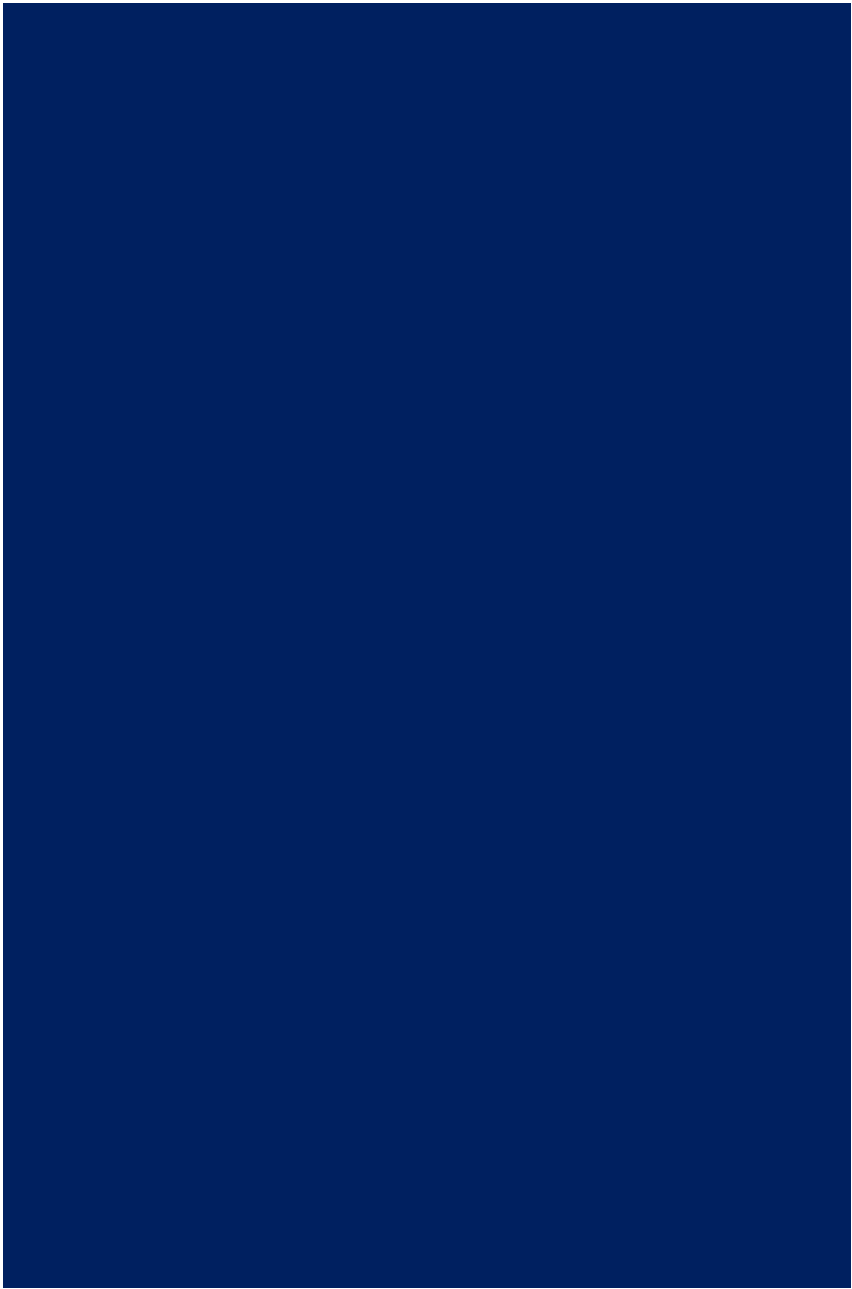
## सूर्यश्च

ॐ सूर्यश्च मा मन्युश्च मन्युपतयश्च मन्युकृतेभ्यः ।  
पापेभ्यो रक्षन्ताम् । यद्वात्रिया पापकार्षम् ।  
मनसा वाचा हस्ताभ्याम् । पद्भ्यामुदरेण शिश्ना ।  
रात्रिस्तदव लुम्पतु । यक्तिं च दुरितं मयि ।  
इदमहं माममृतयोनौ । सूर्ये ज्योतिषि जुहोमि स्वाहा ॥

## मधुवाता

ॐ मधु वाता ऋतायते । मधुक्षरन्ति सिन्धवः ।  
माध्वीर्नः संत्वोषधीः मधु नक्तमुतोषसि मधुमत्पार्थिवर्जः ।  
मधु द्यौरस्तु नः पिता ।  
मधुमान्नो वनस्पतिः मधुमाञ्जस्तु सूर्यः ।  
माध्वीर्गावो भवन्तु नः  
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

# *Rounds*



## **Rose, Rose Red**

Rose, Rose, Rose red, will I ever see thee wed?  
I will marry at my will, Sire, at my will.

## **Dona Nobis**

Dona nobis pacem pacem

## **Hay-Lo**

Hay-lo, a lay-o, lay-o, lay-o a laou-a (x2)

## **Ego Sum Pauper**

Ego sum pauper, Nihil habeo, Cor meum dabo

(Latin translation: I'm a poor man. I have nothing. I give my heart)

OR

Ego sum pauper et dolens go sum

## **If All the People**

If all the people lived their lives  
As if it were a song  
Singing out of light  
Providing music to the stars  
To be dancing circles in the night

- Hymn of the Russian Earth

## **I Like The Flowers**

I like the flowers, I like the daffodils  
I like the mountains, I like the rolling hills  
I like the fireside when the lights are low  
Oomba – la – la, Oomba – la – la  
Oomba – la – la Oomba – la – la

## **I Sat Down With The Duchess**

I sat down with the duchess to tea  
It was just as I feared it would be  
The rumblings abdominal  
Were simply phenomenal  
And everyone thought it was me!

## **Why Shouldn't My Goose**

Why shouldn't my goose, Sing as well as your goose  
When I paid for my goose, Twice as much as yours

## **Simple Gifts**

'Tis the gift to be simple, 'tis the gift to be free,  
'Tis the gift to come down where we ought to be,  
And when we find ourselves in the place just right,  
'Twill be in the valley of love and delight.  
When true simplicity is gain'd,  
To bow and to bend we shan't be asham'd,  
To turn, turn will be our delight,  
Till by turning, turning we come round right.

-Shaker song

## **Black Socks**

Black socks, they never get dirty,  
The longer you wear them the stronger they get.  
Sometimes I think I should launder them,  
Something keeps telling me "Don't wash them yet, not yet, not yet."





*English*



## **Blowin' In the Wind**

How many roads must a man walk down  
Before you call him a man?  
And how many seas must a white dove sail  
Before she sleeps in the sand?  
And how many times must the cannon balls fly  
Before they're forever banned?  
The answer, my friend, is blowin' in the wind,  
The answer is blowin' in the wind.

How many times must a man look up  
Before he can see the sky?  
And how many ears must one man have  
Before he can hear people cry?  
And how many deaths will it take till he knows  
That too many people have died?  
The answer, my friend, is blowin' in the wind,  
The answer is blowin' in the wind.

How many years can a mountain exist  
Before it's washed to the sea?  
And how many years can some people exist  
Before they're allowed to be free?  
And how many times can a man turn his head,  
Pretending he just doesn't see?  
The answer, my friend, is blowin' in the wind,  
The answer is blowin' in the wind.

-Bob Dylan

## Sounds of Silence

Hello darkness my old friend, I've come to talk with you again,  
Because a vision softly creeping, left its seeds while I was sleeping,  
And the vision that was planted in my brain  
Still remains within the sound of silence.

In restless dreams I walked alone, narrow streets of cobbled stone.  
'Neath the halo of a street lamp, I turned my collar to the cold and damp,  
When my eyes were stabbed by the flash of a neon light,  
That split the night and touched the sound of silence.

And in the naked light I saw, ten thousand people maybe more,  
People talking without speaking, people hearing without listening,  
People writing songs that voices never share,  
No one dare disturb the sound of silence.

"Fools," said I, "you do not know, silence like a cancer grows,  
Hear my words that I might teach you,  
Take my arms that I might reach you,"  
When my words like silent raindrops fell  
And echoed in the wells of silence.

And the people bowed and prayed, to the neon gods they made,  
And the sign flashed out its warning, in the words that it was forming,  
And the sign said "the words of the prophets  
Are written on the subway walls, and tenement halls  
And whispered in the sound of silence."

- Simon and Garfunkel

## Nowhere Man

He's a real Nowhere Man, sitting in his Nowhere Land,  
Making all his nowhere plans for nobody.

Doesn't have a point of view, knows not where he's going to,  
Isn't he a bit like you and me?

Nowhere Man please listen, you don't know what you're missing,  
Nowhere Man, the world is at your command!

He's as blind as he can be, just sees what he wants to see,  
Nowhere Man can you see me at all?

Nowhere Man, don't worry, take your time, don't hurry,  
Leave it all till somebody else lends you a hand!

Doesn't have a point of view, knows not where he's going to,  
Isn't he a bit like you and me?

Nowhere Man please listen, you don't know what you're missing  
Nowhere Man, the world is at your command!

He's a real Nowhere Man, sitting in his Nowhere Land,  
Making all his nowhere plans for nobody (×3)

-John Lennon, Paul McCartney

## Great Song Of The Sky

Let us try to keep in rhythm with the rolling of our hills,  
For I'm sure it is the remedy to clear up all our ills,  
And we'll seal a bond of family, communion of wills,  
As we're harking on our way in finity. (x2)

Let us try to keep in harmony with every deed to do,  
For we are you know one and the same, that I reveal to you.  
There's a silent subtle secret between every entity  
As we're harking on our way in finity. (x2)

Sing the Great Song of the sky,  
Friendly with me, oh yeah! (x2)

Sing the Great Song.....

Let us try to keep in step with the changing of our times,  
And we'll let a good clean wind blow through the cobwebs in our minds,  
And embrace the age of atoms using wisely all we find,  
As we're harking on our way in finity. (x2)

-Donovan Leitch

## Colours, Colours

Yellow is the colour of my true love's hair, in the mornin' when we rise,  
In the mornin' when we rise, that's the time, that's the time,  
I love the best.

Blue is the colour of the sky.....

Green is the colour of the sparkling corn.....

Mellow is the feeling that I get, when I see you, mm hm (x2)

Freedom is a word I rarely use, without thinking—mm hm (x2)

Of the times (x2) when I've been loved.

-Donovan Leitch

## **Puff the Magic Dragon**

Puff the Magic Dragon lived by the sea, and frolicked in the autumn mist  
In a land called Honahlee.

Little Jackie Paper loved that rascal Puff  
And brought him strings and sealing wax  
And other fancy stuff,  
Oh Puff the magic.....

Together they would travel on a boat with a billowed sail,  
Jackie kept a lookout perched on Puff's gigantic tail,  
Noble kings and princes would bow when e'er they came,  
Pirate ships would low'r their flags when Puff roared out his name,  
Oh! Puff the magic.....

A dragon lives forever but not so little boys,  
Painted wings and giant rings make way for other toys,  
One grey night it happened Jackie Paper came no more,  
And Puff that mighty dragon, he ceased his fearless roar,  
Oh Puff the magic.....

His head was bent in sorrow, green scales fell like rain,  
Puff no longer went to play along the cherry lane,  
Without his life-long friend, Puff could not be brave,  
So Puff that mighty dragon, sadly slipped into his cave,  
Oh! Puff the magic.....

-Leonard Lipton & Peter Yarrow

## John Barleycorn (Traditional)

There were three men came out of the west, their fortunes for to try,  
And these three men made a solemn vow, John Barleycorn must die.

They've ploughed, they've sown, they've harrowed him in,  
Threw clods upon his head,  
And these three men made a solemn vow, John Barleycorn was dead.

They've let him lie for a very long time, 'til the rains from heaven did fall,  
And little Sir John sprung up his head and so amazed them all,  
They've let him stand 'til Midsummer's Day 'til he looked both pale and wan,  
And little Sir John's grown a long long beard and so became a man.

They've hired men with their scythes so sharp to cut him off at the knee,  
They've rolled him and tied him by the waist serving him most barbarously,  
They've hired men with their sharp pitchforks who've pricked him to the heart,  
And the loader he has served him worse than that,  
For he's bound him to the cart.  
They've wheeled him around and around a field 'til they came unto a barn.

And there they made a solemn oath on poor John Barleycorn,  
They've hired men with their crabtree sticks to cut him skin from bone,  
And the miller he has served him worse than that,  
For he's ground him between two stones.

And little Sir John and the nut brown bowl and his brandy in the glass,  
And little Sir John and the nut brown bowl proved the strongest man at last.  
The huntsman he can't hunt the fox nor so loudly to blow his horn,  
And the tinker he can't mend kettle or pots without a little barleycorn.



## **If I had a Hammer**

If I had a hammer, I'd hammer in the morning,  
I'd hammer in the evening, all over this land,  
I'd hammer out danger, I'd hammer out a warning,  
I'd hammer out love between my brothers and my sisters  
All over this land.

If I had a bell, I'd ring it in the morning.....  
If I had a song, I'd sing it in the morning....

Well, I got a hammer, and I got a bell,  
And I got a song to sing, all over this land,  
It's the hammer of justice, it's the bell of freedom,  
It's a song about love between my brothers and my sisters  
All over this land.

-Pete Seeger

## **Down By The Riverside**

Gonna lay down my sword and shield,  
Down by the riverside. (×3)  
Gonna lay down my sword and shield,  
Down by the riverside,  
Gonna study war no more.

Refrain: I ain't gonna study war no more (×6)

Gonna put on that long white robe.....  
Gonna walk with the Prince of Peace.....  
Gonna join hands around the world .....

## North Country Blues

Come gather round friends, and I'll tell you a tale,  
Of when the red iron pits ran empty.  
But the cardboard filled windows, and old men on the benches  
Tell you now that the whole town is empty.

In the north end of town, my own children are grown,  
But I was raised on the other.  
In the wee hours of youth, my mother took sick,  
And I was brought up by my brother.

The iron ore poured, as the years passed the door,  
The drag lines an' the shovels they was a-humming.  
'Til one day my brother, failed to come home,  
The same as my father before him.

Well a long winter's wait, from the window I watched,  
My friends they couldn't have been kinder.  
And my schooling was cut, as I quit in the spring,  
To marry John Thomas, a miner.

Oh the years passed again, and the givin' was good,  
With the lunch bucket filled every season.  
What with three babies born, the work was cut down,  
To a half a day's shift with no reason.

Then the shaft was soon shut, and more work was cut,  
And the fire in the air, it felt frozen.  
'Til a man come to speak, and he said in one week,  
That number eleven was closin'.

They complained in the East, they are playing too high,  
They say that your ore ain't worth digging.  
That it's much cheaper down, in the South American towns,

Where the miners work almost for nothing.

So the mining gates locked, and the red iron rotted,  
And the room smelt heavy from drinking.  
Where the sad silent song, made the hour twice as long,  
As I waited for the sun to go sinking.

I lived by the window, as he talked to himself,  
This silence of tongues it was building.  
Then one morning's wake, the bed it was bare,  
And I's left alone with three children.

The summer is gone, the ground's turning cold,  
The stores one by one they're a-foldin'.  
My children will go, as soon they grow,  
Well, there ain't nothing here now to hold them.

- Bob Dylan

## **Where have all the Flowers Gone?**

Where have all the flowers gone? Long time passing  
Where have all the flowers gone? Long time ago  
Where have all the flowers gone? Young girls picked them every one  
When will they ever learn? When will they ever learn?

Where have all the young girls gone? (×3) Gone to young men every one, when will they....

Where have all the young men gone? (×3) Gone for soldiers every one

Where have all the soldiers gone? (×3) Gone to graveyards every one

Where have all the graveyards gone? (×3) Gone to flowers every one

- Pete Seeger

## Streets of London

Have you heard the old man in the closed down market,  
Kicking up the papers with his worn out shoes?  
In his eyes you see no pride and held loosely at his side,  
Yesterday's paper telling yesterday's news.

So how can you tell me you're lonely,  
And say for you that the sun don't shine?  
Let me take you by the hand and lead you through  
The streets of London,  
I'll show you something to make you change your mind.

Have you seen the old girl who walks the streets of London,  
Dirt in her hair and her clothes in rags?  
She's no time for talking, she just keeps right on walking,  
Carrying her home in two carrier bags.  
So how can you tell me.....change your mind.

In the all night café at a quarter past eleven,  
Same old man sitting here on his own,  
Looking at the world over the rim of his teacup,  
Each tea lasts an hour and he wanders home alone.  
So how can you tell me.....change your mind.

Have you seen the old man outside the seaman's mission,  
Memory fading with the medal ribbons that he wears?  
In our winter city the rain cries a little pity,  
For one more forgotten hero and a world that doesn't care.  
So how can you tell me.....change your mind.

## Circle Game

Yesterday, a child came out to wander,  
Caught a dragonfly inside a jar,  
Fearful when the sky was full of thunder,  
And tearful at the falling of a star.

And the seasons they go round and round,  
And the painted ponies go up and down,  
We're captive on the carousel of time,  
We can't return, we can only look behind  
From where we came,  
And go round and round and round in the circle game.

Then, the child moved ten times round the seasons,  
Skated over ten clear frozen streams,  
Words like "when you're older" must appease him,  
And promises of someday make his dreams.  
And the seasons they go round.....circle game.

Sixteen springs and sixteen summers gone now,  
Cartwheels turn to carwheels through the town,  
And they tell him, "take your time. It won't be long now  
'Til you drag your feet to slow the circles down."  
And the seasons they go round.....circle game.

So the years spin by and now the boy is twenty,  
Though his dreams have lost some grandeur coming true,  
There'll be new dreams, maybe better dreams and plenty,  
Before the last revolving year is through.  
And the seasons they go round.....circle game.

— Joni Mitchell

## Mr. Tambourine Man

Hey! Mr Tambourine Man, play a song for me,  
I'm not sleepy and there is no place I'm going to,  
Hey! Mr Tambourine Man, play a song for me,  
In the jingle jangle morning I'll come followin' you.

Though I know that evenin's empire has returned into sand,  
Vanished from my hand,  
Left me blindly here to stand but still not sleeping,  
My weariness amazes me, I'm branded on my feet,  
I have no one to meet,  
And the ancient empty street's too dead for dreaming.

Take me on a trip upon your magic swirlin' ship,  
My senses have been stripped, my hands can't feel to grip,  
My toes too numb to step, wait only for my boot heels  
To be wanderin',  
I'm ready to go anywhere, I'm ready for to fade,  
Into my own parade, cast your dancing spell my way,  
I promise to go under it.

Though you might hear laughin', spinnin', swingin' madly across the  
sun,  
It's not aimed at anyone, it's just escapin' on the run,  
And but for the sky there are no fences facin',  
And if you hear vague traces of skippin' reels of rhyme,  
To your tambourine in time, it's just a ragged clown behind,  
I wouldn't pay it any mind, it's just a shadow you're  
Seein' that he's chasing.

Then take me disappearin' through the smoke rings of my mind,  
Down the foggy ruins of time, far past the frozen leaves,  
The haunted, frightened trees, out to the windy beach,  
Far from the twisted reach of crazy sorrow,

Yes, to dance beneath the diamond sky with one hand waving free,  
Silhouetted by the sea, circled by the circus sands,  
With all memory and fate driven deep beneath the waves,  
Let me forget about today until tomorrow.

-Bob Dylan

## **With A Little Help From My Friends**

What would you do if I sang out of tune?  
Would you stand up and walk out on me?  
Lend me your ears and I'll sing you a song  
And I'll try not to sing out of key.

O I get by with a little help from my friends,  
O I get high with a little help from my friends,  
Mm I'm gonna try with a little help from my friends.

What do I do when my love is away?  
Does it worry you to be alone?  
How do I feel by the end of the day?  
Are you sad because you're on your own?  
No, I get by .....

Do you need anybody? I need somebody to love.  
Could it be anybody? I want somebody to love.

Would you believe in a love at first sight?  
Yes I'm certain that it happens all the time.  
What do you see at the end of the night?  
I can't tell you but I know it's mine.  
O I get by .....

-The Beatles

## Ripple

If my words did sing with the voice of sunshine,  
And my tunes were played on the harp unstrung,  
Would you hear my voice come through the music?  
Would you hold it close as if it were your own?

It's a hand-me-down, the thoughts are broken,  
Perhaps it's better left unsaid,  
And I don't know, don't really care,  
Let there be songs to fill the air.

Ripple in still water,  
Where there is no pebble tossed, nor wind to blow.

Reach out your hand if your cup be empty,  
If your cup is full, may it be again,  
Let it be known there is a fountain,  
That was not made by the hand of man.

There is a road, no simple highway,  
Between the dawn and the dark of night,  
And where you go, no one may follow,  
That path is for your steps alone.

Ripple in .....wind to blow

You who choose to lead must follow,  
But if you fall, you fall alone,  
If you should stand, then who's to guide you?  
If I knew the way, I would take you home.

– Jerry Garcia (Grateful Dead)



## Morning Morgantown

When morning comes to Morgantown, the merchants roll their awnings down,

The milk trucks make their morning rounds, in morning Morgantown.

We'll rise up early with the sun, to ride the bus while everyone is Yawning and the day is young in morning Morgantown.

Morning in Morgantown, buy your dreams a dollar down,

Morning any town you name, morning's just the same.

We'll find a table in the shade, and sip our tea and lemonade,

And watch the morning on parade in morning Morgantown.

Ladies in their rainbow fashions,

Coloured stop and go lights flashing,

We'll wink at total strangers passing in morning Morgantown.

Morning in Morgantown..... just the same.

I'd like to buy you everything, a wooden bird with painted wings,

A window full of coloured rings in morning Morgantown.

But the only thing I have to give, to make you smile to win you with,

Are all the mornings still to live in morning Morgantown.

Morning in Morgantown..... just the same.

-Joni Mitchell

## **Scarborough Fair**

Are you going to Scarborough Fair?  
Parsley, sage, rosemary and thyme.  
Remember me to one who lives there,  
She once was a true love of mine.

Tell her to make me a cambric shirt,  
Parsley, sage, rosemary and thyme.  
Without no seams nor needle work,  
Then she'll be a true love of mine.

On the side of a hill in the deep forest green,  
Tracing of sparrow on snow-crested brown,  
Blankets and bedclothes the child of the mountain  
Sleeps unaware of the clarion call.

Tell her to find me an acre of land,  
Parsley, sage, rosemary and thyme.  
Between the salt water and the sea strand,  
Then she'll be a true love of mine.

On the side of a hill a sprinkling of leaves,  
Washes the grave with silvery tears,  
A soldier cleans and polishes a gun.

Tell her to reap it with a sickle of leather,  
Parsley, sage, rosemary and thyme.  
And to gather it all in a bunch of heather,  
Then she'll be a true love of mine.

War bellows blazing in scarlet battalions,  
Generals order their soldiers to kill,  
And to fight for a cause they've long ago forgotten.

-Simon & Garfunkel

## **Imagine**

Imagine there's no heaven, it's easy if you try,  
No hell below us, above us only sky,  
Imagine all the people living for today.

Imagine there's no countries, it isn't hard to do,  
Nothing to kill or die for and no religions too,  
Imagine all the people living life in peace.

You may say I'm a dreamer, but I'm not the only one,  
I hope someday you'll join us and the world will live as one.

Imagine no possessions, I wonder if you can,  
No need for greed nor hunger nor folk with empty hands,  
Imagine all the people sharing all the world.  
You may say.....live as one.

-John Lennon

## **Today**

Today while the blossoms still cling to the vine,  
I'll taste your strawberries and drink your sweet wine,  
A million tomorrows will all pass away,  
Ere I forget all the joy that is mine today.

I'll be a dandy and I'll be a rover,  
You'll know who I am by the song that I sing,  
I'll feast at your table and sleep in your clover,  
Who cares what tomorrow shall bring?

I can't be contented with yesterday's glories,  
I can't live on promises winter to spring,  
For now is my moment, today is my story,  
I'll laugh and I'll cry and I'll dance and I'll sing.

-Randy Sparks

## **Garden Song**

Inch by inch, row by row, gonna make this garden grow,  
All you need is a rake and a hoe, and a piece of fertile ground.  
Inch by inch, row by row, someone bless these seeds I sow,  
Someone warm them from below, 'till the rain comes tumbling down.

Pulling weeds and pickin' stones, we are made of dreams and bones,  
Need a place to call my own for the time is near at hand.  
Grain for grain, sun and rain, find my way through nature's chain,  
Tune my body and my brain to the music of the land.

Plant your rows straight and long, temper them with prayer and song,  
Mother Earth will make you strong if you give her love and care.  
An old crow watching hungrily, from his perch in yonder tree,  
In my garden I'm as free as that feathered thief up there!

- Dave Mallet

## **Parody: Anti-Garden Song**

Slug by slug, weed by weed, my garden's got me really teed,  
All the insects love to feed on my tomato plants,  
Sunburned face, scratched-up knees, my kitchen's chocked with  
zuchinis,  
I'm shopping at the A&P next time I get the chance.

The crabgrass grows, the ragweed thrives,  
The broccoli has long since died,  
The only things still left alive are some radishes and beans.  
My carrot plants are dead and gone, hear the rabbits sing a happy song,  
Until you've weeded all day long you don't know what boredom means.

You get up early, work till late, watch moles and mice get overweight,  
They eat their dinners on a plate from the hard work you have done.  
As ye sow, so shall ye reap, but I smell like a compost heap,

I'm gonna get that lousy creep who said gardening was fun!

- Eric Kilburn

## Little Boxes

Little boxes on the hillside, little boxes made of ticky tacky,  
Little boxes (×3) all the same.

There's a green one and a pink one and a blue one and a yellow one,  
And they're all made out of ticky tacky and they all look just the same.

And the people in the houses all went to the university,  
Where they were put in boxes and they came out all the same,  
And there's doctors and there's lawyers, and business executives,  
And they're all made out of ticky tacky and they all look just the same.

And they all play on the golf course and drink their martinis dry,  
And they all have pretty children and the children go to school,  
And the children go to summer camp and then to the university,  
Where they are put in boxes and they come out all the same.

And the boys go into business and marry and raise a family,  
In boxes made of ticky tacky and they all look just the same.  
There's a green one and a pink one and a blue one and a yellow one,  
And they're all made out of ticky tacky and they all look just the same.

- Malvina Reynolds.

## Kumbaya

Kumbaya, my lord, kumbaya (×3) O Lord, kumbaya.  
Someone's sleeping, Lord, kumbaya (×3) O Lord kumbaya.  
Singing, dreaming, crying, laughing....

Come by here, my lord, come by here (×3)  
O Lord, come by here.

- Marvin V. Frey with African (Angolan) translation

## The Hippopotamus Song

A bold Hippopotamus was standing one day  
On the banks of the cool Shalimar,  
He gazed at the bottom as it peacefully lay  
By the light of the evening star.  
Away on the hill top sat combing her hair  
His fair Hippopotamine maid,  
The Hippopotamus was no ignoramus,  
And sang her this sweet serenade.

Mud! Mud! Glorious mud!  
Nothing quite like it for cooling the blood.  
So, follow me, follow, down to the hollow,  
And there let us wallow in glorious mud.

The fair Hippopotama he aimed to entice  
From her seat on the hilltop above,  
As she hadn't got a ma to give her advice  
Came tiptoeing down to her love.  
Like thunder the forest re-echoed the sound  
Of the song that they sang as they met,  
His inamorata adjusted her garter  
And lifted her voice in duet.

Now more Hippopotami began to convene  
On the banks of that river so wide,  
I wonder now what am I to say of the scene  
That ensued by the Shalimar side.  
They dived all at once with an ear-splitting splosh  
Then rose to the surface again,  
A regular army of Hippopotami  
All singing this haunting refrain.

-Michael Flanders and Donald Swann

## **I Know An Old Lady**

I know an old lady who swallowed a fly,  
And I don't know why she swallowed the fly.  
Perhaps she'll die.

I know an old lady who swallowed a spider,  
That wiggled and jiggled and tickled inside her,  
She swallowed the spider to catch the fly,  
And I don't know why.....

I know an....swallowed a bird / How absurd to swallow a bird!  
She swallowed the bird to catch the spider  
That wiggled and jiggled .....

I know an....swallowed a cat / Imagine that – to swallow a cat!  
She swallowed the cat to catch the bird  
She swallowed the bird to catch the spider, that.....

I know ans....swallowed a dog / What a hog, to swallow a dog!.....  
.....goat / She opened her throat and in walked that goat .....

.....cow / I don't know how she swallowed a cow .....

I know an old lady who swallowed a horse.....  
(spoken) she's dead, of course!

## **Sarasponda**

(Women:) Sarasponda (3x) retsetset! (repeat)

(Men: softly) Boomda, boomda ...

(Together:) Ahdoray-oh! Ahdoray-boomday-oh!

Ahdoray-boomday-retsetset, awsay-pawsay-oh

-Traditional spinning song.

## **Last Night I had the Strangest Dream**

Last night I had the strangest dream I'd ever dreamed before.  
I dreamed the world had all agreed to put an end to war.  
I dreamed I saw a mighty room, filled with women and men,  
And the paper they were signing said they'd never fight again.

And when the paper was all signed and a million copies made,  
They all joined hands and bowed their heads and grateful prayers were  
prayed,  
And the people in the streets below were dancing round and round,  
While swords and guns and uniforms were scattered on the ground.

- Ed McCurdy

## **El Condor Pasa**

I'd rather be a sparrow than a snail,  
Yes I would, if I could, I surely would.

I'd rather be a hammer than a nail,  
Yes I would.....

Away, I'd rather sail away, like a swan that's here and gone.  
A man gets tied up to the ground, he gives the world its saddest sound,  
Its saddest sound.

I'd rather be forest than a street,  
Yes I would.....

I'd rather feel the earth beneath my feet,  
Yes I would.....

- Simon and Garfunkel



## **You've Got a Friend**

When you're down and troubled and you need some loving care,  
And nothing, nothing is goin' right,  
Close your eyes and think of me and soon I will be there,  
To brighten up even your darkest night.

You just call out my name and you know wherever I am,  
I'll come running to see you again,  
Winter, spring, summer or fall, all you got to do is call,  
And I'll be there; you've got a friend.

If the sky above you grows dark and full of clouds,  
And that old north wind begins to blow,  
Keep your head together and call my name out loud,  
Soon you'll hear me knocking at your door.

You just call out my name, and you know wherever I am,  
I'll come running to see you again,  
Winter, spring, summer or fall, all you have to do is call, and I'll be there.  
Ain't it good to know that you've got a friend.

Ain't it good to know that you've got a friend.  
When people can be so cold, they'll hurt you and they'll desert you,  
And take your soul if you let them, oh, but don't you let them.

- Carole King

## **Jamaica Farewell**

Down the way where the nights are gay,  
And the sun shines daily on the mountain top,  
I took a trip on a sailing ship, and when I reached Jamaica I made a  
stop.

But I'm sad to say I'm on my way, won't be back for many a day,  
My heart is down, my head is turning around,  
I had to leave a little girl in Kingston town.

Sounds of laughter everywhere, and the dancing girls swing to and fro,  
I must declare my heart is there, tho' I've been from Maine to Mexico.

Down at the market you can hear  
Ladies cry out while on their heads they bear  
Ake rice, salt fish on ice, and the rum is fine any time of year.

But I'm sad to say.....

- Irving Burgie

## **Shenandoah**

Oh, Shenandoah, I long to hear you, away, you rolling river,  
Oh, Shenandoah, I long to hear you, away, I am bound to go,  
'Cross the wide Missouri.

Oh, Shenandoah, I love your daughter, away, you rolling river,  
Oh, Shenandoah, I love your daughter, away, I am bound to go,  
'Cross the wide Missouri.

Oh, Shenandoah, I took a notion, away, you rolling river,  
To sail across the stormy ocean, away, I am bound to go,  
'Cross the wide Missouri.

## Teach Your Children

You who are on the road, must have a code that you can live by,  
And so, become yourself, because the past is just a goodbye.

Teach your children well, their father's hell did slowly go by,  
And feed them on your dreams,  
The one they pick's the one you'll know why.  
And don't ever ask them why – if they tell you,  
You'll just cry so, just look at them and sigh, and know they love you.

And you of tender years, can't know the fears that your elders grew by,  
And so please help them with your youth,  
They seek the truth before they can die.  
Teach your parents well, their children's hell did slowly go by....

- Graham Nash

## O Freedom

O freedom, O freedom, O freedom over me!  
And before I'd be a slave I'll be buried in my grave,  
And go home to my Lord and be free.

No more killin' (×3) over me.....  
No more fear.....  
No more hunger.....  
There'll be joy.....  
There'll be singing.....  
There'll be peace.....

## **The Times They are a-Changing**

Come gather 'round people wherever you roam,  
And admit that the waters around you have grown,  
And accept it that soon you'll be drenched to the bone.  
If your time to you is worth savin',  
Then you better start swimmin' or you'll sink like a stone,  
For the times they are a-changin'.

Come writers and critics who prophesize with your pens,  
And keep your eyes wide, the chance won't come again,  
And don't speak too soon for the wheel's still in spin,  
And there's no tellin' who that it's namin'.  
For the loser now may be later to win,  
For the times they are a-changin'.

Come senators, congressmen, please heed the call,  
Don't stand in the doorway, don't block up the hall,  
For he that gets hurt will be he who has stalled,  
There's a battle outside and it is ragin'.  
It'll soon shake your windows and rattle your walls,  
For the times they are a-changin'.

Come mothers and fathers throughout the land,  
And don't criticize what you can't understand,  
Your sons and your daughters are beyond your command,  
Your old road is rapidly agin'.  
Please get out of the new one if you can't lend a hand,  
For the times they are a-changin'.

The line it is drawn, the curse it is cast, the slow one now will later be  
fast,  
As the present now, will later be past, the order is rapidly fadin'.  
And the first one now will later be last,  
For the times they are a-changin'.

- Bob Dylan

## **Moonshadow**

I'm bein' followed by a moonshadow, moonshadow, moonshadow,  
Leapin' and hoppin' on a moonshadow, moonshadow, moonshadow.

And if I ever lose my hands, lose my plough, lose my land,  
Oh if I ever lose my hands, oh if...., I won't have to work no more.  
And if I ever lose my eyes, if all my colours all run dry,  
Yes if I ever lose my eyes, oh if...., I won't have to cry no more.

And if I ever lose my legs, I won't moan, and I won't beg,  
Yes if I ever lose my legs, oh if... I won't have to walk no more.  
And if I ever lose my mouth, all my teeth, north and south,  
Yes if I ever lose my mouth, oh if.... I won't have to talk no more.

Did it take long to find me? I asked the faithful light.  
Did it take long to find me? And are you gonna stay the night?  
I'm being followed by.....

-Cat Stevens

## **We Shall Overcome**

We shall overcome, we shall overcome, we shall overcome some day.  
O deep in my heart, I do believe, we shall overcome some day.

We are not afraid (×3) today.....  
We shall stand together (×3) someday....  
The truth will make us free.....  
The lord will see us through.....  
We shall be like him.....  
We shall live in peace.....  
The whole wide world around.....  
We are not alone.....  
Black and white together....  
We shall all be free....

## **I'll Fly Away**

Some bright morning when this life is o'er, I'll fly away,  
To a home on God's celestial shore, I'll fly away.  
I'll fly away, O Glory, I'll fly away (in the morning),  
When I die, Hallelujah, by and by, I'll fly away.

When the shadows of this life have grown, I'll fly away,  
Like a bird that prison bars has flown, I'll fly away.  
I'll fly away, O Glory.....

Just a few more weary days and then I'll fly away,  
To a land where joys will never end, I'll fly away.

I'll fly away, O Glory....by and by, I'll fly away

- Albert E. Brumley

## **Morning Has Broken**

Morning has broken, like the first morning,  
Blackbird has spoken, like the first bird,  
Praise for the singing, praise for the morning,  
Praise for the springing fresh from the word.

Sweet the rain's new fall, sunlit from heaven,  
Like the first dewfall, on the first grass,  
Praise for the sweetness of the wet garden,  
Sprung in completeness where his feet pass.

Mine is the sunlight, mine is the morning,  
Born of the one light Eden saw play,  
Praise with elation, praise every morning,  
God's recreation of the new day.

-Eleanor Farjeon

## **Amazing Grace**

Amazing Grace, how sweet the sound, that saved a soul like me.  
I once was lost but now am found, was blind, but now I see.

Through many dangers, toils and snares, I have already come.  
'Tis Grace that brought me safe thus far and Grace will lead me home.

The lord has promised good to me, his word my hope secures.  
He will my shield and portion be, as long as life endures.

When we've been here ten thousand years, bright shining as the sun,  
We've no less days to sing God's praise, than when we've first begun.

Amazing grace has set me free, to touch, to taste, to feel.  
The wonders of accepting Love, have made me whole and real.

-John Newton (Additions from Pete Seeger and Arlo Guthrie)

## **Now Is The Cool Of The Day**

My lord he said unto me, do you like my garden so fair?  
You may live in this garden if you keep the grasses green,  
And I'll return in the cool of the day,  
Now is the cool of the day (×2)  
O this earth is a garden, the garden of my lord,  
And he walks in the garden in the cool of the day.

My lord.....Do you like this garden so pure?  
You may.....if you keep the waters clean and I'll return...  
My lord.....Do you like my pastures so green?  
You may.....feed all of my sheep.

-Jean Ritchie

## **Turn, Turn, Turn**

To everything—turn, turn, turn,  
There is a season—turn, turn, turn,  
And a time for every purpose, under heaven.

A time to be born, a time to die, a time to plant, a time to reap,  
A time to kill, a time to heal, a time to laugh, a time to weep.

A time to build up, a time to break down, a time to dance, a time to  
mourn,  
A time to cast away stones, a time to gather stones together.

A time of war, a time of peace, a time of love, a time of hate,  
A time you may embrace, a time to refrain from embracing.

A time to gain, a time to lose, a time to rend, a time to sew,  
A time for love, a time for hate, a time of peace, I swear it's not too late.

- Book of Ecclesiastes - Adaptation and music: Pete Seeger

## **Angel Band**

My latest sun is sinking fast, my race is nearly run,  
My strongest trials now are past, my triumph has begun.

O come, angel band, come and around me stand,  
(O bear me away on your snow white wings,  
To my immortal home.) (×2)

Oh bear my longing heart to him who bled and died for me,  
Whose blood now cleanses from all sin and gives me victory.  
O come, angel band.....



I know I'm near the holy ranks, of friends and kindred dear,  
I've brushed the dew on Jordan's banks, the crossing must be near.  
O come, angel band.....

I've almost gained my heavenly home, my spirit loudly sings,  
The holy ones, behold they come, I hear the noise of wings.  
O come, angel band....

-J. Hascall and William Bradbury

## **Abide With Me**

Abide with me, fast falls the even tide,  
The darkness deepens, Lord with me abide.  
When other helpers fail and comforts flee,  
Help of the helpless, oh abide with me.

Swift to its close ebbs out life's little day,  
Earth's joys grow dim, its glories pass away.  
Change and decay in all around I see,  
Oh thou who changest not abide with me.

I need thy presence every passing hour,  
What but thy grace can foil the tempter's power?  
Who like thyself my guide and stay can be?  
Through cloud and sunshine, lord, abide with me.

I fear no foes with thee at hand to bless,  
Ills have no weight and tears no bitterness,  
Where is death's sting? Where, grave, thy victory?  
I triumph still if thou abide with me.

- Henry F. Lyte

## Let it Be

When I find myself in times of trouble, mother Mary comes to me,  
Speaking words of wisdom, let it be.  
And in my hour of darkness, she is standing right in front of me,  
Speaking words of wisdom, let it be.

Let it be (×4)  
Speaking words of wisdom, let it be.

And when the broken hearted people living in the world agree,  
There will be an answer, let it be.  
For though they may be parted, there is still a chance that they will see,  
There will be an answer, let it be.

And when the night is cloudy, there is still a light that shines on me,  
Shine until tomorrow, let it be.  
I wake up to the sound of music, mother Mary comes to me,  
Speaking words of wisdom, let it be.

Let it be (×4) whisper words of wisdom, let it be.

-John Lennon and Paul McCartney

## Babylon

By the waters, the waters of Babylon,  
We lay down and wept and wept for thee, Zion.  
We remember (×3) thee, Zion.

-From Psalm 137

## **Silent Night**

Silent night, holy night, all is calm, all is bright,  
Round yon virgin mother and child,  
Holy infant so tender and mild,  
Sleep in heavenly peace, sleep in heavenly peace.

Silent night, holy night, shepherds quake at the sight,  
Glories stream from heaven afar, heavenly hosts sing alleluia!  
Christ, the saviour is born; Christ, the saviour is born.

Silent night, holy night, son of God, love's pure light,  
Radiant beams from thy holy face,  
With the dawn of redeeming grace,  
Jesus, lord at thy birth; Jesus, lord at thy birth.

## **Oh Come All Ye Faithful**

O come all ye faithful, joyful and triumphant,  
O come ye, o come ye, to Bethlehem;  
Come and behold him, born the king of angels.

O come let us adore him, o come let us adore him,  
O come let us adore him, Christ the lord.

Sing, choirs of angels, sing in exultation,  
Sing all ye citizens of heaven above.  
Glory to God, glory in the highest.

O come let us adore him.....

Yea, Lord, we greet thee, born this blessed morning,  
Jesus, to thee, be glory giv'n,  
Word of the father, now in flesh appearing.

O come let us adore him.....

## **We Three Kings of Orient are**

We three kings of Orient are bearing gifts, we traverse afar,  
Field and fountain, moor and mountain, following yonder star.

O, o star of wonder, star of light,  
Star with royal beauty bright,  
Westward leading, still proceeding,  
Guide us to thy perfect light.

Born a king on Bethlehem's plain, gold I bring to crown him again,  
King forever, ceasing never, over us all to reign.  
O, o star of wonder.....thy perfect light.

Frankincense to offer have I, incense draws the deity nigh,  
Prayer and praising, all men raising,  
Worship him, god most high.  
O, o star of wonder.....thy perfect light.

Myrrh is mine, its bitter perfume,  
Breathes of life of gathering gloom,  
Sorrowing, sighing, bleeding, dying,  
Sealed in the stone-cold tomb.  
O, o star of wonder.....thy perfect light.

Glorious now behold him arise, king and god and sacrifice,  
Heavens sing alleluia, alleluia the earth replies.  
O, o star of wonder.....thy perfect light.

## The First Noel

The First Noel, the angel did say,  
Was to certain poor shepherds in fields as they lay,  
In fields where they lay keeping their sheep,  
On a cold winter's night that was so deep.  
Noel, Noel, Noel, Noel  
Born is the king of Israel!

They looked up and saw a star  
Shining in the east, beyond them far,  
And to the earth it gave great light,  
And so it continued both day and night.  
Noel, Noel, Noel, Noel  
Born is the king of Israel!

And from the light of that same star,  
Three wise men came from country far,  
To seek for a king was their intent,  
And to follow the star wherever it went.  
Noel, Noel, Noel, Noel,  
Born is the king of Israel

This star drew nigh to the northwest,  
O'er Bethlehem it took its rest,  
And there it did both stop and stay,  
Right o'er the place where Jesus lay.  
Noel, Noel, Noel, Noel  
Born is the king of Israel!

Then entered in those wise men three,  
Full reverently on bended knee,  
And offered there in his presence,  
Their gold and myrrh and frankincense.

Noel, Noel, Noel, Noel  
Born is the king of Israel!

## **God Rest Ye Merry Gentlemen**

God rest ye merry gentlemen, let nothing you dismay,  
For Jesus Christ our saviour, was born upon this day,  
O celebrate this joyous birth, rejoice in every way.

O, o tidings of comfort and joy, comfort and joy,  
O, o tidings of comfort and joy.

From god that is our father, the blessed angel came,  
Unto some certain shepherds, with tidings of the same,  
That there was born in Bethlehem, the son of god by name.  
O, o tidings of comfort and joy.....

The shepherds at those tidings, rejoiced much in mind,  
And left their flocks a-feeding, in tempest storm and wind,  
And so they came to Bethlehem, the son of god to find.  
O, o tidings of comfort and joy.....

## **Ding Dong Merrily On High**

Ding dong merrily on high, in heav'n the bells are ringing.  
Ding dong! Verily the sky is riv'n with angel singing.  
Gloria, hosanna in excelsis!

E'en so here below, below, let steeple bells be swungen,  
And "Io, io, io!", by priest and people sung.  
Gloria, hosanna in excelsis!

Pray you, dutifully prime your matin chime, ye ringers;  
May you beautifully rime your evetime song, ye singers.  
Gloria, hosanna in excelsis!

## **Joy To The World**

Joy to the world, the lord is come! Let earth receive her king;  
Let every heart prepare him room, and heaven and nature sing,  
And heaven and nature sing, and heaven, and heaven, and nature sing.

Joy to the world, the saviour reigns! Let men their songs employ;  
While fields and floods, rocks, hills and plains,  
Repeat the sounding joy, repeat the sounding joy,  
Repeat, repeat, the sounding joy.

He rules the world with truth and grace,  
And makes the nations see, the glories of his righteousness,  
And wonders of his love, and wonders of his love,  
And wonders, wonders, of his love.

## **Angels We Have Heard On High**

Angels we have heard on high, sweetly singing o'er the plains.  
And the mountains in reply, echo back their joyous strains.

Gloria, in excelsis Deo! Gloria, in excelsis Deo!

Shepherds, why this jubilee? Why your joyous strains prolong?  
Say what may the tidings be, which inspire your heavenly song?

Gloria, in ....

Come to Bethlehem and see, Christ whose birth the angels sing;  
Come, adore on bended knee, Christ the lord, the newborn king.

Gloria, in....

See him in a manger laid, whom the choirs of angels praise;

Mary, Joseph, lend your aid, while our hearts in love we raise.

Gloria, in....

## **While Shepherds Watched**

While shepherds watched, their flocks by night,  
All seated on the ground, the angel of the lord came down,  
And glory shone around, and glory shone around.

"Fear not," he said, for mighty dread had seized their troubled minds  
"Glad tidings of great joy I bring, to you and all mankind,  
To you and all mankind."

"To you in David's town this day is born of David's line  
The saviour who is Christ the lord,  
And this shall be the sign, and this shall be the sign."

"The heavenly babe, you there shall find,  
To human view displayed, and meanly wrapped  
In swathing bands, and in a manger laid, and in a manger laid."

Thus spake the seraph, and forthwith appeared a shining throng  
Of angels praising god, who thus addressed their joyful song,  
Addressed their joyful song.

"All glory be to god on high, and to the earth be peace;  
Goodwill henceforth, from heaven to men, begin and never cease,  
Begin and never cease!"



## **Green Grow The Rushes-O**

I'll sing you one-o, green grow the rushes-o.  
What is your one-o?  
One is one and all alone and evermore shall be so.

I'll sing you two-o, green...  
What is your two-o?  
Two, two the lily white boys, clothed all in green-o,  
One is one and all alone and evermore shall be so.

Three, three the rivals....  
Four for the gospel makers....  
Five for the symbols at your door....  
Six for the six proud walkers....  
Seven for the seven stars in the sky....  
Eight for the April rainers....  
Nine for the nine bright shiners....  
Ten for the Ten Commandments....  
Eleven for the eleven went up to heaven....  
Twelve for the twelve apostles....

## **Flowers Never Bend With the Rainfall**

Through the corridors of sleep past shadows dark and deep  
My mind dances and leaps in confusion  
I don't know what is real I can't touch what I feel  
And I hide behind the shield of my illusion

So....I'll continue to continue to pretend, my life will never end  
And flowers never bend with the rainfall

The mirror on my wall casts an image dark and small but  
I'm not sure at all it's my reflection  
I'm blinded by the light of God and truth and right  
And I wander in the night without direction

So....I'll continue to continue...

No matter if you're born, to play the king or pawn for  
The line is thinly drawn tween joy and sorrow  
And so my fantasy becomes reality  
And I must be what I must be and face tomorrow

So.....I'll continue to continue....

-Simon and Garfunkel



This book of songs has been compiled at Centre For Learning and is intended for internal use. Not for sale or public circulation.

Published by Centre For Learning.

[www.cfl.in](http://www.cfl.in)





Centre for Learning